अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
म्हारो लक्ष्य - राष्ट्र री प्रगति
स्थापित 1935

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• दिसम्बर २०२४ • वर्ष ७५ • अंक १२
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

९०वाँ स्थापना दिवस विशेषांक

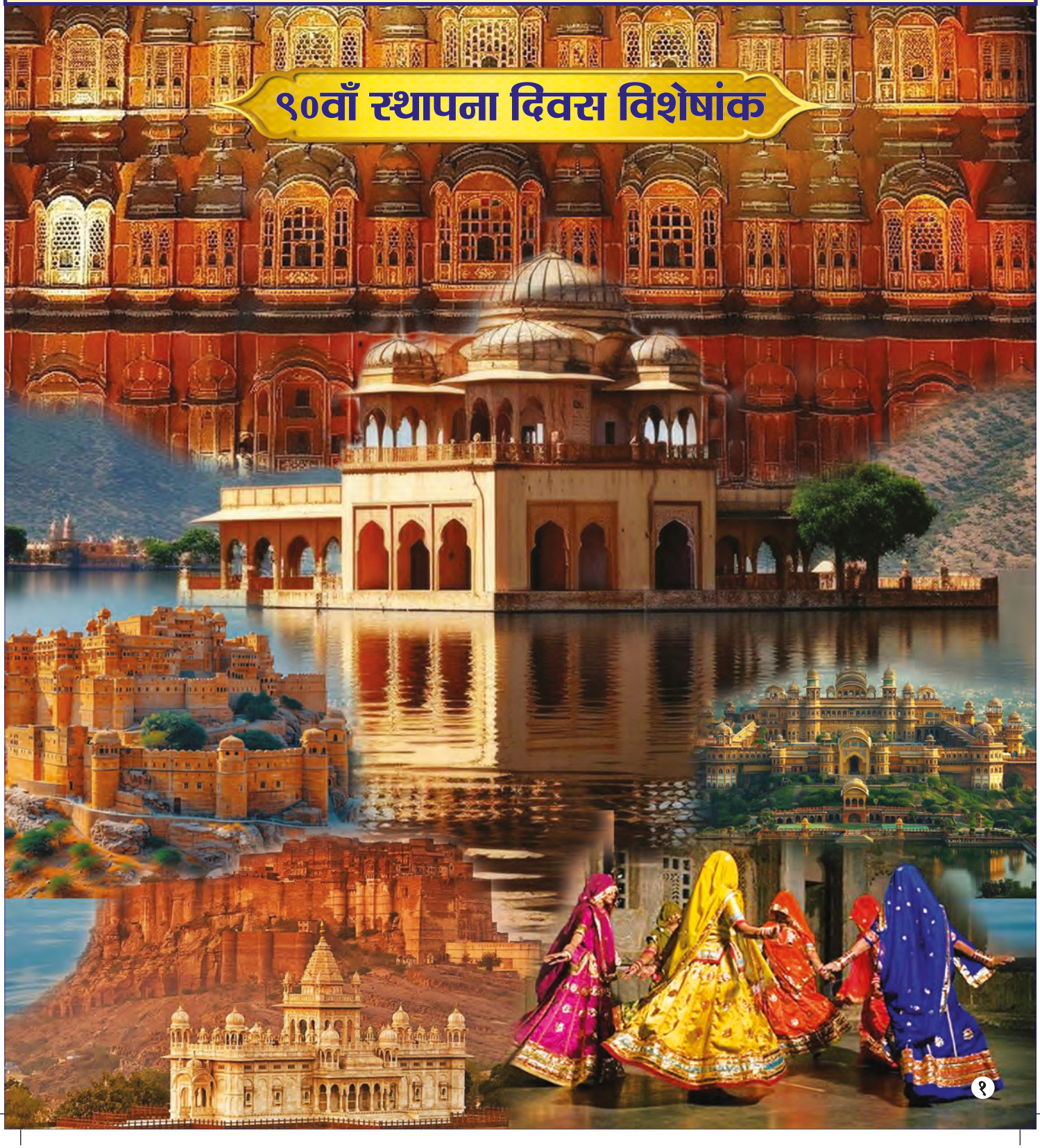

With best compliments from:

DEEPAK STEEL & POWER LIMITED

DSPL

ISPAT BHAWAN, BARBIL ORISSA

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
- Conductor and groundwire accessories
- HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
- OPGW cable fittings
- Pole/Distribution line hardware
- AB Cable and ADSS cable accessories
- Substation clamps and connectors
- Conductor, Insulator and hardware testing facility

Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

manipalhospitals
LIFE'S ON

विश्वस्तरीय देखभाल, अब आपके नज़दीक उपलब्ध है।

हमारे मणिपाल हॉस्पिटल
नेबरहुड कनेक्ट प्रोग्राम के साथ
अनेक और विशेष लाभ पाएं।

मणिपाल हॉस्पिटल कोलकाता द्वारा संचालित एक पहल।

मणिपाल हॉस्पिटल नेबरहुड कनेक्ट प्रोग्राम नाम की इस पहल का उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना और मणिपाल हॉस्पिटल कोलकाता की सभी इकाइयों से जुड़े सभी निवासियों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है।

- आसान उपलब्धता
- 24x7 कुशल सहायता
- विशेष आपातकालीन सेवा
- प्रिविलेज कार्ड
- विशेष नेबरहुड डेस्क
- वरिष्ठ नागरिकों के लिए व्यापक देखभाल

www.manipalhospitals.com
033 6680 0000 पर कॉल करें
info@manipalhospitals.com

PATTON
A Government Recognised
STAR EXPORT HOUSE
A Legacy of Continued
ENGINEERING
Excellence
MANUFACTURING EXPERTISE
• CNC Precision Machining
• Tubular Components
• Die & Tool Designing
• In-house Product Designing
• Sheet Metal Stamping
• Complex Die Casting
• End-to-end Engineering Solutions
• High End Surface Treatment - Electroplating, Powder Coating & Painting
• High Pressure Sand Casting: Ferrous & Non-Ferrous
Over 300 Products
8 State-of-the-art Plants in West Bengal
Over 100 Awards
Certifications:
SGS
intertek
AEO
INDIAN CUSTOMS
PATTON HOUSE, 3C, Camac Street, Kolkata 700 016.
steel@pattonindia.com | www.pattonindia.com
Connect:
Proud Winner of Multiple National Awards for Productivity & Excellence in Exports

Central Board of Secondary Education
Boarding Schools' Association of India
BSAI
AFS Intercultural Programs
STARTUPYOU
2019
2022
Scan for BPSK Activities
BIRLA PUBLIC SCHOOL
KISHANGARH-AJMER (RAJ.)
(A Birla Eduation, Pilani Institution)
Milestone 82 , Jaipur-Ajmer Highway (NH-8), Kishangarh, Ajmer -305801
Scan for Online Registration
BIRLA PUBLIC SCHOOL
MINDS ON WINGS
KISHANGARH
BIRLA PUBLIC SCHOOL
Ranked as
#01
CO-ED Boarding School in Rajasthan
• English medium co-educational premier residential school for boys and girls.
• Efficient, qualified and trained faculty at par with the best in the country.
• Well-equipped science labs and a state of the art Design & Technology lab.
• Superb sports facilities with specialized Coaches for all sports.
• Excellent pastoral care with separate A/C hostels for boys and girls.
ADMMISSION OPEN
FOR GRADE V-IX & XI
2025-26
www.bisk.edu.in
Contact : +91 92510 28311/301
Email : admission@bisk.edu.in

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

4बी, डकबैक हाउस, 41, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-700017
टेलीफोनः (033) 4004 4089, ईमेलः aimf1935@gmail.com
वेवसाइटः www.marwarisammelan.in

90वाँ स्थापना दिवस समारोह

उद्घाटनकर्ता

श्री वासुदेव देवनानी
अध्यक्ष
राजस्थान विधान सभा

विशिष्ट अतिथि

श्री रवि गाँधी
अतिरिक्त महानिदेशक, कोलकाता
सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान

सभापतित्व

श्री शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

बुधवार, 25 दिसंबर 2024 ● सुबह 10 बजे

जी. डी. बिड़ला सभागार

29, आशुतोष चौधरी एवेन्यू, बालीगंज, कोलकाता-700 019

निवेदक :

गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
स्वागताध्यक्ष

दिनेश जैन, रंजीत जालान,
मधुसूदन सीकरिया, राज कुमार केडिया
निर्मल झुनझुनवाला, सुभाष अग्रवाल
राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण

पवन जालान
संजय गोयनका
राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

कैलाशपति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

महेश जालान
राष्ट्रीय संगठन मंत्री

केदार नाथ गुप्ता
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

साहित्य अकादमी से पुरस्कृत, राजस्थान रत्न से सम्मानित, **पद्मश्री विजयदान जी देथा** का लोक कथाओं के विकास में अतुलनीय योगदान है। इस अवसर पर राजस्थानी और हिन्दी के परम विद्वान साहित्यकार, पद्मश्री देथाजी की कहानियों पर आधारित **नाटक - उळझ्याँ ई सुळझै** का कोलकाता स्थित "मरुधारा संस्था" द्वारा मंचन किया जायेगा।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अब तक के सिरमौर

स्व. ईश्वर दास जालान
सम्मेलन के प्राण-पुरुष

स्व. रामदेव चोखानी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९३५-१९३८

स्व. पदमपत सिंघानिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९३८-१९४०

स्व. बद्री प्रसाद गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९४०-१९४१

स्व. आनन्दीलाल पोद्दार
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९४१-१९४३

स्व. रामगोपाल मोहता
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९४३-१९४७

स्व. बृजलाल बियानी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९४७-१९५४

स्व. गोविन्द दास मालपानी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९५४-१९६२

स्व. गजाधर सोमानी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९६२-१९६६

स्व. रामेश्वरलाल टांटिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९६६-१९७४

स्व. भंवरलाल सिंघी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९७४-१९७९

स्व. मेजर रामप्रसाद पोद्दार
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९७९-१९८२

स्व. नन्दकिशोर जालान
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९८२-१९८६, १९९३-२००१

स्व. हरिशंकर सिंघानिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९८६-१९८९

स्व. रामकृष्ण सरावगी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९८९-१९८९

स्व. हनुमान प्रसाद सरावगी
कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष
१९८९-१९९३

स्व. मोहनलाल तुलस्यान
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२००१-२००६

श्री सीताराम शर्मा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२००६-२००८

श्री नन्दलाल रूँगटा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२००८-२०११

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२०११-२०१३

श्री रामअवतार पोद्दार
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२०१३-२०१५

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२०१५-२०१८

श्री संतोष सराफ
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२०१८-२०२०

श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२०२०-२०२३

श्री शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
२०२३-२०२५

अध्यक्ष, लोक सभा

SPEAKER, LOK SABHA
INDIA

संदेश

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा अपना ९०वाँ स्थापना दिवस समारोह दिनांक २५ दिसम्बर, २०२४ को मनाया जा रहा है।

वर्ष १९३५ में अपनी स्थापना के समय से ही अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन विभिन्न समाज सेवी प्रकल्पों से जुड़ी संस्था रही है। इसने पूरे-देश में बसे मारवाड़ी समाज को एक सूत्र में बांध कर सामाजिक सुधार के कार्यों को गति दी है। मारवाड़ी समाज भारतीय उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए विख्यात है। यह समाज विभिन्न राज्यों की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में उत्प्रेरक की भूमिका निभाता रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अपनी स्थापना के ९०वें वर्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन समाज की बेहतरी के लिए आगामी वर्ष हेतु अपना एजेंडा तय करेगा तथा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर राष्ट्र-निर्माण में अपना योगदान देगा।

मैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन को उसके स्थापना दिवस पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ तथा इस संस्था से जुड़े सभी व्यक्तियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

(ओम बिरला)

हरिभाऊ बागडे
राज्यपाल, राजस्थान

सत्यमेव जयते

Haribhau Bagde
Governor, Rajasthan

दिनांक : 16 दिसम्बर, 2024

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 90वां स्थापना दिवस आगामी 25 दिसम्बर, 2024 को कोलकाता स्थित जी.डी. बिरला सभागार में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर आप 'समाज विकास' पत्रिका का विशेषांक भी प्रकाशित कर रहे है।

मारवाड़ी समाज नहीं बल्कि उद्यमिता की भारतीय संस्कृति है। जहां–जहां मारवाड़ी गए है, उन्होंने वहां की आर्थिक समृद्धि में योगदान दिया है। अखिल भारतवर्षीय मारवाडी सम्मेलन में मेरा आग्रह है कि अपने राजस्थान के विकास में वे सहभागी बनें। राजस्थान में अपनी मातृभूमि के लोगों के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों में सहयोग दे।

वार्षिक सम्मेलन के लिए और प्रकाश्य पत्रिका के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं है।

(हरिभाऊ बागडे)

राज भवन, सिविल लाइन्स, जयपुर–302006
Raj Bhawan, Civil Lines, Jaipur-302006
दूरभाष : 0141–2228716–19, 2228611–12, 2228722

रघुवर दास
राज्यपाल ओड़िशा

राजभवन
भुवनेश्वर-७५१००८

दिनांकः 12.12.2024

संदेश

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, कोलकाता अपनी मासिक मुखपत्र 'समाज विकास-२०२४' दिसंबर महीने में प्रकाशन करने जा रहा है।

किसी भी संगठन का सैद्धांतिक विचारों, लक्षों और उद्देशों को जन जन तक पहुँचाने के लिए चाहे मुखपत्र हो या पत्रिका अहम भूमिका अदा करती है। इस श्रेणी में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, कोलकाता राष्ट्रीय स्तर पर 'समाज विकास-२०२४' का प्रकाशन कर अपने समाज में भावात्मक संबंध को मजबूत करने का सुखद प्रयास कर रहा है। सामाजिक सुधार, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय विकास सम्मेलन का मुख्य लक्ष्य रहा है। मुझे आशा है कि इस पत्रिका के माध्यम से जनता को उपयोगी जानकारी मिलेगी।

मैं 'समाज विकास-२०२४' पत्रिका के लेखकों, संपादकों, पाठकों तथा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी सदस्यों को शुभकामनाएँ देते हुए पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(रघुवर दास)

रवि गांधी,
अपर महानिदेशक (पूर्वी कमान)
RAVI GANDHI
Addl. Director General (EC)
Tel : 033-29540408 (O)
Email : hqspldgeast@bsf.nic.in

D.O. No. .....
मुख्यालय विशेष महानिदेशक (पूर्वी कमान)
HQ. Spl Director General (EC)
सीमा सुरक्षा बल
Border Security Force
2–बी, लार्ड सिन्हा रोड
2-B, Lord Sinha Road
कोलकाता -700 071
Kolkata -700 071

20th दिसम्बर 2024

संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का 90 वें स्थापना दिवस समारोह दिनांक 25 दिसम्बर 2024 को कोलकाता में आयोजित होने जा रहा है। किसी भी संस्था के लिए इतने दीर्घ वर्षो तक समाज की सेवा करना अपने आप में एक उपलब्धि है। इस विशिष्ट अवसर पर मैं संस्था के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।

मारवाड़ी समाज देश के व्यापार एवं उद्योग के क्षेत्र में प्रमुख भूमिका रही है। साथ ही साथ मारवाड़ी समाज का समाज सेवा के क्षेत्रों में प्रमुख योगदान रहा है। देश के कोने–कोने में फैले मारवाड़ी समाज देश की प्रगति के लिए सदैव प्रयत्नशील रहे हैं।

जैसा के मुझे बताया गया है कि सम्मेलन समाज के संस्कार एवं संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहा है इसलिए इसके सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं।

मैं सम्मेलन के 90 वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले समारोह के सफलता की कामना करता हूँ एवं इस अवसर पर प्रकाशित होने वाले मासिक पत्रिका समाज विकास के विशेषांक के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

रवि गांधी
अपर महानिदेशक

श्री शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
कोलकाता ।

डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

राम - राम। राधे - राधे।

नववर्ष की शुभकामनाएँ। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का ९०वां स्थापना दिवस समारोह बड़े ही उत्साह के साथ २५ दिसम्बर २०२४ को कोलकाता में आयोजित किया जा रहा है।

इस विशेष अवसर पर ज्ञानवर्धक पठनीय पत्रिका 'समाज विकास' का विशेषांक प्रकाशित किया जाना अति सराहनीय है।

समाज के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर विकास हेतु 'अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन' का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। समाज को उन्नति की ओर अग्रसर करने में मारवाड़ी समाज ने महत्वपूर्ण प्रयासों द्वारा अपनी विशेष भूमिका निभाती रही है।

इस सम्मेलन के स्थापना दिवस के अति विशेष अवसर पर मेरी सहृदय शुभकामनाएँ समर्पित है।

अपना संकल्प **"म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति"** के लिए संगठित हो काम करते रहना है।

सहृदय शुभकामनाओं सहित

हरिप्रसाद कानोड़िया

डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया

wonder images

ISO 9001:2015 & 45001-2018 Certified Company

Wonder images
PVT. LTD.

Wonder Images is an ISO 9001:2015 & 45001-2018 certified company with focus on printing for indoor and outdoor advertising, Signage & Store Branding with daily printing capacity of 100,000 sq.ft. Having HP XLJET 1500 for Back-to-Back print VUTEK 3360, GS3250LX PRO UV Hybrid Machine FUJI-UV 1600R & LATEX 700/335 including CNC Router / Laser

Back-lit-flex • Front-lit-flex • Building Wrap • One Way Vision • Self Adhesive Vinyl Vehicle / Fleet Graphics • Full setup of FABRIC Boxes • Floor And Wall Graphics Mesh, Tyvek, Yupo • Reflective Signage • Frosted Vinyl • Translite • Canvas Direct Print on ACP, Acrylic, Glass, WPC, Plywood and many other hard Surfaces.

Contact Us:

Amit: 09830425990
Email: amit@wondergroup.in

दिनांकः 13.12.2024

राम अवतार पोद्दार
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

२५ दिसंबर २०२४ को कोलकाता में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९०वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन और सम्मेलन का मुखपत्र मासिक पत्रिका 'समाज विकास विशेषांक' का विमोचन किया जा रहा है। यह जानकार मुझे अति प्रसन्नता का बोध हो रहा हैं।

किसी भी संस्था का ८९ वर्ष पूरे होने पर सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न होता हैं अपनी सक्रियता, सामयिकता एवं प्रासंगिकता को बनाए रखना। मारवाड़ी सम्मेलन के लिए समय के साथ चलना तुलनात्मक रूप से सहज था क्योंकि सम्मेलन की स्थापना के पीछे मूल उद्देश्य ही था समाज को समयानुसार परिवर्तन की ओर अग्रसर करना। सम्मेलन समाज के लिए स्वयं बदलाव का स्रोत एवं प्रेरक रहा हैं। परंतु मारवाड़ी सम्मेलन की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता के सवाल पर यदा-कदा प्रश्न उठते रहते हैं कि सम्मेलन क्या है, क्यों हैं, और किस लिए हैं? इन प्रश्नों को न तो सिरे से खारिज किया जा सकता है, न ही उन्हें नजरअंदाज किया जाना चाहिए साथ ही समाज में जो भी विसंगतियाँ एवं कुरीतियाँ पनप रही हैं उसपे लगाम लगाना अति आवश्यक है।

मैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों और सहयोगियों को ९०वें स्थापना दिवस समारोह की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

राम अवतार पोद्दार

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office:
1, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700069
Phone: 22103480, 22103485
Fax: 22319221
Email: roadcargo@vsnl.net

Branches & Associates:
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam,
Vijaywada, Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin,
Gaziabad (U.P. Border), Indore

दिनांकः 13.12.2024

संतोष सराफ
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

महोदय,

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है, कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९०वें स्थापना दिवस समारोह का कोलकाता में २५ दिसंबर २०२४ को आयोजन और सम्मेलन का मुखपत्र मासिक पत्रिका 'समाज विकास विशेषांक' का विमोचन किया जा रहा है।

प्रवासी राजस्थानियों के देशव्यापी संगठन अखिल भारतवर्षीय सम्मेलन का स्थापना दिवस समारोह अपने आप में महत्वपूर्ण हैं। इससे संगठन की दीर्घकालीन सेवाओं उपलब्धियों और भावी योजनाओं पर विचार-विमर्श का मार्ग प्रदर्शन होता हैं।

आशा है संस्था के स्थापना दिवस के कार्यक्रम देश और प्रदेश के औद्योगिक विकास, समृद्ध संस्कृति, कलाओं लोक विरासत और विशिष्टताओं को व्यापक बनाने की दृष्टि से सार्थक सिद्ध होंगे।

मैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों और सहयोगियों को ९०वें स्थापना दिवस समारोह की बधाई देते हुए इसके सभी कार्यक्रमों की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

संतोष सराफ

संतोष सराफ

गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

शुभकामना संदेश

संगठन में ही शक्ति नीहित है। हमारे पूर्वज मनीषियों ने आज से ८९ वर्ष पूर्व इसकी महता और आवश्यकता अनुभव की प्रतिफल २५ दिसम्बर १९३५ को कोलकाता में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का प्रादुर्भाव। उस समय समाज में व्याप्त बुराईयों का निराकरण किया गया पर समाज सुधार एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, कारण समय काल के अनुसार नई-नई बुराइयाँ एवं विसंगतिया अपने जाल में समाज को जकड़ने लगती है जिनके उन्मूलन के लिए सम्मेलन पूर्व की भाँति सचेष्ट है, इसके साथ-साथ समाज सेवा व उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग के प्रकल्प भी कार्यरत हैं।

संगठन का व्यापक विस्तार भी हुआ है। आज देश के प्रायः सभी प्रांतों में प्रांतीय शाखा समाज को संगठित करने के कार्य में लगी हुई है। समाज के बन्धुओं में समाज के व्यापक हित में काम करने का जज्बा भी है।

प्रसन्नता की बात है कि आगामी २५ दिसंबर २०२४ को सम्मेलन अपना ९०वाँ स्थापना दिवस मना रहा है। सम्मेलन की नौ दशक की यात्रा संतोषप्रद रही है पर हमे अभी भी बहुत लंबी दूरी तय करनी है।

मेरी शुभकामना है कि सम्मेलन समाज हित के पुण्य कार्य में लगा रहे।

सम्मेलन के मुखपत्र समाज विकास का विशेषांक विशेष एवं संग्रहणीय होगा पूरा इसका विश्वास है।

स्थापना दिवस समारोह की शानदार सफलता हेतु शुभकामनाएँ।

गोवर्धन प्र. गाड़ोदिया

गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

संजय हरलालका
निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

शुभकामना संदेश

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९०वें स्थापना दिवस पर शुभकामना संदेश प्रेषित करने के निवेदन हेतु आंतरिक आभार।

सम्मेलन के इस दीर्घ और सफल सफर पर नजर डालें तो गर्व होता है हमारे पूर्वजों की सोच पर, जो नब्ज देखकर बीमारी ताड़ लेते थे। इसी सोच के मद्देनजर समयानुकूल समय-समय पर सम्मेलन के कार्यों में बदलाव भी दृष्टिगोचर होते रहे हैं। इसका सुफल है कि सम्मेलन उन मुद्दों पर गौर करता है, जो शैशव काल में ही हों। ऐसे मुद्दों को समाज के समक्ष रखकर नींव का पत्थर बनता है, जिसे धीरे-धीरे अन्य संस्थाएं भी आत्मसात् करती हैं। इन्हीं में दो मुद्दों की चर्चा करता हूँ। एक है प्री-वेडिंग शूट तथा दूसरा है वैवाहिक समारोह में मद्यपान के लिए काउंटर।

करीब १२-१३ वर्ष पूर्व प्री-बेडिंग के मुद्दे को बतौर सम्मेलन पदाधिकारी मैंने अपनी लेखनी के माध्यम से उठाया था। जिसे समाज विकास सहित कोलकाता-ओडिशा-बिहार-असम के अखबारों ने प्रकाशित किया था। उस वक्त यह बुराई अपना सिर उठा रही थी। सभी ने इसकी सराहना की। आगामी अधिवेशन में पारित करने के लिए मैंने प्रस्ताव भी भेजा था, किन्तु अपरिहार्य कारणोंवश उस वक्त इसे 'खारिज' कर दिया गया, लेकिन बाद में अधिवेशनों में पारित हुआ।

लेकिन आज मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि इस बीमारी रूपी समस्या पर मारवाड़ी समाज के अन्य घटकों ने भी कदम उठाये हैं। जागरूकता फैली है।

इसी तरह वैवाहिक समारोह में मद्यपान के काउंटर को लेकर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्द लाल जी रूंगटा के कार्यकाल में सम्मेलन ने आवाज उठाई। तत्पश्चात श्री हरि प्रसाद जी कानोड़िया, श्री रामअवतार जी पोद्दार, पद्मश्री प्रह्लाद राय जी अग्रवाल, श्री संतोष जी सराफ तथा श्री गोवर्धन प्रसाद जी गाड़ोदिया के अध्यक्षीय कार्यकाल से लेकर अब तक सम्मेलन जागरूकता अभियान चलाये हुए है। ये ऐसे मुद्दे होते हैं जिनकी गणना आंकड़ों में नहीं हो सकती है कि कितने लोगों ने इसे आत्मसात् किया। परिणाम होते जरूर हैं, दिखाई नहीं पड़ते। क्योंकि प्रचार-प्रसार में वैभव प्रदर्शन आता है, अमूमन आम आदमी की सादगी नहीं।

सम्मेलन इसी तरह सामाजिक बुराईयों के मुद्दों को गंभीरता के साथ समाज के समक्ष पेश करते हुए शताब्दी वर्ष में कदम रखे, यही कामना है।

संजय हरलालका

संजय हरलालका

With Best Compliments From :

S J PLAZA PVT LTD

(Importers and dealers in all Jute Products)

Regd. Office :

5, Clive Row, 3rd Floor
Kolkata - 700001
sales@sjplaza.net

Admin Office:

Jhunjhunwala Niket
6D, Short Street
Kolkata - 700016
sharat@sjplaza.net

समाज विकास

◆ दिसंबर २०२४ ◆ वर्ष ७५ ◆ अंक १२
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **९०वाँ स्थापना दिवस समारोह का विवरण**	७
● **मारवाड़ी सम्मेलन के अब तक के सिरमौर**	८
● **सन्देश**	९-१९
● **चिट्ठी आई है**	२२, २४
● **सम्पादकीय** : सभी स्तरों पर जागरूकता आवश्यक	२५
● **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** हम कुछ ऐसा करें कि सम्मेलन को भी हम पर गर्व हो	२७
● **सम्मेलन समाचार**	२८-२९
● **महामंत्री का प्रतिवेदन : कैलाशपति तोदी**	३१
● **प्रांतीय समाचार**	४६-४८
● **संस्कार-संस्कृति चेतना**	४९-५१
● **उपलब्धियाँ**	५९
● **आलेख :**	
सादगी आचार संहिता – **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया**	६१
आत्मावलोकन अपरिहार्य बन चुका है – **भानीराम सुरेका**	६३
सामाजिक उत्थान में साहित्य एवं संस्कृति का विशेष महत्व – **मधुसूदन सिकरिया**	६३
संस्कार की लागत पर समाज द्वारा विकास की अंधी दौड़ – **डॉ. पवन पोद्दार**	७३
मारवाड़ी सम्मेलन का समाज पर प्रभाव.... – **सुरेश कुमार बजाज**	७५
मातृभाषा राजस्थानी के प्रेम में डूबा एक बड़ा संस्थान – **डॉ. दुलाराम सहारण**	७७
● **लघुकथाएँ एवं कविताएँ**	७५, ७८-७९
● **सम्मेलन के सत्र २०२३-२५ की झलकियाँ**	८८-९२
● **सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों के उद्‌गार**	९६-१०२

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७, फोन : ०३३-४००४ ४०८९
पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७००००७
◆ email: aimf1935@gmail.com ◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

आपके दिनांक १५ नवंबर के पत्र के संदर्भ में मैं संक्षिप्त पत्र १६ नवंबर को दिया था।

संलग्न गुवाहाटी के प्रस्ताव मात्र विवाह संबंधित है। निश्चित रूप से विवाह की कुरीतियों का नियंत्रण आवश्यक है; पर कुरीतियाँ स्वत: विवाह के अवसर पर नहीं प्रकट होती है।

कुरीतियों का बीजारोपण बाल्यावस्था से प्रारंभ हो जाता है। कक्षा के दिनों को छोड़कर :

(१) देर से उठना
(२) बिना स्नान एवं आराधना के नाश्ता करना
(३) जन्मदिन आदि पर वैभव प्रदर्शन
(४) मंदिर तीर्थ यात्रा की उपेक्षा। उनके स्थान पर विदेश भ्रमण
(५) भारतीय आहार के प्रति उदासीनता
(६) भारतीय उत्सवों की अज्ञानता/उदासीनता
(७) पाश्चात्य उत्सवों की प्रधानता
(८) वार्तालाप में मातृ एवं राष्ट्रीय भाषा की उपेक्षा
(९) राष्ट्रप्रेम के प्रति उदासीनता
(१०) सनातन धर्म के प्रति अज्ञता

उपरोक्त समस्त कणों का समूह बन जाता है वैवाहिक अवसरों पर मर्यादाहीनता।

मैंने जैसे १६ नवंबर के पत्र में रजत जयंती का जोधपुर के भागवत सप्ताह के आयोजन का उल्लेख किया था, उसी प्रकार के उदाहरणों का अधिक प्रचार प्रसार एवं ३ से १० वर्ष के बीच की आयु में संस्कार के बीजारोपण कुछ विकल्प हो सकते हैं।

धन्यवाद।

– अरुण चूड़ीवाल

चिट्ठी आई है

दिन में शादी : एक नई सोच की शुरुआत

हमारा समाज परंपराओं और रीति-रिवाजों से सजा हुआ है। हर परंपरा की अपनी एक कहानी और महत्व है। शादियां हमारे जीवन के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक होती हैं, और इसे सही तरीके से मनाना हर परिवार की प्राथमिकता होती है।

मैं अक्सर सोचता हूँ कि क्यों शादियां रात में होती हैं? हमारे बुजुर्ग कहते हैं कि पहले शादियां दिन में होती थी। इसके पीछे कई कारण थे – धार्मिक, सामाजिक और व्यावहारिक। लेकिन धीरे-धीरे यह परंपरा बदल गई और रात की शादियां प्रचलित हो गई।

अब समय आ गया है कि हम इस परंपरा पर फिर से विचार करें। आइए, इसे एक नई दृष्टि से समझते हैं।

१. परंपराओं और वैज्ञानिक सोच का सम्मान

हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि सूरज की रोशनी में किए गए अनुष्ठान शुभ और प्रभावी होते हैं। वैदिक काल में दिन में शादी का प्रचलन था क्योंकि इसे मंगलकारी माना जाता था। सूर्य की रोशनी में किए गए कर्म पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाते हैं।

दिन में शादी करके हम न केवल अपनी परंपराओं को पुनर्जीवित कर सकते हैं, बल्कि आधुनिक जीवनशैली के साथ इसे जोड़ सकते हैं।

२. सादगी और आर्थिक लाभ

आजकल शादियां दिखावे और अनावश्यक खर्च का पर्याय बन गई हैं। रात की शादियों में बिजली की खपत, सजावट, और अन्य खर्च अत्यधिक बढ़ जाते हैं। इसके विपरीत, दिन में शादी करना सादगी और बचत को बढ़ावा देता है।

बचत के साथ-साथ, यह उन परिवारों के लिए भी आदर्श है, जो सीमित साधनों के साथ अपने बच्चों की शादी करते हैं।

३. पर्यावरण संरक्षण की पहल

रात की शादियों में बिजली की अत्यधिक खपत और ध्वनि प्रदूषण एक बड़ा मुद्दा है। दिन की शादियों में प्राकृतिक रोशनी का उपयोग होता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है।

हमारे समाज को पर्यावरण की रक्षा के लिए इस पहल को अपनाना चाहिए।

४. बुजुर्गों और बच्चों के लिए अनुकूल

रात की शादियां अक्सर देर रात तक चलती हैं, जिससे बुजुर्गों और बच्चों के लिए असुविधा होती है। दिन में शादी करना सभी के लिए अधिक आरामदायक और स्वास्थ्यवर्धक है।

५. बदलाव कैसे लाएं?

परंपराओं को बदलना आसान नहीं होता, लेकिन यदि हम इसे सामूहिक प्रयास के रूप में अपनाएं, तो यह संभव है।

सकारात्मक चर्चा : सोशल मीडिया और सामाजिक समूहों में दिन की शादियों के लाभों पर चर्चा करें।

प्रेरणादायक उदाहरण : परिवार और दोस्तों को दिन की शादियों के लिए प्रेरित करें।

सामुदायिक समर्थन : पंडितों और समाज के अग्रणी व्यक्तियों से इस बदलाव का समर्थन लें।

बदलाव का समय अब है

रात की शादियों से जुड़े खर्च, पर्यावरणीय समस्याओं और असुविधाओं को देखते हुए, दिन की शादी करना एक बेहतर विकल्प है। यह न केवल पारंपरिक मूल्यों का सम्मान करता है, बल्कि आधुनिक जीवनशैली और पर्यावरणीय जरूरतों के अनुरूप भी है।

हमें इसे अपनाने के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा।

बदलाव कठिन है, लेकिन असंभव नहीं। सादगी से शुरू करें, समाज आपका साथ देगा।

आइए, इस पहल को अपनाएं और समाज को एक नई दिशा दें।

– मनोज शर्मा

सम्मेलन का सोशल मीडिया में पहल

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में एक अपील की है इस अपील की प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई है। उनमें से कुछ यहाँ साझा किया जा रहा है।

"राम राम! आज समाज में कई तरह की कुरीतियाँ एवं विसंगतियाँ पनप रही है। प्री वेडिंग शूट, बारात में सड़क पर महिलाओं का नृत्य एवं विवाह समारोह में मद्यपान का चलन लगातार बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में समाज में जागरूकता लाने के लिए सम्मेलन बराबर प्रयास कर रही है। खुशी की बात यह है कि कहीं-कहीं पर विवाह समारोह में इन सब बातों से परहेज रखा जाता है। सिलीगुड़ी में एक परिवार ने एक आदर्श स्थापित किया जब अपने सुपुत्र के विवाह में २१ आदिवासी जोड़ों का विवाह संपन्न करवाया। आज एक तरफ में कुरीतियाँ एवं विसंगतियाँ पनप रही है तो दूसरी तरफ जागरूकता भी बढ़ रही है। मैं समाज से अनुरोध करूंगा कि अपनी भावी पीढ़ी के लिए समाज को इन कुरीतियों से मुक्त करें। मैं सभी से आवाहन करता हूं कि समाज के लिए लड़ो, लड़ नहीं सकते हो तो लिखो, लिख नहीं सकते हो तो बोलो, बोल नहीं सकते हो तो उनकी मदद करो एवं मदद भी नहीं कर सकते हो तो कम से कम उनका मनोबल मत तोड़ो जो इस प्रयास में संलग्न है। राम-राम!"

बहुत ही सुंदर-सुंदर कोटेशन है और बहुत ही सुंदर तरीके से समाज में व्याप्त कुरीतियां के बारे में तथा समाज में आए बदलाव के बारे में भी अपने विचार रखदे हैं वह सुनकर समझकर बहुत ही अच्छा अनुभव होता है तथा खुशी भी होती है कि आप इस तरह समाज को अच्छी-अच्छी बातें अच्छे-अच्छे कोटेशन भेज कर लाभान्वित करते हैं तथा उन्हें सोचने का मौका भी प्रदान करते हैं जिससे कि समाज लाभान्वित होता है।

धन्यवाद।

– राज कुमार केडिया

सादर राम-राम

आपण सम्मेलन क ई ग्रुप में, आपण समाज मं आयेड़ी ओर बढ़ती जा रई विसंगतियां पर खुद सम्मेलन संज्ञान लेकर, विचार-विमर्श क बाद, समाज न सम्बोधन ओर अपील का आपका वचन सुणकर भोतई अच्छयो लाग्यो। ई चिंताजनक ओर चिंतनीय विषय क हर बिंदु पर आप संक्षेप मं सोख्यूं बोल दिया। भोत ई शालीनतापूर्वक आपकी अपील ही। उदाहरण क रूप मं, आप, सिलीगुड़ी क एक परिवार की प्रेरणा दायक मिसाल पेश करी, एकदम ई अद्‌भुत लागी।

आपणी राष्ट्रीय संस्था को मंच भी भोत बड़ो ह, इक सीवाय प्रादेशिक शाखावां कदा मंच भी छोटा कोनी।

भोत चोखो लागतो अगर इतना बड़ा-बड़ा मंचा स्यूं भी कोई घोषणा करी गई होती।

संज्ञान लेणो, एक अतिसुंदर रचनात्मक सोच ह।

अपील ओर निवेदन करणो साहसिक कदम ह।

लेकिन मंचा स्यूं घोषणा करक उदाहरण पेश करणो अकल्पनीय, प्रेरक शुरुआत होव।

मं निवेदन ओर आशा करुं हूं कि, म्हारी ई उच्छृंखलता पर, आप तथा सम्मेलन नाराज कोनी होवोला ओर उदारतापूर्वक म्हारी गलती न माफ कर देवोला।

एक पीड़ित ओर साधारण मीनख।

– मदन धनावत

राम राम जी,

समाज के प्रति अति सुंदर संदेश। आपने बहुत ही संक्षिप्त में समाज को दिशा निर्देश तथा अपने मन के उदगारों को video के माध्यम से प्रेषित किया है। मैंने आप द्वारा प्रेषित video को मेरे व्हाट्सएप के सामाजिक मंचों पर प्रेषित किया है।

ईश्वर से प्रार्थना है ईश्वर आपको चिरायु बनावें और सुस्वस्थ्य रखे।

आपका हार्दिक धन्यवाद एवं अभिनंदन।

– राजेन्द्र हरलालका, बोंगाईगांव

बहुत ही सामयिक और सार्थक संदेश। उम्मीद है कि समाज के ज्यादा से ज्यादा बन्धु इस पर गंभीरता से विचार और अमल करेंगे।

– रवि मस्करा, बेगुसराय

बहुत बहुत साधुवाद। आपके नेतृत्व मे सम्मेलन अनेक सामाजिक उपयोगी कार्य कर रहा है तथा समाज लाभान्वित हो रहा है। जय मारवाड़ी समाज।

– सांवरमल शर्मा, हावड़ा

राम राम भाई जी,

बहुत ही सुंदर संदेश।

– सुमन सावडिया, बरगढ़

बहुत सुन्दर, प्रणनात्मक संदेश।

– संजय भरतिया, धनबाद

बेशक भोत ई जरूरी और चोखी बात ह!

– महेश जालान

I support it.

– बालकृष्ण सादानी

Bhai Saheb, Ram-Ram! Aapko Saadar Naman!

– श्याम सुन्दर अग्रवाल, सिलीगुड़ी

हम बदलेंगे जग बदलेगा।

समाज का सामूहिक प्रयास ही नवचेतना का संचार कर सकता है।

– पुरुषोत्तम परसरामपुरिया

Shared in all my family groups. I fully support this ideology.

– बिनोद कुमार लोहिया, गुवाहाटी

चिट्ठी आई है

प्रिय श्री लोहिया जी,

कृपया अपने पत्र दिनांक १९.११.२४ और उसके बाद आपके कार्यालय से आप कॉल का संदर्भ लें। मैं इस बात की सराहना करता हूँ कि आप हमारी संस्कृति और समाज के सुधार के लिए प्रयास कर रहे हैं।

मैं अपनी राय शीर्षकों के अंतर्गत दे रहा हूँ –

१) हमारे समाज को वर्तमान सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक स्थिति और चुनौतियों के अनुसार विकसित होने की आवश्यकता है।

२) मैं सहमत हूँ कि शादी के दौरान सड़कों पर नृत्य और ड्रेस कोड परप्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। सिर्फ दूल्हा-दुल्हन का फोटो शूट करना इतना आपत्तिजनक नहीं है।

३) विवाह समारोह के दौरान शराब परोसना हमारी संस्कृति के अनुरूप नहीं है और आपत्तिजनक होना चाहिए।

आपका दृष्टिकोण यह है कि अनावश्यक खर्च और धन का प्रदर्शन समाज के लिए बहुत हानिकारक है और इससे बचना चाहिए। लोक कर्ज भी लेते हैं और लंबे समय तक परेशानी भी झेलते हैं।

मेरे दृष्टिकोण और अनुशंसाएँ –

१) रिसेप्शन और विवाह समारोह को विभाजित किया जाना चाहिए। विवाह समारोह के दौरान केवल परिवार के सदस्यों और बहुत करीबी दोस्तों को ही आमंत्रित किया जाना चाहिए और शराब नहीं परोसी जानी चाहिए।

२) यदि कोई चाहे तो संयुक्त रूप से अलग-अलग रिसेप्शन रख सकता है और यदि संभव हो तो लागत को वर और वधू पक्ष द्वारा विभाजित कर दें।

३) भोजन - विवाह और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान भोजन की भारी बर्बादी होती है। रात के खाने या दोपहर के भोजन के दौरान चीनी, मंगोलियाई, थाई, इतालवी और कॉन्टिनेंटल सहित कई प्रकार के व्यंजन होते हैं। इसे कम से कम भारतीय किया जाना चाहिए।

४) सुफी नाइट्स - आजकर शादियों के दौरान बिना जाने सूफी नाइट्स का आयोजन किया जाने लगा है। यह बेहद आपत्तिजनक है। यह हिंदू संस्कृति नहीं बल्कि इस्लामिक रीति-रिवाज है और बहुत ही अशुभ है। इससे वर, वधू और परिवार के भविष्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए।

५) सजावट - कुछ घंटों की सजावट में बहुत सारा पैसा बर्बाद हो जाता है। इसे बहुत न्यूनतम तक सीमित किया जाना चाहिए। यदि विवाह होटलों में होता है तो वरमाला स्थल और स्टेज जहां दूल्हा-दुल्हन बैठते हैं, को छोड़कर किसी भी प्रकार की सजावट नहीं होनी चाहिए।

६) हम पाते हैं कि लोग अनजाने में ऐसे लोगों को समारोहों और प्रदर्शनों के लिए आमंत्रित कर रहे हैं जो हमारे धर्म और समाज के खिलाफ है।

हमें ऐसे लोगों का बहिष्कार करना चाहिए क्योंकि अन्यथा हम उन लोगों की मदद कर रहे हैं जो हमारी संस्कृति और समाज के खिलाफ हैं और हमें और अधिक नुकसान पहुंचाते हैं।

मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि केवल लिखने और समाज के सदस्यों को सुझाव देने से मदद नहीं मिलेगी। हमारे सम्मेलन को भी कार्रवाई करनी चाहिए। हम उन कार्यों का वहिष्कार कर सकते हैं जो समाज के मानदंडों के विरुद्ध हैं। मैंने इस बारे में पहले श्री एच. पी. कनोरिया, श्री पी.आर. अग्रवाल एवं अन्य से चर्चा की है।

– सुभाष हाडा

डॉ. श्याम सुन्दर जी अग्रवाल शहर के जाने-माने शिक्षाविद, वरिष्ट दंत चिकित्सक एवं समाजसेवी ने अपने बेटे अक्षत की शादी में लीक से हटकर बड़े ही गरिमापूर्ण तरीके से शादी सम्पन्न की।

डॉ. साहब प्रतिष्ठित स्कूल **"सिलीगुड़ी मॉडल हाई स्कूल (सीनियर सेकेण्डरी)"** के संस्थापक प्राचार्य एवं चेयरमैन भी है।

किसी भी प्रकार का **भौंडे प्रदर्शन, प्री वेडिंग शूटिंग** एवं **मद्यपान** आदि कुरितियों से बिल्कुल दूर ऐसी शादी का आयोजन कम ही दिखने को मिलता है।

उक्त शादी के उपलक्ष्य मे सिलीगुड़ी के प्रसिद्ध श्री कृष्ण प्रणामी मन्दिर परिसर में फिजूल खर्ची में कटौती कर विशेष आयोजन के तौर पर २१ आदिवासी जोड़ों की शादी की व्यवस्था कर उन्होंने समाज के समक्ष एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मेरा ऐसा मानना है - हमें समाज में व्याप्त कुरितियों को दूर करने के लिए तथाकथित समाजसेवीओं की ओर उम्मीद न बांधकर साधारण तौर पर छोटे-छोटे प्रयासों से दूसरे के सामने नमूना प्रस्तुत करना पड़ेगा। वास्तव में तथाकथित मचांसीन समाजसेवीओं के निर्देशों का पालन इसलिए भी नहीं होता क्योंकि वे अपने समय में सारी हदें पार कर चुकें होतें है। अब **"सौ सौ चूहे खाकर बिल्ली चली हज को"** वाली बात हो जाती है।

मैंने व्यक्तिगत तौर पर छोटा सा प्रयास शुरु किया - साहजी मिलनी में जीवन में मैंने कभी भी चांदी या सोने के सिक्के नहीं लिए। समाज के कई मंचों पर मैंने इस विषय को मेरे तर्क के साथ समझाया - हम सबसे पहले पितर जी की दो या चार मिलनी लेते हैं बड़ी श्रद्धा से फिर उसे तुरंत पंडितजी को दे देते हैं। यह पितर जी की मिलनी तो हम लेते हैं कागज की और हम लेंगे चांदी के सिक्के, यह मेरे विचार में पितर जी का घोर अपमान है। आजतक मुझे इस तर्क को काटने वाला नहीं मिला। मैंने इसके समाधान के रूप में जो पितर जी को दिलवाते हैं वहीं मिलनी हम भी लें, ऐसा समाधान दिया। विवाह अनुष्ठान एक मांगलिक कार्यक्रम है जिसमें देवी-देवताओं के साथ साथ पित-पक्ष का भी आगमन होता है। वो सभी आकर वर-बधू को आशीर्वाद प्रदान करते है। इसलिए कार्यक्रम की सात्विकता बनाई रखनी चाहिए।

आपने इस अनुकरणीय शादी के बारे में विस्तार से समाज के समक्ष प्रस्तुति दी, इसके लिए बहुत बहुत आभार। मुझे उम्मीद है ऐसे सम्मिलित प्रयासों से ही समाज में सकारात्मक बदलाव आ सकता है।

"हम सुधरेंगे, जग सुधरेगा"।

– **अशोक अग्रवाल**, सिलीगुड़ी

सभी स्तरों पर जागरूकता आवश्यक

पिछले महीने से शादी विवाह का लग्न प्रारंभ हो चुका है। फिलहाल इन समारोहों में जाकर कुछ बातें जो मैंने महसूस की वे इस प्रकार है :–

१. **सभी श्रेणी के समारोह में आडंबर एवं अनाप-शनाप खर्च करने की प्रवृत्ति में बढ़ोतरी हो रही है।**
२. **बारात वधु के दरवाजे तक पहुँचाने में लगभग चार घंटा का विलंब आम है।**
३. **हाई टी एवं रात्रि भोज में अनगिनत व्यंजन खासकर विदेशी व्यंजन परोसे जाते हैं जहां पर व्यक्ति असमंजस में पड़ जाता है।**
४. **मद्यपान का प्रचलन आम एवं खुलकर हो रहा है।**

कुछ ही घंटो में करोड़ो पर पानी फिर जाता है। शुभ अवसरों पर दान धर्म की परंपरा अब कचरे की टोकरी में स्थानांतरित हो चुकी है। संस्कारों की अवहेलना देखकर कोई भी सही सोच का व्यक्ति विचलित हुए बिना नहीं रह सकता। घर के बड़े बुजुर्गों का रोल अब नगण्य में हो गया है। वे मूकदर्शक बनकर रहते हैं। समय अनुसार विवाह समारोह में अतिथिगण पहुँच जाते हैं। खाना पीना चलता रहता है पर पता चलता है कि वर को अभी आने में विलंब है। उसके पहुँचने तक अनेकों अतिथि तो आकर चले जाते हैं। मजे की बात है कि ऐसी हालत पर कोई 'चूं' भी नहीं करता।

हाल ही में सोशल मीडिया माध्यम में मैंने समाज के प्रति एक निवेदन किया। गत गुवाहाटी अधिवेशन में पारित किए गए समाज सुधार के प्रस्तावों की पुनरावृत्ति कर समाज को इनका पालन करने का अनुरोध किया। कुछ लोगों ने इसे साहसिक किंतु निरर्थक करार दिया। शायद अधिकांश लोग मौन स्वीकृति लक्षण अनुसरण करते हुए अपना मौन समर्थन दे रहे थे। आशा के विपरीत शताधिक लोगों ने विभिन्न माध्यमों से इस प्रयास को सराहा है। परिस्थिति का सामना करने के लिए आशा की किरण ही लोगों में जो सूप्त चेतना है उसको जागने की अंदर से प्रायः सभी वर्तमान स्थिति की निरर्थकता से विचलित है। बदलाव सभी चाहते हैं पर यक्ष प्रश्न है कि यह बदलाव कहां से प्रारंभ हो? मैं महसूस कर रहा हूँ कि बदलाव की स्वर्णिम रेखा उभर रही है। जब तक एक व्यक्ति भी वर्तमान विसंगतियों का अंधकार अनुसरण करने से मुंह मोड़ता है तब तक बदलाव की संभावना बनी रहती है। कुछ ऐसे वाकये भी सामने आए हैं जहां पर इन बातों से परहेज किया गया है। अभी हाल ही में सम्मेलन के युवा कार्यकर्ता ने अपनी २५वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर भागवत कथा करवा कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस संदर्भ में दो ऐसे उदाहरण भी सामने आए हैं जिनका मैं उल्लेख यहां करना चाहूंगा। विगत नवंबर में डिब्रूगढ़ में केजरीवाल परिवार ने अपनी सुपुत्री के विवाह के अवसर पर २१ आदिवासी जोड़ों का विवाह संपन्न करवाया। सिलीगुड़ी में भी श्री श्याम सुंदर अग्रवाल ने अपने सुपुत्र के विवाह के अवसर पर २१ आदिवासी जोड़ों का विवाह संपन्न करवाया। धारा के विरुद्ध चलकर समाज के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत करना बहुत बड़ी बात है। ऐसे उदाहरण ही वे स्वर्णिम रेखा है जो समाज सुधार के क्षितिज पर उभर कर आ रहे हैं और जिनका मैंने पहले उल्लेख किया है। समाज के सामने इस तरह के उदाहरण प्रस्तुत करने वाले महानुभव समाज की अप्रतिम सेवा कर रहे हैं। इनका व्यापक प्रचार प्रसार समाज हित में है। उनके प्रयास अभिनंदनीय है। सभी जानते हैं की बुराई इसलिए नहीं फैलती की बुरे अधिक है। बुराई इसलिए हावी हो जाती है क्योंकि अच्छाई मुखर नहीं होती; अच्छे लोग उसका विरोध नहीं करते। जो लोग भी धारा के विरुद्ध प्रशंसनीय एवं अभिनंदनीय कार्य करते हैं समाज को उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के अवसर और तरीके स्वयं निर्धारित करने चाहिए। व्यक्तिगत रूप से मेरी धारणा है की निरंकुश होते हुए समाज व्यवस्था पर अंकुश लगाने का समय आज से अधिक आवश्यक कभी नहीं था। इससे भी अधिक कठिन परिस्थितियों में सफलता का परचम सम्मेलन ने लहराया था। वर्तमान परिस्थिति का समाधान स्वरूप मैं अपने कुछ विचार एवं कुछ सुझाव विचारार्थ प्रस्तुत करना चाहूंगा।

१. **सभी से मेरी अपील है कि विवाह एवं अन्य पारिवारिक सामाजिक समारोह में सभी प्रकार के अतिरेक से परहेज करें।**
२. **इन समारोहों में समय की पाबंदी का पालन करें।**
३. **मांगलिक समारोहों में मद्यपान सर्वदा वर्जित रखें।**
४. **प्री वेडिंग सूट का सार्वजनिक प्रदर्शन तुरंत बंद करें।**

पूरे देश में सभी प्रांतो में से शाखा के माध्यम से इस विषय में जागरूकता अभियान प्रारंभ किया जाए। साथ ही एक संकल्प पत्र का सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को पालन करने के लिए अनुरोध किया जाए। इस प्रकार के आयोजनों पर जहां पर भी कहीं सांस्कृतिक मर्यादाएं भंग हो रही हो, वहा शांतिपूर्ण एवं गरिमामई विरोध के तौर तरीके पर विचार करना चाहिए। सम्मेलन इस विषय में एक व्यापक अभियान की रूपरेखा पर विचार करें। इसके लिए मैं सभी समाज बंधुओं, सम्मेलन के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं से निवेदन करता हूँ कि अपने-अपने सुझाव प्रेषित कर इस यज्ञ में अपनी आहुति दें।

शिव कुमार लोहिया

With Best Compliments From :

M/S. ANZEN EXPORTS PVT. LTD.

20C, Hazra Road

Kolkata - 700026

West Bengal

Mobile No. 9830028628

Email : jkj@anzen.co.in

हम कुछ ऐसा करें कि सम्मेलन को भी हम पर गर्व हो

आगामी २५ दिसंबर को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन अपने ९०वें वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है। यह एक हार्दिक प्रसन्नता एवं गर्व का पल है। सम्मेलन समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था है। सभी समाज बंधुओं, सम्मेलन के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं को इस अक्सर पर मै अपनी प्रेम पूर्वक अति विशिष्ट शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ। इस अवसर पर मैं सम्मेलन के प्राण पुरुष स्वर्गीय ईश्वर दास जालान का श्रद्धापूर्वक स्मरण एवं नमन करता हूँ, जिन्होंने सम्मेलन का बीजारोपण किया, जीवन पर्यंत मार्गदर्शन किया किंतु सभी प्रकार के अनुनय-विनय, कोशिशों के बावजूद राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद स्वीकार नहीं किया। अन्य शब्दों में कहा जा सकता है कि समाज के लिए वे आदर्श थे।

पहला अधिवेशन कोलकाता के मोहम्मद अली पार्क में आयोजित हुआ जिसमें हजारों की संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे। वे जोश, उमंग, आशा एवं विश्वास से भरे लोग थे। सम्मेलन की स्थापना उनके लिए एक उपलब्धि थी। उन्होंने मिलकर एक संगठित समाज का सपना साकार करने के लिए कदम बढ़ाया था, जिसमें समाज के सभी घटक एक झंडे के तले एकत्रित होंगे। कोलकाता में स्थापना के पहले पूर्वोत्तर में इस दिशा में सूत्रपात हो चुका था। देश के विभिन्न भागों में बसे समाज बंधु जुड़ने लगे। संस्थापकों की यह दूरदर्शिता थी जिसके फल स्वरूप स्वर्गीय रामदेव जी चोखानी के पश्चात कोलकाता से बाहर के पद्मपति सिंघानिया, रामदेव पोद्दार, बृजलाल बियानी, सेठ गोविंद दास जैसे समाज के दिग्गज चेहरे सम्मेलन को पुष्पित पल्लवित किया। सम्मेलन के इतिहास में उल्लेख मिलता है कि अधिवेशन के लिए जब पद्मपति सिंघानिया कानपुर से कोलकाता आए तो उनके स्वागत के लिए हावड़ा स्टेशन समाज बंधुओ से ठसाठस भर गया।

बृजलाल जी बियानी, भवर मल सिंघी के दौर में समाज सुधार को सम्मेलन के मुख्य कार्यक्रम के रूप में स्थापित किया गया। कार्यक्रम की अपार सफलता ने समाज में सम्मेलन को एक विशिष्ट स्थान प्रदान किया। सम्मेलन और समाज सुधार एक दूसरे के पर्याय बन गए। इन कार्यक्रमों की सफलता ने सम्मेलन को संस्थानों में एक अलग पहचान दी। इस बात को मैंने कई बार महसूस किया है कि समाज बंधु सम्मेलन से आशा करते हैं कि समाज में व्याप्त कुरीतियों का निदान करें। इस कसौटी में सम्मेलन कितना खरा उतर रहा है उसी पर इसका वर्तमान मूल्यांकन निर्भर है। सम्मेलन की गौरवशाली परंपरा को बदस्तूर जारी रखने में स्वर्गीय नंद किशोर जालान जी की भी अहम भूमिका रही, जिन्होंने दीर्घ ५० वर्षों तक विभिन्न प्रकार से अपनी निस्वार्थ सेवाएं प्रदान की।

मैं यह समझता हूँ कि आज जिन परिस्थितियों से समाज गुजर रहा है उसमें संस्कार संस्कृति का अभाव मुख्य कारण है। हमारी पीढ़ी ने जाने अनजाने अपने संस्कारों को भूलकर अपनी भावी पीढ़ी को एक विदेशी सोच के हवाले कर दिया, जिसमें मां मम्मी बन गई और पिताजी पापा। हमने अपने संतानों को बर्थडे, मैरिज एनिवर्सरी दिया जिसमें केक काटना सिखाया। प्रणाम आशीर्वाद की जगह है, हेलो, हाय, बाय-बाय सिखाया। यह कारण है आज हम एक ऐसे चौराहे पर खड़े हैं जहां पर गांधी जी के अनुसार सात चीजों से हम जूझ रहे हैं।

काम के बिना धन।
विवेक के बिना सुख।
चरित्र के बिना ज्ञान
नैतिकता के बिना व्यापार
मानवता के बिना विज्ञान
त्याग के बिना धर्म
सिद्धांत के बिना राजनीति।

समाज की सोच में मौलिकता की जगह अंधी दौड़ है। इस विकट परिस्थिति में सम्मेलन के सामने एक विराट चुनौती है अपनी सार्थक भूमिका को स्थापित करना। समाज दिग्भ्रमित है। परिवर्तन सब चाहते हैं पर स्वयं को कोई बदलना नहीं चाहता। समाज को कर्तव्यनिष्ठ, विनम्र, संवेदनशील, सेवा भाव से भावित दूसरों को विकसित होने का जो अवसर दे ऐसे लोगों की आवश्यकता है। पर आज क्या स्थिति है यह किसी से छुपी नहीं। सम्मेलन के इतिहास से गुजरते हुए स्पष्ट हो जाता है कि संकल्प से सिद्धि होती है। सम्मेलन सदैव समाजहित में धारा के विरुद्ध कार्य करते हुए अपने संगठन की शक्ति का उपयोग किया है। सम्मेलन ने सिद्ध किया है कि संगठन की शक्ति बड़ों-बड़ों को धूल चटा देती है क्योंकि;

संगठन में – कायदा नहीं व्यवस्था होती है
– सूचना नहीं समझ होती है
– कानून नहीं अनुशासन होता है
– शोषण नहीं पोषण होता है

– आग्रह नहीं आदर होता है
– संपर्क नहीं संबंध होता है
– अर्पण नहीं समर्पण होता है
– 'मैं' नहीं 'हम' होता है
– आत्म प्रशंसा नहीं सर्व सम्मान होता है
– व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं सामूहिक हित होता है।

यह एक चिंता की बात है कि समाज आज विभिन्न घटकों में बटा हुआ है। इस दिशा में एक मजबूत प्रयास करने की आवश्यकता है। इस सत्र का नारा है **आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज**। इस नारे को सार्थक करना प्रत्येक सदस्यों का कर्तव्य है।

सम्मेलन को अपनी सार्थक भूमिका के लिए समय के साथ कार्यक्रमों में व्यापकता लाने की आवश्यकता है आपसी संबंधों को मजबूत करने के लिए कुछ कार्यक्रम अपनाने होंगे। इस संबंध में हाल ही में उत्कल प्रदेश सम्मेलन द्वारा संपन्न सदस्यों का सामूहिक सिंगापुर भ्रमण एक स्वागत योग्य कदम है। इसी प्रकार शीतकालीन वन भोज भी सभी शाखाओं में आयोजित करके सदस्यों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत कर सकते हैं। इसके फल स्वरूप कार्यक्रमों को भी गति मिलेगी। मेरा ऐसा मानना है कि समाज सेवा के साथ-साथ सदस्यों के हित के भी कुछ कार्यक्रम करने होंगे। साथ ही साथ समाज के लिए जो अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है वह है संस्कार संस्कृति की पुनर्स्थापना एवं सामाजिक विसंगतियों एवं कुरीतियों का उन्मूलन। इन आवश्यकताओं के प्रति सम्मेलन के सभी कार्यकर्ताओं को सजग होना होगा एवं इसे किस प्रकार हासिल किया जाए उस विषय पर मंथन कर अविलंब शुरुआत करनी होगी। यह प्रत्येक समाज बंधु से प्रारंभ होगी क्योंकि समाज आचरण से सुधरेगा प्रवचन से नहीं। हमें सम्मेलन पर गर्व है लेकिन हम कुछ ऐसा करें कि सम्मेलन को भी हम पर गर्व हो।

हम सुधरेंगे - जग सुधरेगा।

शिव कुमार लोहिया

सोशल मीडिया पेज से जुड़ें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोशल मीडिया में उपस्थिति फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। सभी समाज-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि फेसबुक : AIMF1935 व इंस्टाग्राम : allindiamarwarifederation_ को अधिक से अधिक संख्या में लाइक/फॉलो करें। इसके द्वारा हम आपसी संवाद एवं संपर्क को बढ़ावा देंगे एवं इससे सम्मेलन की सूचनाओं का आदान-प्रदान भी संभव हो पाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने सूचना/विचार एवं कार्यक्रम की फोटो पोस्ट करने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय में व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल (aimf1935@gmail.com) में भेज सकते हैं, ताकि उपयुक्त जानकारियों को हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!!

सम्मेलन समाचार

राष्ट्रीय प्रतिनिधि का राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट में शिरकत

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में गुलाबी नगरी जयपुर की गुलाबी ठण्ड के बीच राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्ट मेंट समिट में प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में विकसित राजस्थान की तर्ज पर औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ९-११ दिसंबर तक तीन दिवसीय राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया। समिट में शिरकत करने देश-विदेश से आये डेलीगेट्स, उद्योगपति व निवेशक ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस समिट में विभिन्न आकर्षक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें १० दिसंबर, मंगलवार को सुबह प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन हेतु स्थानीय **जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र (JECC)** में एक भव्य और यादगार कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारीगण, गणमान्यजन, आमजन आदि उपस्थित थे। इस समारोह में **प्रवासी मारवाड़ी समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व श्री कैलाशपति तोदी ने किया साथ में सिक्किम प्रांत के अध्यक्ष श्री रमेश पेड़िवाल, कोलकाता से राजेश सोंथलिया समेत बिहार, दिल्ली एवं पूर्वोत्तर एवं अन्य कई प्रदेशों से सम्मेलन के सदस्यों ने भाग लिया।** देशी-विदेशी मेहमानों को प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, गौरवान्वित विरासत और सभ्यता से रूबरू करवाने की कड़ी में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राष्ट्रीय महामंत्री का दिल्ली दौरा

राष्ट्रीय पदाधिकारियों के प्रांतीय दौरों की श्रृंखला में राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने ८ दिसंबर २०२४ को दिल्ली आगमन पर प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। तत्पश्चात दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की पूर्वी दिल्ली शाखा एवं दिल्ली महिला शाखा के सहयोग से प्रांतीय कार्यकारिणी सभा का आयोजन क्रिस्टल बैंक्वेट हॉल, वकास मार्ग, दिल्ली में किया गया। श्री रंजीत जालान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, दिल्ली प्रांतीय अध्यक्ष, श्री पवन गोयनका, चेयरमैन, राष्ट्रीय समाज सुधार एवं समरसता उपसमिति के अलावा प्रांतीय पदाधिकारी एवं कार्यकारी सदस्यगण उपस्थित थे। राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने अपने उद्‌बोधन में सम्मेलन एवं सम्मेलन की गतिविधियों एवं कार्यक्रम के बारे में उपस्थिति सदस्यों को जानकारियाँ दी एवं लोगों को सम्मेलन के साथ जुड़ने एवं सम्मेलन के साथ मिलकर कार्य करने का आह्‌वान किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रंजीत जालान ने संस्कृति एवं संगठन विस्तार पर जोर दिया। राष्ट्रीय समाज सुधार एवं समरसता उप समिति के चेयरमैन श्री पवन गोयनका ने समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं पर प्रकाश डाला एवं अन्य उपस्थित सदस्यों ने भी अपने अपने विचार रखे। राष्ट्रीय समाज सुधार एवं समरसता उप समिति के चेयरमैन श्री पवन गोयनका ने समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं पर प्रकाश डाला एवं अन्य उपस्थित सदस्यों ने भी अपने अपने विचार रखे। इस बैठक में समाज सुधार के ऊपर भी विचार-विमर्श किए गए एवं कुछ प्रस्तावों को भी पारित किया गया। १) बच्चों को बचपन से ही हमारे संस्कार एवं संस्कृति कदी शिक्षा दी जाये। २) महिलाएं संस्कार एवं संस्कृति की ध्वजारोहक होती है इसलिए महिलाओं की सहाभागिता अधिक से अधिक बढ़ाई जाये। ३) समाज को अधिक से अधिक भारतीय तीज-त्योंहार मनाने के लिए प्रोत्साहित एवं जागरूक किया जाये।

प्रांतीय कार्यकारिणी सभा के पश्चात सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया ने किया। श्री भुतोड़िया, महिला शाखाध्यक्ष श्रीमती सीमा बंसल एवं पूर्वी दिल्ली शाखाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल ने आये हुए सभी मेहमानों का स्वागत किया। श्री राजेश सिंघल, अन्य मेहमानों एवं पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत की गयी।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री तोदी ने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाश पति तोदी ने सम्मेलन के विस्तार, वेबसाइट, विभिन्न सेवाओं एवं व्यापार प्रकोष्ठ के बारे में बताया और शाखा में सदस्य संख्या विस्तार पर जोर दिया एवं उन्होंने साथ ही साथ राष्ट्र के द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में सभा को अवगत कराया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि श्री राजू भाई दवे ने कहा की मारवाड़ी समाज एक ब्रांड है जिसकी राष्ट्र एवं आर्थिक उन्नति में अहम भूमिका है। भाजपा के दिल्ली प्रांत के महामंत्री श्री विष्णु मित्तल ने कहा कि उन्हें मारवाड़ी होने एवं सम्मेलन का संरक्षक सदस्य होने पर गर्व है। हमेशा समाज हित में कार्य करते रहेंगे एवं कभी भी समाज के लिए उनकी जरुरत होने पर हर संभव सहयोग

का भरोसा दिलाया। महिला शाखाध्यक्ष श्रीमती सीमा बंसल एवं पूर्वी दिल्ली शाखाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल ने भी सभा को सम्बोधित किया अन्य मेहमानों के सम्बोधन पश्चात अतिथियों एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा दिल्ली महिला शाखा, गंगौर शाखा एवं ग्रेटर फरीदाबाद शाखा के सदस्यों को सदस्यता प्रमाणपत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक श्री राधेश्याम बंसल एवं सह-संयोजक श्री सज्जन शर्मा एवं श्रीमती डॉ. रिंकी कंसल की अहम् एवं महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में कार्यक्रम संयोजक श्री राधेश्याम बंसल ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रांतीय पदाधिकारियों एवं मेहमानों का धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रांतीय महामंत्री श्री सुन्दर लाल शर्मा ने कार्यक्रम का सुन्दर संचालन किया। तत्पश्चात महिला शाखा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया। सभी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं राजस्थानी भोजन का आनंद लिया।

With Best Compliments From :

RAJENDRA PRASAD AGARWALA

14, N. S. Road
Kolkata - 700001
(M) 99030 38644

महामंत्री का प्रतिवेदन

– कैलाशपति तोदी
राष्ट्रीय महामंत्री

सम्मेलन का ८९वाँ स्थापना दिवस समारोह गत २५ दिसंबर २०२३ को कोलकाता स्थित जी.डी. बिरला सभागार में मनाया गया था। उसके बाद के सम्मेलन के कार्यकलापों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है।

१) २८ दिसंबर २०२३ को महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एवं विधायक तथा महाराष्ट्र प्रांतीय सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री रमेशचंद्र गोपीकिशन बंग और युवा मंच की पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती पूनम जाजू ने केन्द्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री मुझसे (कैलाशपति तोदी) से मुलाकात की। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री ने बुके तथा दुपट्टा भेंटकर उनका सम्मान किया।

२) २८ दिसंबर २०२३ को केरल प्रांतीय सम्मेलन के अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर अग्रवाल के केंद्रीय कार्यालय में आगमन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री मैंने (कैलाशपति तोदी) ने बुके तथा दुपट्टा भेंटकर उनका सम्मान किया। राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने श्री अग्रवाल से केरल के सामाजिक मुद्दों तथा केरल प्रांत के संगठन एवं सामाजिक कार्यों पर विस्तार से चर्चा की।

३) ५ जनवरी २०२४ को **'मारवाड़ी व्यापार सहयोग'** प्रकोष्ठ की तीसरी बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई। इस सत्र के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध उद्योगपति **श्री संजय कुमार जैन** ने व्यापार में सफलता के अपने जीवानानुभवों को साझा किया। इस बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री मैं (कैलाशपति तोदी), राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री द्वय श्री पवन कुमार जालान, श्री संजय गोयनका, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया सहित अन्य सदस्य एवं समाज बंधु उपस्थित थे।

४) ०६-०७ जनवरी २०२४ को दो दिवसीय सांगठनिक दौरे पर उत्तराखंड गए। जहाँ उन्होंने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रंजीत जालान जी एवं प्रांतीय अध्यक्ष श्री संतोष खेतान, प्रांतीय महामंत्री श्री संजय जाजोदिया एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ सम्मेलन की शाखाएँ खोलने और सदस्य बनाने के संकल्प के साथ ऋषिकेश, देहरादून और रुड़की का दौरा कर शाखाओं के गठन के लिए प्रयास किया।

५) ०८ जनवरी २०२४ को राष्ट्रीय महामंत्री मेरे (कैलाशपति तोदी) वाराणसी आगमन पर वाराणसी शाखा द्वारा स्वागत व अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अनिल जाजोदिया ने मेरे जीवन परिचय एवं सामाजिक योगदान से सभा को अवगत करवाया। सभा में वाराणसी शाखाध्यक्ष ने वाराणसी शाखा द्वारा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी मुझे दी।

६) १५ जनवरी २०२४ को **साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार - २०२३** से सम्मानित राजस्थानी भाषा के कविता संग्रह **'अंतम रो ओलमो'** के रचनाकार **श्री देवीलाल महिया** का राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्मेलन के केंद्रीय सभागार में सम्मान किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय महामंत्री मैं (कैलाशपति तोदी), वित्तीय समिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया, जय प्रकाश सेठिया, बंशीधर शर्मा, रघुनाथ झुनझुनवाला, पूनम चंद गोदरा एवं अन्य सदस्य व समाज-बंधु उपस्थित थे।

७) २० जनवरी २०२४ को सम्मेलन सभागार में **'मधुमेह एवं हार्मोनल विकार'** पर **संगोष्ठी** आयोजित हुई। संगोष्ठी की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने की। इस मौके पर प्रसिद्ध विशेषज्ञ चिकित्सक **डॉ. बिनायक सिन्हा** ने मधुनेह एवं हार्मोनल विकार विषय से संबंधित व्याख्यान देकर लोगों को जागरुक किया।

८) २६ जनवरी २०२४ को राष्ट्र के **७५वें गणतंत्र दिवस** पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने कोलकाता स्थित केंद्रीय कार्यालय भवन के परिसर में **झंडा फहराकर** किया। तत्पश्चात सम्मेलन सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन हुआ।

९) ०३ फरवरी २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में **संस्कार-संस्कृति** पर प्रभावी कार्यक्रम **'मारवाड़ी कौड़ी से करोड़पति की गाथा'** का आयोजन भारतीय भाषा परिषद अबस्थित सभागार में किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्कार-संस्कृति चेतना उपसमिति के चेयरमैन **श्री संदीप गर्ग** ने किया। संस्कार-संस्कृति पर **श्री श्रीनिवास जी शर्मा** ने प्रभावी प्रस्तुति दी। इस मौके पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध उद्योगपति पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला, राष्ट्रीय महामंत्री मैं (कैलाशपति तोदी), सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री श्याम सुंदर बेरीवाल, श्री कुंजबिहारी अगरवाला, कार्यक्रम संयोजक श्री अमित मूँधड़ा, श्रीमती अमिता दवे, श्रीमती पुष्पा चौधरी, श्रीमती पूनम गर्ग एवं अन्य सदस्य व समाज-बंधु उपस्थित थे।

१०) ९-११ फरवरी २०२३ को राष्ट्रीय महामंत्री मैं (कैलाशपति तोदी), निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, निवर्तमान उत्कल प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. गोविंद अग्रवाल, छत्तीसगढ़ प्रांतीय अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया, प्रांतीय महामंत्री श्री अमर बंसल, कोषाध्यक्ष श्री सुरेश चौधरी ने रायगढ़, रायगढ़, रायपुरख् बिलासपुर, शक्ति, नैला-जांजगीर, खरसिया, चाम्पा व अन्य का दौरा कर नई शाखाओं का गठन किया।

११) २१ फरवरी २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया की अध्यक्षता में **राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान समारोह** का आयोजन बाजीगंज स्थित हल्दीराम बैंक्वेट में किया गया। सम्मेलन का **'सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान-२०२२' श्री बंशीधर शर्मा** को एवं **'केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी बाल साहित्य सम्मान-२०२२', डॉ. मदन गोपाल लढा** को प्रदान किया गया।

१२) २२ फरवरी २०२४ को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया ने पुनः गुजरात के सूरत का दौरा किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के सूरत आगमन पर सम्मेलन की गुजरात जिला शाखा की एक सभा सूरत स्थित अग्रवाल समाज भवन में

आयोजित की गई। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री गोकुल चंद बजाज ने शीघ्र अहमदाबाद तथा वड़ोदरा का दौरा कर वहाँ भी सम्मेलन की शाखा के गठन करने का आश्वासन दिया।

१३) २४-२९ फरवरी २०२४ तक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री मैं (कैलाशपति तोदी) एवं प्रांतीय पदाधिकारी अध्यक्ष श्री कैलाश चंद काबरा, उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री रमेश चांडक, महामंत्री विनोद कुमार लोहिया, संयुक्त मंत्री श्री मनोज काला, श्री विरेन अग्रवाल, संगठन मंत्री श्री विमल अग्रवाल एवं पंकज पोद्दार ने शिलांग (मेघालय), गुवाहाटी, जागीरोड, नगांव, बोकाखात, जोरहाट, मोरनहाट, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, धेमाजी, उत्तर लखीमपुर, बंदरदेवा (अरुणाचल प्रदेश), तेजपुर, गुवाहाटी, बरपेटा रोड, बंगाईगांव शाखाओं का दौरा किया। इसी दौरान बंगाईगांव महिला शाखा का गठन हुआ। सभी शाखाओं में शाखा पदाधिकारी व काफी संख्या में सदस्य एवं समाज-बंधु उपस्थित थे। बरपेटा रोड में जी.एल. अगरवाला के प्रतिमा अनावरण के दौरान असम के मुख्यमंत्री श्री हेमंत बिस्व सरमा का राष्ट्रीय व प्रांतीय पदाधिकारियों ने सम्मान किया।

१४) ०९ मार्च २०२४ को सम्मेलन सभागार में **'जहाँ सुमति तहँ संपति नाना'** विषय पर **संगोष्ठी** आयोजित हुई। संगोष्ठी की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने की। प्रबुद्ध चितक एवं प्रोफेसर **डॉ. तारा दुग्गड़** एवं कवि, आलोचक एवं अध्येता **श्री प्रियंकर पालीवाल** ने संगोष्ठी को संबोधित किया।

१५) १७ मार्च २०२४ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक **'अखिल भारतीय समिति'** का द्वितीय बैठक **उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** के आतिथ्य में होट ल सिटी प्राइड, हरिद्वार में आयोजित हुई।

१६) २२ मार्च २०२४ को सम्मेलन सभागार में **राजनीतिक चेतना उपसमिति** की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजनीतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने किया।

१७) २९ मार्च २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के नेतृत्व में राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों व समाज के वरिष्ठजन से उनके निवास पर आकर आशीर्वाद व मार्गदर्शन प्राप्त किया। इसमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय महामंत्री मैं (कैलाशपति तोदी), राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय श्री पवन कुमार जालान एवं श्री संजय गोयनका शामिल रहे।

१८) २९ मार्च २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने साल्टलेक, कोलकाता में **पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** द्वारा आयोजित **'ब्रज की होली'** के कार्यक्रम में भाग लिया।

१९) ६ अप्रैल २०२४ को सम्मेलन सभागार में **राजनीतिक चेतना उपसमिति** एवं **सेमिनार उपसमिति** के संयुक्त तत्वाधान में **'मारवाड़ियों की राजनीति में वर्तमान स्थिति'** विषय पर **संगोष्ठी** आयोजित हुई। संगोष्ठी की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने की। प्रबुद्ध विचारक पत्रकार एवं राजस्थान पत्रिका के प्रधान संपादक **डॉ. गुलाब कोठारी** ने संगोष्ठी को संबोधित किया।

२०) ८ अप्रैल २०२४ को हरिकुंज, ७ अलीपुर एवेन्यु, कोलकाता में **भवन निर्माण उपसमिति** की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता भवन निर्माण उपसमिति के चेयरमैन **श्री संतोष सराफ** ने किया।

२१) १४ अप्रैल २०२४ को पारीक भवन में **राजनीतिक चेतना उपसमिति**, **राजस्थान परिषद** एवं **पारिक सभा** के संयुक्त तत्वाधान में **'मतदान में भागीदारी का महत्व'** विषय पर **संगोष्ठी** आयोजित हुई। संगोष्ठी की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने की। सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं चिंतक **डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी** तथा प्रतिष्ठित शिक्षाविद **श्रीमती दुर्गा व्यास** ने संगोष्ठी को संबोधित किया।

२२) १६ अप्रैल २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने जमशेदपुर में साकची धालभूम क्लब मैदान में पूर्वी सिंहभूम जिला सम्मेलन द्वारा आयोजित **राजस्तान दिवस** के कार्यक्रम में भाग लिया।

२३) २१ अप्रैल २०२४ को सम्मेलन सभागार में **राष्ट्रीय कार्यकारिणी की समिति** की तृतीय बैठक आयोजित हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी सदस्यों का अभिवादन कतरते हुए सम्मेलन की गतिविधियों पर संक्षेप में चर्चा की। बैठक में प्रस्तावित विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

२४) २४ अप्रैल २०२४ को बीकानेर से पधारे राजस्थानी-हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि, कथाकार, लेखक, संस्कृतिकर्मी एवं सामाजिक कार्यकर्ता **श्री राजेन्द्र जोशी** का राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय में सम्मान किया गया।

२५) २८ अप्रैल २०२४ को शेगाँव (महाराष्ट्र) में पूर्व मंत्री **श्री जयप्रकाश मुंधड़ा** की अध्यक्षता में आयोजित सभा में **श्री निकेश गुप्ता** को सर्वसम्मति से महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया।

२६) २८ अप्रैल २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के नेतृत्व में राष्ट्रीय पदाधिकारीयों ने रिसड़ा में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलनकी हुगली शाखा द्वारा **'मतदान हमारा कर्तव्य, हमारा अधिकार'** विषय पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

२७) २९ अप्रैल २०२४ को बीकानेर राजस्थान से राजस्थानी-हिंदी के प्रसिद्ध लेखक **श्री चेतन स्वामी** का राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्मेलन के केंद्रीय सभागार में सम्मान किया गया। साथ ही राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार के विषय में विस्तृत चर्चा की गई।

२८) ४ मई २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में **प्रभात खबर** के संयुक्त तत्वाधान में **'वोट का अधिकार, लोकतंत्र का आधार'** विषय पर मतदाता जागरुकता हेतु **संगोष्ठी** का आयोजन हुआ, जिसमें बाबासाहेब अंबेडकर एजुकेशन विश्वविद्यालय की कुलपति **श्रीमती सोमा बंद्योपाध्याय** एवं प्रसिद्ध विचारक **श्री विनोद अग्रवाल** ने भाग लिया।

२९) ६ मई २०२४ को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री गणपत भंसाली के सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय में पधारने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय महामंत्री मैं (कैलाशपति तोदी) एवं श्री शिव रतन फोगला द्वारा दुपट्टा व शाल भेंटकर सम्मान व स्वागत किया गया।

३०) ८ मई २०२४ को कोलकाता दौरे पर पहुँचे राजस्थान सरकार में शहरी विकास, एवं स्वायत शासन विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) **श्री झाबर सिंह खर्रा** एवं नागरिक उड्डयन एवं सहकारिता

SRIHARI GLOBAL IISD FOUNDATION

SRIHARI GLOBAL IISD FOUNDATION
BE A LEADER...

Centre:
Newtown, Kolkata

Tired of hopping from one tutor to another?

Get all your coaching needs under one roof!

Build Your Career through Personalized Coaching at

School Guide,

a unit of Srihari Global IISD Foundation

Register Now!!

+91 9831495016

LAB FACILITIES AVAILABLE for
Physics, Chemistry & Biology

WHO WE ARE ?

School Guide is a unit of the Srihari Global IISD Foundation, which was set up by the visionary industrialist and philanthropist Dr. H P Kanoria. School Guide's objective is to provide personalized subject tutorials to students under one roof to prepare them for board and competitive examinations.

WHAT WE OFFER

01 Tuition Classes
Tuitions in all subjects for students of Classes X, XI and XII of CBSE, ICSE and ISC boards.

02 Computer Lab
Well-equipped computer lab with broadband facility.
Qualified lab faculty to handhold students of Classes X through XII.

03 Special Guidance
Special coaching in Sanskrit, Hindi, English and German.

04 Unique Facility
Fully equipped Physics, Chemistry and Biology laboratories for practical practice for students of Classes X, XI and XII.

CONTACT US FOR MORE INFORMATION

Address : **Plot DD – 202, Street – 295, Near New Town School, Newtown, Kolkata – 700 156**
Email us : **souravmukherjee384@gmail.com** ● WhatsApp or Call us : **+91 98314 95016 / +91 91230 53503**
Web : **www.srihariglobaliisd.com**

हनुमान मंदिर, चूरू

श्रीमती केसरदेवी सोती
उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर,चूरु

श्रद्धेय केसरदेवी सोती

पं. सम्पतराय केदारमल सोती स्मृति भवन, चूरू

शिव मंदिर, चूरु, राजस्थान

सोती चेरिटेबल ट्रस्ट

कोलकाता एवं चूरू

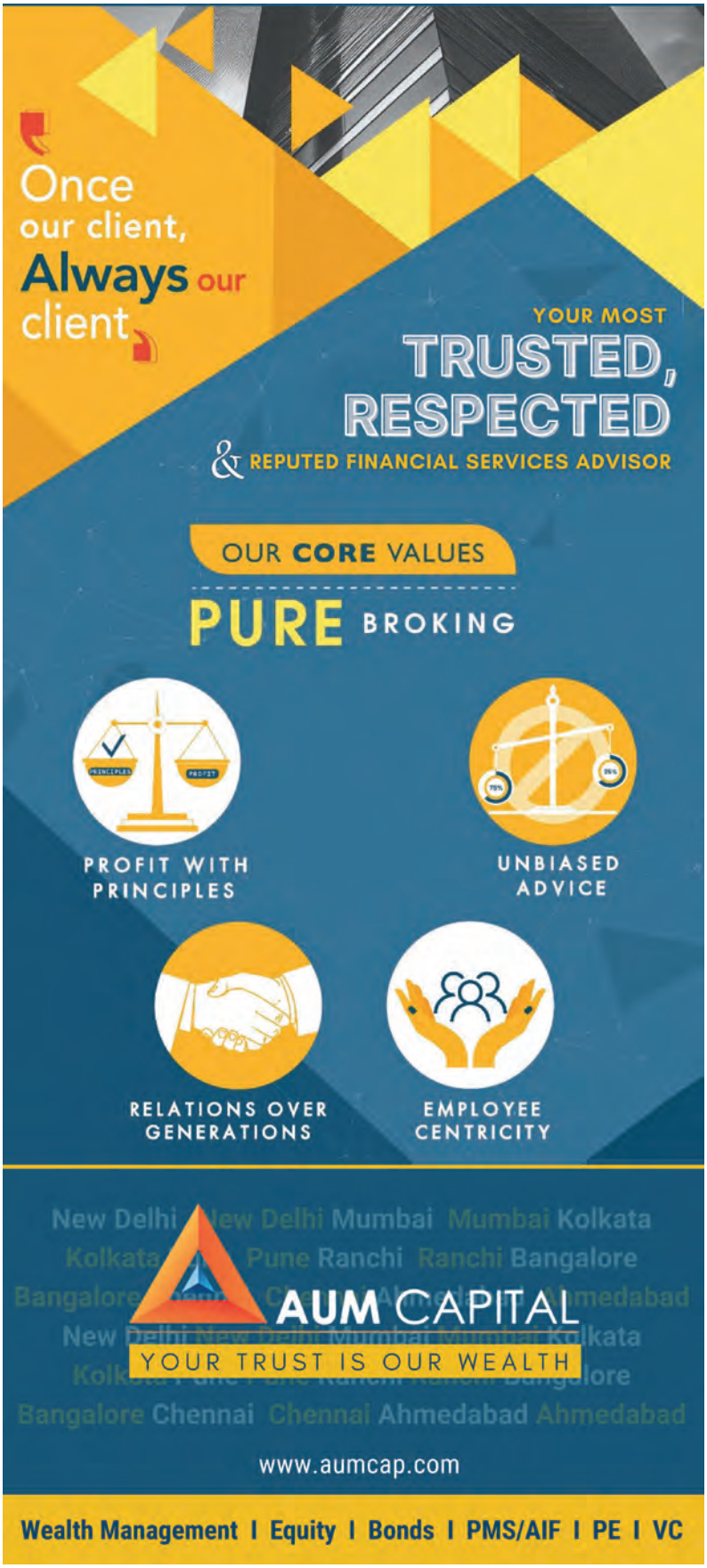
Once
our client,
Always our
client
YOUR MOST
TRUSTED,
RESPECTED
& REPUTED FINANCIAL SERVICES ADVISOR
OUR CORE VALUES
PURE BROKING
PROFIT WITH
PRINCIPLES
UNBIASED
ADVICE
RELATIONS OVER
GENERATIONS
EMPLOYEE
CENTRICITY
New Delhi Mumbai Kolkata
Pune Ranchi Bangalore
Chennai Ahmedabad
AUM CAPITAL
YOUR TRUST IS OUR WEALTH
www.aumcap.com
Wealth Management I Equity I Bonds I PMS/AIF I PE I VC

ASL MOTORS
Web : www.aslgroup.in

TATA MOTORS
Passenger Vehicles Limited

ADITYAPUR :
A-7, IInd Phase, Adityapur Industrial Area, Jamshedpur.
Mob.: 7541811126 | E-mail: admin@aslmotors.in

MANGO :
Plot No 395 and 396, Oppo. Motor World Showroom, Pardih, Jamshedpur. Mob.: 7360006086

CHAIBASA :
Zila School Road, Near KTM Showroom. Mob.: 9263854107

GHATSILA :
Near Kaushalya Logde, NH -33, Fuldungari. Mob.: 7541811140

NOAMUNDI :
Plot No 1429, Khata No 402, Vill Mahudi, PS Kolhan. Mob.: 9263854109

SAKCHI OPENING SOON :
Near Sagar Hotel, Howrah Bridge, Kasidih, Sakchi. Mob.: 9241832067

फोन : (033) 4004 4089 स्थापित : 1935 E-mail : aimf1935@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

(Regd. under W.B. Societies act XXVI of 1961)
4बी, डकबैक हाउस, 4 तल्ला, 41, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-700 017
फोन : 033-4004 4089, e-mail : aimf1935@gmail.com

देश के वरिष्ठ राष्ट्रनायकों की उत्साहवर्द्धक उपस्थिति

मारवाड़ी सम्मेलन के इतिहास की उपलब्धियों में तब कई और पृष्ठ जुड़ते हैं जब सम्मेलन के रजत जयंती, स्वर्ण जयंती, हीरक जयंती, कौस्तुभ जयंती तथा स्थापना दिवस तथा अन्य समारोहों में ऐसे राष्ट्र तथा राजनायकों की उपस्थिति होती है, जो देश के सर्वश्रेष्ठ लोगों की श्रेणी में आते हैं। इनमें शामिल है पश्चिम बंगाल के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचन्द्र राय, तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह, तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा, तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील, पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी, तत्कालीन राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द (बतौर बिहार राज्यपाल), वर्तमान महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु (बतौर झारखंड राज्यपाल), उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ (बतौर प. बंगाल राज्यपाल), लोकसभा के स्पीकर श्री ओम बिड़ला तथा राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह। समय-समय पर इन सबकी उत्साहवर्द्धक उपस्थिति ने उर्जा का नया संचार करने के साथ-साथ सम्मेलन की प्रासंगिकता तथा उपयोगिता को सिद्ध किया है।

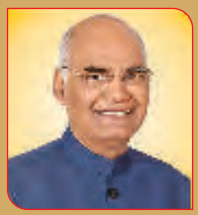

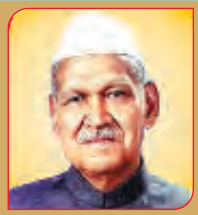

आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

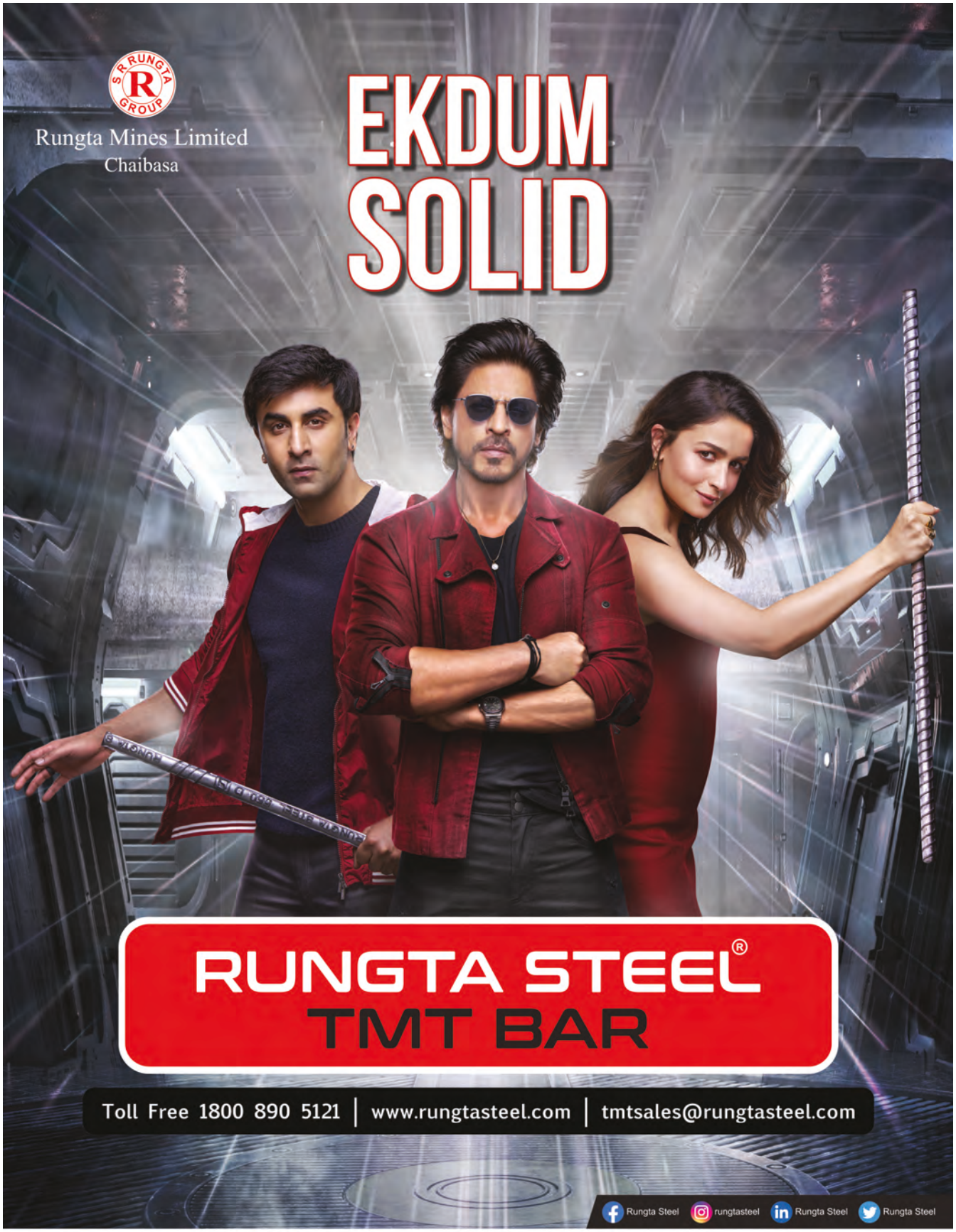

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

Yours Tastefully
Anmol
TM
Enjoy Great Taste
with Good Health
FruitBix
Anmol
dream
LITE
Marie
Plus
With Best Compliments from:
Anmol Industries Ltd.
BISCUITS, CAKES & COOKIES
BISCUITS
For your comments, complaints and trade related queries write to us at info@anmolindustries.com
or call us at 1800 1037 211 | www.anmolindustries.com | Follow us on:

विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) **श्री गौतम कुमार दक** से सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय महामंत्री मैं (कैलाशपति तोदी), राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता एवं सूचना तकनीक एवं वेबसाइट उपसमिति के चेयरमैन अजय कुमार अग्रवाल ने उनको दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया और उनको सम्मेलन की गतिविधियों एवं उद्देश्यों के बारे में विस्तृत रूप से बताया, इसके अलावा सामाजिक विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ।

३१) ११ मई २०२४ को जोरहाट साहित्य सभा के अध्यक्ष जुगल किशोर अगरवाला के सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय पधारने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री मैं (कैलाशपति तोदी) ने दुपट्टा पहनाकर, सम्मान किया।

३२) १२ मई २०२४ को **पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** एवं **राजस्थान पत्रिका** के संयुक्त तत्वाधान में **'हमारा मत, हमारी ताकत'** विषय पर मतदाता जागरूकता हेतु कोलकाता के न्यु टाउन में **संगोष्ठी** का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के नेतृत्य में राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

३३) १३ मई २०२४ को **संविधान संशोधन उपसमिति** की बैठक उपसमिति के अध्यक्ष निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

३४) १५ मई २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में सम्मेलन के पदाधिकारीयों ने कोलकाता दौरे पर आए राजस्थान के मुख्यमंत्री **श्री भजनलाल शर्मा** का स्वागत सम्मान किया। केंद्रीय राज्य मंत्री **श्री अर्जुन राम मेघवाल** के कोलकाता आगमन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के नेतृत्व में सम्मेलन के **शिष्ट मंडल** ने भेंट की। इस भेंट में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीश्री पवन जालान, श्री संजय गोयनका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता एवं अन्य शामिल थे।

३५) २० मई २०२४ को पश्चिम बंग प्रांत की **हुगली शाखा** एवं **मारवाड़ी युवा मंच** की विभिन्न शाखाओं के सहयोग से केंद्रीय सम्मेलन ने बेलुर के २ बूथों, हावड़ा के ४ बूथों, रिसड़ा के ४ बुथों एवं बड़ाबाजार (विवेक विहार) के। बूथ पर लोकसभा चुनाव में कुल ११ बूथों पर सेल्फी-प्वाइंट लगवाया। साथ ही लोकसभा चुनाव २०२४ के दौरान कई प्रांतीय सम्मेलनों द्वारा मतदान के दिन सेल्फी प्वाइंट में मारवाड़ी सम्मेलन का नाम लिखा हुआ था। ये सेल्फी प्वाइंट लोकप्रिय रहे। चुनाव के समय सभी सदस्यों से अनुरोध किया गया की चुनाव के दिन मतदान करके अपनी सेल्फी राष्ट्रीय कार्यालय में भेंजे ताकि उनकी सेल्फी को फेसबूक पर अपलोड किया जा सके। इस अभियान का काफी अच्छा प्रभाव पड़ा। लगभग ४० विभिन्न शहरों एवं कस्बो से सेल्फी प्राप्त हुए जो की विभिन्न मतदान वाले दिनों में फेसबूक पर अपलोड किया गया।

३६) २६ मई २०२४ को **सम्मेलन** एवं **'सन टू ह्यूमन'** के संयुक्त तत्वाधान में **'नए दृष्टिकोण वाला शिविर'** मेवाड बैंक्वेट में सम्यक आहार, सम्यक व्यायाम, सम्यक निद्रा हेतु शिविर का आयोजन हुआ, जिसमे बड़ी संख्या में समाज-बंधुओं ने भाग लिया।

३७) २८ मई २०२४ को विशाखापट्टनम के **राजस्थानी संस्कृति मंगल भवन** में आयोजित आमसभा में **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** को आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में सर्व सम्मति से निर्वाचित किया गया।

३८) ३० मई २०२४ को राजस्थान के मुख्यमंत्री को २१ अप्रैल २०२४ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में पास प्रस्ताव के संदर्भ में जयपुर हवाई अड्डा का नाम **हनुमान प्रसाद पोद्दार** के नाम पर रखने हेतु आवश्यक कदम उठाने के लिए निवेदन पत्र भेजा।

३९) ५ जून २०२४ को **'विश्व पर्यावरण दिवस'** के अवसर पर केंद्रीय सम्मेलन सभागार, कोलकाता में **'ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण नियंत्रण के महत्व'** विषय पर पर्यावरण जागरुकता को लेकर एक **संगोष्ठी** का आयोजन हुआ, जिसमें प्रमुख वक्ता के रूप में पर्यावरण संस्कृतकर्मी एवं **'कंसर्न फॉर अर्थ'** के अध्यक्ष **सीए श्री संतोष मोहता** ने उपस्थित लोगों को हाइड्रोपोनिक, वर्टिकल गार्डेनिंग और वेस्ट टू वेल्थ के लिए प्रेरित किया।

४०) ६ जून २०२४ को लोकसभा चुनाव में निर्वाचित समाज-बंधुओ को बधाई संदेश भेजा गया।

४१) ७ जून से ०९ जून २०२४ तक राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्य में **पश्चिम बंगाल** एवं **सिक्किम** प्रांत का दौरा किया। इस दौरे में जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी, मयनागुड़ी शाखाओं के साथ ही साथ सिक्किम प्रांत की राजधानी गंगटोक में बैठक कर सांगठनिक विकास एवं सम्मेलन के सामाजिक, सांस्कृतिक व वैचारिक आंदोलन पर विस्तार से चर्चा की।

४२) १४ जून २०२४ को माननीय नागरिक उड्डयन मंत्री, भारत सरकार **श्री किंजरापु नायडू** को २१ अप्रैल २०२४ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में पास प्रस्ताव के संदर्भ में जयपुर हवाई अड्डा का नाम **हनुमान प्रसाद पोद्दार** के नाम पर रखने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निवेदन पत्र भेजा।

४३) १५-१६ जून २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री मैंने (कैलाशपति तोदी) ने **बिहार प्रांत** के विभिन्न शाखाओं का दौरा किया। इस दौरे में भागलपुर, खगड़िया, बेगूसराय, नवगछिया एवं पटना शाखा में बैठक कर सम्मेलन के सामाजिक, सांस्कृतिक व वैचारिक कार्यक्रमों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इसी दौरान समाज के नव-निर्वाचित **लोकसभा सांसद श्री राजेश वर्मा** का भागलपुर की सभा में सम्मान किया।

४४) १८ जून २०२४ को **राजस्थान के मुख्यमंत्री** को पुनः जयपुर हवाई अड्डे का नाम **हनुमान प्रसाद पोद्दार** के नाम पर रखने के हेतु नागरिक उड्डयन मंत्री को लिखे पत्र की प्रति के साथ आवश्यक कदम उठाने के लिए निवेदन पत्र भेजा।

४५) १९ जून २०२४ को **डॉ. श्याम सुंदर हरलालका** की पुस्तक **'हिस्ट्री ऑफ मारवाड़ीज इन असम'** का गुवाहाटी में असम के **राज्यपाल** द्वारा विमोचन किया गया।

४६) २१ जून २०२४ को **'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस'** के अवसर पर **सम्मेलन** एवं **यौगिक संघ** के संयुक्त तत्वाधान में ब्रिगेड परेड ग्राउंड में योग कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें दो सौ से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय महामंत्री मैं (कैलाशपति तोदी), राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन जालान, स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन अनिल मल्लावत एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

४७) २६ जून २०२४ को अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती अंजू सरावगी के नेतृत्व में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला लाखोटिया, राष्ट्रीय महामंत्री

श्रीमती निशा मोदी एवं पश्चिम बंगाल महिला सम्मेलन की अध्यक्ष श्रीमती बिनीता अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष बबिता बगड़िया ने मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ केंद्रीय सम्मेलन सभागार में एक बैठक आयोजित हुई, जिसमें राजस्थानी भाषा, समाज सुधार और आपसी सहयोग पर मिलकर कार्य करने हेतु विचार-विमर्श किया।

४८) २९ जून २०२४ को प्रवीण समाजसेवी **श्री द्वारका प्रसाद जी गनेड़ीवाल** के निधन पर एक संयुक्त **श्रद्धांजलि सभा** स्थानीय **भारतीय भाषा परिषद** सभागार में आयोजित की गई।

४९) २९ जून २०२४ को केंद्रीय सम्मेलन सभागार, कोलकाता में **'प्रोस्टेट एवं यूरीनरी इंफेक्शन'** विषयक **संगोष्ठी** का आयोजन हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने किया। इस संगोष्ठी में प्रधान वक्ता मणिपाल हॉस्पिटल्स के **सुप्रसिद्ध डॉ. मयंक बैद** ने प्रोस्टेट एवं यूरीनरी इंफेक्शन के लक्षण और उपाय के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर मणिपाल हॉस्पिटल के साथ मणिपाल हॉस्पिटल के देश के विभिन्न भागों में फैले हुए अस्पतालों में मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों को विशेष सुविधा प्रदान करने के विषय में एक समझौता की घोषणा भी की गई।

५०) ७ जूलाई २०२४ को **श्री सीताराम अग्रवाल** ने **कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** के अध्यक्ष निर्वाचित किए गए।

५१) ७ जुलाई २०२४ को **पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** द्वारा **जी.डी. बिरला सभागार** में आयोजित **'प्रतिभा सम्मान समारोह'** में राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भाग लेकर समाज के लगभग ४०० प्रतिभावान बच्चों को पुरस्कृत करके उनका उत्साहवर्धन किया।

५२) २० जुलाई २०२४ को बैंगलूरू में **संविधान संशोधन उपसमिति** की बैठक उपसमिति के चेयरमैन, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

५३) २१ जुलाई २०२४ को **हरियाणा भवन, हरलुर, बैंगलुरु** में सत्र २०२३-२५ के **राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति** की चौथी बैठक आयोजित हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी सदस्यों का अभिवादन करते हुए सम्मेलन की गतिविधियों पर संक्षेप में चर्चा की। बैठक में विचारार्थ विषयों के साथ सम्मेलन के भवन निर्माण के विषय पर चर्चा हुई एवं साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सम्मेलन की निधि से ५० लाख रुपये तक की धनराशि खर्च करने के अधिकार हेतु राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समक्ष प्रस्ताव रखे जिसको सर्व सम्मति से सभा सदस्यों ने पारित किया। इस बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री मधुसूदन सिकरीया, डॉ. सुभाष अग्रवाल, राष्ट्रीय महामंत्री मैं (कैलाशपति तोदी), राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय श्री पवन कुमार जालान, श्री संजय गोयनका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदार नाथ गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाशचंद काबरा (पूर्वोत्तर), श्री युगल किशोर अग्रवाल (बिहार), श्री दिनेश कुमार अग्रवाल (उत्कल), श्री नंद किशोर अग्रवाल (पश्चिम बंग), श्री निकेश गुप्ता (महाराष्ट्र), श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (आंध्र प्रदेश), श्री सीताराम अग्रवाल (कर्नाटक) व अन्य पदाधिकारी, गणमान्य समाज-बंधु उपस्थित रहे।

५४) ११ अगस्त २०२४ को श्री गौशाला, भागलपुर कार्यकारिणी समिति के वरिष्ठतम सदस्य एवं भागलपुर मारवाड़ी समाज के वयोवृद्ध समाजसेवी एवं सम्मेलन के प्रवीण सदस्य ९२ वर्षीय **श्री लक्ष्मीनारायण जी डोकानियाँ** को एक भव्य सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। इस समारोह में विशेष आमंत्रण पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, बिहार प्रांतीय अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल एवं पुर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे शामिल हुए। **इसी दिन** भागलपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार जी को दवा व्यापारी बलराम केडिया के पुत्र रौनक की हत्या करने वालों को पकड़ने के लिए ज्ञापन सौपा एवं साथ ही प्रांतीय अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल एवं भागलपुर शाखा के सदस्यों के साथ शोकाकुल **केडिया परिवार** से मुलाकात किए एवं पुलिस अधीक्षक के साथ हुई वार्तालाप के विषय में बताया उन्होंने आश्वस्त किया की इस वारदान में आपको न्याय मिलेगा।

५५) १५ अगस्त २०२४ को राष्ट्र के **७८वें स्वतंत्रता दिवस** पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने कोलकाता स्थित केंद्रीय कार्यालय भवन परिसर में **झंडोत्तोलन** किया। तत्पश्चात सम्मेलन सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वय श्री सीताराम शर्मा, श्री नंदलाल रुंगटा, राष्ट्रीय महामंत्री मैं (कैलाशपति तोदी), निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय श्री पवन जालान, संजय गोयनका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीकेदार नाथ गुप्ता एवं अन्य पदाधिकारीयों व सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे।

५६) १६ अगस्त २०२४ को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं **सीमांत मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) दक्षिण बंग** के संयुक्त तत्वाधान में **राजारहाट कैंपस** में **वृक्षारोपण कार्यक्रम** संपन्न हुआ, जिसका नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया एवं 'बीएसएफ दक्षिण बंगाल के **आईजी मनिंदर प्रताप सिंह पवार** ने किया। सम्मेलन की ओर से राष्ट्रीय महामंत्री मैं (कैलाशपति तोदी), राष्ट्रीय सुयंक्त महामंत्री पवन जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता आदि ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न प्रजातियों के फलों के पौधों का वृक्षारोपण किया गया।

५७) २३-२५ अगस्त २०२४ को राष्ट्रीय महामंत्री मेरे (कैलाशपति तोदी) आंध्र प्रदेश, विजयवाड़ा आगमन पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल एवं उनकी टीम द्वारा स्वागत किया गया। **२४ अगस्त २०२४** को स्थानीय विजयवाड़ा, राजमुंदड़ी, विशाखापट्टनम, गुंटुर, श्रीकाकुलम आदि शाखाओं के साथ एक अनऔपचारिक बैठक हुई। **२५ अगस्त २०२४** को विजयवाड़ा तुम्मलपल्ली कलाक्षेत्रम आडिटोरियम में आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा विषय 'वास्तु से सफलता की ओर' (वक्ता-सूरत, गुजरात निवासीश्री महेश जी गोडंलिया, वास्तु विशेषज्ञ) पर एक सेमिनार एवं प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई।

५८) ८ सितंबर २०२४ को सूरत के महाराजा अग्रसेन भवन के द्वारका हॉल में **गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन** के आतिथ्य में **अखिल भारतीय समिति** की बैठक आयोजित हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी सदस्यों का अभिवादन करते हुए सम्मेलन की गतिविधियों पर संक्षेप में चर्चा की। बैठक में प्रस्तावित विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

५९) २१ सितंबर २०२४ को कोलकाता स्थित **हिंदुस्तान क्लब** में सम्मेलन के पुरोधा पुरुष एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **स्वर्गीय नंदकिशोर जी जालान** के शतवार्षिकी पर **जन्म-शतवार्षिकी समारोह** आयोजित की गई। जिसमें उद्घाटनकर्ता पूर्व कोयलामंत्री भारत सरकार **श्री संतोष कुमार बगड़ोदिया**, प्रधान अतिथि सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी **श्री सज्जन भजनका**, विशिष्ट अतिथि सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी **श्री ओम प्रकाश जालान**, प्रधान वक्ता सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा**, समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने की। समारोह के परामर्शदाता श्री आत्माराम सोंथलिया के अलावा स्व. नंदकिशोर जी जालान के पूरे परिवार के साथ समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं सदस्य उपस्थित थे। इस समारोह में स्व. नंदकिशोर जी जालान की जन्म-शतवार्षिकी पर सम्मेलन के मुखपत्र **'समाज विकास विशेषांक' संस्मरण** का विमोचन किया गया।

६०) २८ सितंबर २०२४ को केंद्रीय कार्यालय सभागार, कोलकाता में आयोजित **वार्षिक साधारण सभा** की **सत्र २०२३-२४** की बैठक हुई।

६१) ४ अक्टूबर २०२४ को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के आगमन पर उत्कल प्रांत के **संबलपुर शाखा** द्वारा अभिनंदन समारोह आयोजित की गई। साथ ही महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह के उपलक्ष्य में सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी **बलांगीर शाखा** पधारे।

६२) ५ अक्टूबर २०२४ को सम्मेलन सभागार, कोलकाता में **राष्ट्रीय स्थायी समिति** की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने की।

६३) १९ अक्तूबर २०२४ को केंद्रीय कार्यालय सभागार में समाज के **स्थानीय संस्थाओं** एवं **सम्मेलन** के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय संस्थाओं के अध्यक्ष, महामंत्री एवं पदाधिकारीयों के साथ सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों शामिल हुए।

६४) २६ अक्तूबर २०२४ को केंद्रीय कार्यालय सभागार में **स्वास्थ्य उपसमिति** की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन **श्री अनिल कुमार मलावत** ने की।

६५) २९ अक्तूबर २०२४ को **धनतेरस** के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं राष्ट्रीय कार्यालय के सभी सहयोगियों के सानिध्य में **लक्ष्मी-गणेश** का पूजन विधि-विधान से किया गया।

६६) ४ नवंबर २०२४ को हल्दीराम बैक्वेट हाल, बालीगंज, कोलकाता में **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन** द्वारा **'दीपावली प्रिति मिलन समारोह'** आयोजित की गई।

६७) ११ नवंबर २०२४ को केंद्रीय कार्यालय सभागार में **पुरस्कार चयन उपसमिति** की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुरस्कार चयन उपसमिति के चेयरमैन **पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने की।

६८) १६ नवंबर २०२४ को केंद्रीय कार्यालय सभागार में **राजनीतिक चेतना उपसमिति** की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजनीतिक चेतना उपसमिति के चेयरमैन **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने की।

६९) संगठन विस्तार : १४ मई २०२३ से शुरु हुए राष्ट्रीय सम्मेलन के नए सत्र २०२३-२५ में अब तक ७८ विशिष्ट संरक्षक सदस्य, १८ संरक्षक सदस्य, एवं ३२५५ आजीवन सदस्य यानी कुल ३३५२ नए सदस्य बनें।

७०) रोजगार सहायता : २० दिसंबर २०२४ को प्राप्त सूचना के अनुसार, अब तक ३५९ युवक-युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है।

७१) उच्च शिक्षा कोष : २० दिसंबर २०२४ को प्राप्त सूचना के आधार पर अब तक देश के विभिन्न भागों के छात्र-छात्राओं को ३ करोड़ ९७ लाख ३५ हजार ८७५ रुपये की राशि अनुदान के रूप में दी जा चुकी है। मौजुदा वित्तीय वर्ष २०२४-२५ में अब तक १५ लाख २३ हजार रुपये की राशि आवंटित की जा चुकी है।

७२) डिजिटलीकरण पर कार्यवाई

१) प्रत्येक माह 'समाज विकास' प्रत्येक सदस्य अपने स्मार्ट फोन पर प्राप्त कर पाएंगे।

२) सदस्यगण अपने सदस्यता की जानकारी में किसी भी भूल का संशोधन स्वयं ही कर पाएंगे।

३) वैवाहिक, व्यापारिक एवं नौकरी संबंधी पेज भी वेबसाइट में जुड़ गया है।

४) सम्मेलन में उपलब्ध पुस्तकों का वेबसाइट पर प्रकाशन।

५) सदस्यों को जन्मदिन पर स्वचालित शुभकामना संदेश का संप्रेषण।

६) फेसबुक, इन्स्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर पेज के माध्यम से समाज-बंधुओं तक सम्मेलन की पहुँच।

७) SMS के माध्यम से सम्मेलन की सूचनाओं का प्रत्येक सदस्य को त्वरित संप्रेषण।

८) 'AIMF एप्प' प्ले स्टोर पर उपलब्ध।

७३) भावी कार्यक्रम

१) मायड भाषा का प्रचार-प्रसार

२) सभी घटकों के साथ मिलकर आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज की परिकल्पना साकार करना।

३) संगठन विस्तार : पंजाब एवं हिमाचल में प्रादेशिक शाखाओं की स्थापना, प्रदेशों में लंबित चुनाव करवाना, निष्क्रिय शाखाओं को सक्रिय करना, नई शाखा खोलना, सदस्यों की संख्या अधिकाधिक बढ़ाना।

४) पर्यारण संरक्षण : स्वयं के आचरण में पालन करना, पेड़ लगाना।

५) समाज-सुधार : राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित किए गए प्रस्ताव के प्रचार, प्रसार एवं लागू करने के लिए सतत प्रयास करना।

६) संस्कार, संस्कृति चेतना का कार्यक्रम करना।

७) कोलकाता में भवन निर्माण शुरु करने हेतु प्रयास करने को गति प्रदान करना।

With Best Compliments From :

PRECISION TECHNIK PVT. LTD.

for 90th foundation day of
All India Marwari Federation

Address :

DB-126, Sector-1, Saltlake City
Kolkata-700 064

Business Activities :

Generation of Solar Power Energy and EPC Contractor

Person in Contact :

Rajesh Kumar Sonthalia, CEO
Contact No. 98310 77130
Email ID : ptpl1995@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

पदाधिकारीगण

श्री शिव कुमार लोहिया	राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता	डॉ. सुभाष अग्रवाल	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	कर्नाटक
श्री दिनेश कुमार जैन	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	कोलकाता	श्री कैलाशपति तोदी	राष्ट्रीय महामंत्री	हावड़ा
श्री रंजीत कुमार जालान	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	उत्तराखंड	श्री पवन कुमार जालान	राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री	कोलकाता
श्री मधुसूदन सीकरिया	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	असम	श्री संजय गोयनका	राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री	कोलकाता
श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	बिहार	श्री महेश जालान	राष्ट्रीय संगठन मंत्री	पटना
श्री राज कुमार केडिया	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	झारखंड	श्री केदार नाथ गुप्ता	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	कोलकाता

पदेन सदस्य

श्री सीताराम शर्मा (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री नंद लाल रूंगटा (चाईबासा), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री राम अवतार पोद्दार (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री प्रह्लाद राय अगरवाला (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री संतोष सराफ (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री गोवर्धन प्रसाद गाडोदिया (राँची), निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री रतन लाल साह (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
श्री भानी राम सुरेका (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री
श्री संजय कुमार हरलालका (कोलकाता), पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

सदस्यगण

श्री अखिलेश जैन (कोलकाता)
श्री अमित सारावगी (कोलकाता)
श्री आनंद कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री अनिल कुमार जाजोदिया (वाराणसी)
श्री अरुण चुड़ीवाल (कोलकाता)
श्री अरुण कुमार सुरेका (कोलकाता)
श्री अशोक धानुका (असम)
श्री आत्माराम सोंथलिया (कोलकाता)
श्री भगवानदास अग्रवाल (कोलकाता)
श्री विजय कुमार केडिया (ओड़िसा)
श्री बिमल कुमार केजरीवाल (कोलकाता)
श्री विनय सरावगी (झारखंड)
श्री विनोद तोदी (बिहार)
श्री बृज मोहन गाड़ोदिया (कोलकाता)
श्री दीपक पारिक (झारखंड)
श्री जुगल किशोर सर्राफ (कोलकाता)
श्री जुगल किशोर जाजोदिया (कोलकाता)
श्री कमलेश कुमार नाहटा (मध्य प्रदेश)
श्री कुंजबिहारी सोभासारिया (कोलकाता)
श्री मन्ना लाल बैद (दिल्ली)
श्री मनोज कुमार जैन (ओडिशा)
श्री नंद किशोर अग्रवाल (कोलकाता)
श्री नरेंद्र तुलस्यान (कोलकाता)
श्री निर्मल कुमार काबरा (झारखंड)
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (झारखंड)
श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल (असम)
श्री पवन कुमार बंसल (कोलकाता)
श्री पवन कुमार गोयनका (दिल्ली)
श्री पवन सुरेका (बिहार)
श्री पवन टिबड़ेवाल (कोलकाता)
श्री प्रदीप जीवराजका (कोलकाता)
श्री रघुनाथ प्रसाद झुनझुनवाला (कोलकाता)
श्री राजेश कुमार पोद्दार (कोलकाता)
श्री रमेश कुमार बूबना (कोलकाता)
श्री सज्जन भजनका (कोलकाता)
श्री श्याम सुंदर धानुका (कोलकाता)
श्री सुरेश कुमार कमानी (ओडिशा)
श्री विवेक गुप्ता (कोलकाता)

स्थायी विशिष्ट आमंत्रित

श्री अजय अग्रवाल (कोलकाता)
श्री अशोक जालान (ओडिशा)
श्री बनवारीलाल शर्मा सोती (कोलकाता)
श्री विश्वनाथ भुवालका (कोलकाता)
श्री दिलीप कुमार चौधरी (कोलकाता)
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल (ओडिशा)
श्री गोपाल अग्रवाल (कोलकाता)
श्री जितेंद्र गुप्ता (ओडिशा)
श्री कैलाश चंद्र लोहिया (असम)
श्री कमल नोपानी (बिहार)
श्रीमती ममता बिनानी (कोलकाता)
श्री मनिष सराफ (बिहार)
श्री नंद लाल सिंघानिया (कोलकाता)
श्री नारायण प्रसाद डालमिया (कोलकाता)
श्री निर्मल सराफ (कोलकाता)
श्री ओम प्रकाश गट्टानी (असम)
श्री राज कुमार मिश्रा (दिल्ली)
श्री राजेंद्र कुमार खंडेलवाल (कोलकाता)
श्री राजेश कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री रमेश चंद जी. बंग (महाराष्ट्र)
श्री शिव रतन फोगला (कोलकाता)
श्री सिताराम अग्रवाल (कर्नाटक)
श्री सुशील पोद्दार (कोलकाता)
श्रीमती सुषमा अग्रवाल (बिहार)
श्री विजय कुमार लोहिया (तामिलनाडु)

पदेन सदस्य

श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (आंध्र प्रदेश)
श्री बालकिशन लोया (आंध्र प्रदेश)
श्री जुगल किशोर अग्रवाल (बिहार)
श्री सद्दानंद अग्रवाल (बिहार)
श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया (छत्तीसगढ़)
श्री अमर बंसल (छत्तीसगढ़)
श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया (दिल्ली)
श्री सुंदर लाल शर्मा (दिल्ली)
श्री गोकुल चंद बजाज (गुजरात)
श्री राहुल अग्रवाल (गुजरात)
श्री बसंत कुमार मित्तल (झारखंड)
श्री रवि शंकर शर्मा (झारखंड)
श्री सीताराम अग्रवाल (कर्नाटक)
श्री शिव कुमार टेकरीवाल (कर्नाटक)
श्री विजय कुमार सकलेचा (मध्य प्रदेश)
श्री श्याम सुंदर महेश्वरी (मध्य प्रदेश)
श्री निकेश गुप्ता (महाराष्ट्र)
श्री सुदेश करवा (महाराष्ट्र)
श्री कैलाश चांद काबरा (पुर्वोत्तर)
श्री विनोद कुमार लोहिया (पुर्वोत्तर)
श्री अशोक केडिया (तमिलनाडु)
श्री मोहन लाल बजाज (तमिलनाडु)
श्री रामप्रकाश भंडारी (तेलंगाना)
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल (उत्कल)
डॉ. सुभाष चंद अग्रवाल (उत्कल)
श्री श्रीगोपाल तुलस्यान (उत्तर प्रदेश)
श्री टीकम चन्द सेठिया (उत्तर प्रदेश)
श्री संतोष खेतान (उत्तराखंड)
श्री संजय जाजोदिया (उत्तराखंड)
श्री श्याम सुंदर अग्रवाल (केरला)
श्री भावेश चांडक (केरला)
श्री रमेश पेड़िवाल (सिकिम)
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (सिकिम)
श्रीमती अंजू सरावगी (ओडिशा) अ.भा.म.मा.स.
श्रीमती निशा मोदी (ओडिशा) अ.भा.म.मा.स.
श्री सुरेंद्र भट्टर (राजस्थान) अ.भा.मा.यु.मं.
श्री सुंदर प्रकाश (ओडिशा) अ.भा.मा.यु.मं.

प्रांतीय/जिला/नगर/ग्राम शाखाओं की गतिविधियों का विवरण :–

प्रतिभा सम्मान समारोह : २२ जून २०२४ को सहरसा शाखा के आतिथ्य में **प्रतिभा सम्मान समारोह** आयजित किया गया, जिसमें १०वीं एवं १२वीं के ८५ प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले १२५ बच्चों को एवं अन्य विद्याओं में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए चाँदी के मैडल से सम्मानित किया गया।

राजस्थान दिवस : ३० मार्च २०२४ राज भवन, पटना में राजस्थान स्थापन दिवस का भव्य आयोजन किया गया। माननीय राज्यपाल महोदय के साथ सर्वश्री युगल किशोर अग्रवाल, श्रीमती उषा डिडवानियाँ, पद्मश्री बिमल जैन को मंच पर आसन ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल महोदय के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। माननीय अतिथियों को राजस्थानी पगड़ी एवं अंगवस्त्र से स्वागत किया गया। तत्पश्चात् रंगा-रंग राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

पटना नगर : पधारो म्हारे कार्यक्रम, कवि सम्मेलन, राजस्थान दिवस पर राज भवन राजस्थानी कार्यक्रम का आयोजन।

डेहरी : महाराज अग्रसेन कन्या योजना के अंतर्गत श्री पवन कुमार झुनझुनवाला जी डेहरी ऑन सोन के सौजन्य से पुत्री की शादी में रू. ५१००० (एकावन हजार) की राशि प्रदान की गई।

खगड़िया : मकर संक्रांति के अवसर पर अन्नपूर्णा की रसोई के अन्तर्गत १५०० लोगों के बीच पुड़ी, सब्जी, हलवा, तिलवा, तिल का लड्डु एवं हर मंगलवार को हलवा का प्रसाद और शनिवार को खिचड़ी का वितरण किया जाता है।

मुजफ्फरपुर : १७ फरवरी २०२४ को १५०० राहगीर को खिचड़ी वितरण। होली मिलन समारोह के अवसर पर वृंदा से आये दो दर्जन कलाकारों द्वारा राधा-कृष्ण की रासिया एवं बरसाने की लठमार होली का जीवन दृश्य प्रस्तुत किया गया।

मधेपुरा : १७ मार्च २०२४ को जीवन सदन परिसर में बिहार के जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ मधेपुरा के लाल डॉ. सर्राफ जी द्वारा हृदय रोगियों का नि:शुल्क जाँच। ई.सी.जी. रक्त मधुमय, रक्तचाप की जाँच जीवन हृदय रूगणालय के चिकित्सकों के साथ किया गया तथा कॉलेस्ट्रोल के दुष्परिणाम एवं उससे बचाव पर एक जागरूकता परिचर्चा तथा सी.पी.आर. के बारे में जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय पदाधिकारीयाँ का दौरा : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाश पति तोदी, प्रादेशिक अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल, वरीय उपाध्यक्ष श्री मुकेश जैन द्वारा दो दिवसीय दौरे में दिनांक १५.०६.२०२४ को भागलपुर, नवगछिया, खगड़िया एवं दिनांक १६.०६.२०२४ को बेगूसराय एवं पटना शाखा का दौरा किया गया।

पनशाला : पटना शाखा द्वारा दो दिन सतू घोल राहगीरों को पिलाया गया। दरभंगा शाखा के द्वारा ०३.०५.२०२४ को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में शीतल पेय जल और सतू घोल एवं नीबू जल का वितरण, मुजफ्फरपुर शाखा सत्तू का वितरण, पुपरी शाखा द्वारा शर्बत का वितरण, पटनासिटी, सीतामढ़ी, रोसड़ा, पूर्णियाँ, गुलाबबाग, बखरी बाजार, खुटौना, झंझारपुर, पूर्णियाँ,जयनगर, बेतिया, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, कहलगाँव, खगड़िया, सिंघेश्वर स्थान, बेतिया, रोसड़ा शाखा के द्वारा अपने शहर में स्थाई एवं अस्थाई शीतल पेयजल सेवा निरंतर जारी। पटना सिटी शाखा द्वारा बिस्कूट एवं रसना शर्बत का वितरण।

अग्रसेन जयन्ती : ०३ अक्टूबर २०२४ को प्रादेशिक कार्यालय में समाज के प्रवर्त्तक महाराजाधिराज अग्रसेन जी की जयन्ती मनाई गई एवं सीतामढ़ी, बेतिया, सहरसा, बिहारीगंज, त्रिवेणीगंज, मधेपुरा, सिंघेश्वर स्थान, पटना, जनकपुर रोड, आरा, रामनगर, सुगौली, मोतिहारी, पूर्णियाँ, पटना सिटी शाखा एवं मुजफ्फरपुर शाखा द्वारा मनाया गया।

नि:शुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जॉच शिविर : मधेपुरा एवं मुजफ्फरपुर शाखा द्वारा नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया।

बाढ़ पीड़ित सहायता : बेगूसराय शाखा द्वारा बाढ़ पीड़ितो के बीच राहत सामग्री का वितरण किया गया।

कांवड़िया सेवा शिविर : मधेपुरा, मुजफ्फरपुर शाखा एवं तिरहूत प्रमंडल के द्वारा कांवड़िया सेवा शिविर का आयोजन किया गया।

अन्य कार्यक्रम :

अप्रिय घटना का विरोध

भागलपुर निवासी रौनक केडिया दिनांक: ७ अगस्त २०२४ को कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा निर्मम हत्या के विरोध का पत्र मुख्यमंत्री जी, पुलिस महानिदेशक, बिहार, वरीय आरक्षी अधीक्षक, भागलपुर, श्री ललन सर्राफ विधान पार्षद को भेजा गया।

मेदान्ता-गुरुग्राम, मेदान्ता, पारस एवं मेडिवर्सल-पटना के अस्पतालों द्वारा ५६ व्यक्तियों को चिकित्सा में सुविधा सम्मेलन के अनुशंसा पर रियायत दी गई।

रानीगंज शाखा का वार्षिक साधारण सभा

रानीगंज शाखा के वार्षिक साधारण सभा का आयोजन दिनांक : ५ दिसंबर २०२४ (बृहस्पतिवार) को रानीगंज स्थित श्री सीतारामजी मंदिर में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई। कार्यक्रम के शुरुआत में ही रानीगंज शाखा से जुड़ने वाले नए १९ सदस्यों को मंचस्थ विशिष्ट जनों के साथ सम्मेलन की महिला सदस्य श्रीमती ज्योति बाजोरिया सहित श्रीमती अंजु बाजोरिया द्वारा सम्मानित किया गया। इसके उपरांत प्रदेश अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल की अनुपस्थिति में उनके द्वारा भेजे गए पत्र संदेश सभी सदस्यों को पढ़कर सुनाया गया। शाखाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश बाजोरिया ने आगामी परियोजनाओं से सदस्यों को अवगत करवाया जिनमें (१) समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को कम से कम खर्च में पूर्ण विवाह कार्य संपादन की सुविधा प्रदान करना। (२) आर्थिक रूप से कमजोर श्रेणी के बच्चों के शिक्षा में सहयोग। (३) समाज में नारी शक्ति को अग्रधिकार प्रदान। (४) कन्या के विवाह में हर संभव सहयोग आदि प्रमुख थे।

शाखा के पथप्रदर्शक श्री राजेंद्र प्रसाद खेतान ने सामाजिक समरसता एवं समाज को एकत्रित कर सुदृढ़ बनाने पर बल दिया।

प्रदेश उपाध्यक्ष श्री दिनेश सराफ ने प्रदेश की परियोजनाओं के बारे में सदस्यों को बताते हुए शाखाओं को प्रदेश की तरफ से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

इसके उपरांत सदस्यों से भी विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श कर उनके प्रस्तावों का पंजीकरण किया गया।

सभा में रानीगंज शाखा के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश बाजोरिया, शाखा के मार्गदर्शक एवं विशिष्ट समाजसेवी श्री राजेंद्र प्रसाद खेतान, सम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री दिनेश सराफ, दुर्गापुर शाखा के अध्यक्ष श्री नारायण सीकरिया, सचिव श्री राजेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री ब्रिज मोहन गुप्ता, श्री रमेश बंसल, बांकुड़ा शाखा के सचिव श्री मनोज बाजोरिया एवं रानीगंज शाखा के माननीय सदस्यगण सर्वश्री अनिल लुहारूवाला, मन्टू सुल्तानिया, अरूण भरतिया, राज कुमार अग्रवाल, सजन कुमार बगड़िया, ओमप्रकाश झुनझुनवाला, राजेश कुमार जिन्दल, मनोज कुमार सिंघानिया, मदन लाल गुप्ता, अमित बजाज, ऋषि गोयनका, राजीव कुमार जैन, सुनील कुमार खैतान, कृष्ण कुमार तोदी, प्रदीप सरावगी एवं राजीव बाजोरिया सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित थे।

कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती स्वीटी लोहिया ने किया।

त्रैमासिक रिपोर्ट
प्रादेशिक शाखा : उत्कल

प्रादेशिक शाखा का चुनाव/पदभार : दिनांक : ०७.०३.२०२४

प्रादेशिक शाखाध्यक्ष का विवरण

नाम : श्री दिनेश कुमार अग्रवाल, पता : संबलपुर

मो : 9437263604, ईमेल : dineshagrawalsbp@rediffmail.com

प्रादेशिक शाखा महामंत्री का विवरण

नाम : डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल, पता : एट/पो. रुपरा रोड़

मो : 9437092163, 7381611911, ईमेल : subashadv@gmail.com

प्रादेशिक कोषाध्यक्ष का विवरण

नाम : श्री सज्जन भूत, पता : संबलपुर, मो : 9437097341

प्रादेशिक कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न

स्थान : संबलपुर	दिनांक: 28.04.2024
स्थान : अंगुल	दिनांक: 23.06.2024
स्थान : जयपटना	दिनांक: 01.09.2024

शाखाओं की जानकारी

कुल शाखाऐं – 77

त्रैमास के दौरान प्रांतीय/जिला/नगर/ग्राम शाखाओं की गतिविधियों का विवरण

Celebration of Agasen Jayanti, concept of own guest, Diwali millan, Zone meeting Kantabanji Zone, Bhawanipatna Zone, Branches visit of Kantabanji zone, ELection of Cuttack branch, Samuhik Ekadasi Udyapan by Dharamgarh, Kantabanji and Sambalpur branch, Samajik panchayat resolved 8 issues, Nisulk Nidan Sibir Angul branch, New branch Kalampur.

नए सदस्य

(१) संरक्षक (२) आजीवन ४५० (३) विशिष्ट ३

संपादित कार्यक्रम का ब्यौरा

(1) श्री अग्रसेन जयंती 2) दीपावली मिलन 3) चक्षु परिक्षण, अताबीरा 4) निःशुल्क निदान शिविर, अंगुल।

प्रांतीय/राष्ट्रीय पदाधिकारियों का दौरा

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका जी के द्वारा संबलपुर, बरगढ़, बलांगीर एवं सोहेला के दौरे।

सिंगापुर यात्रा

उत्कल सम्मेलन का ४७ सदस्यों का दल ७ दिवसीय यात्रा में सिंगापुर के लिए प्रांतीय महासचिव श्री सुभाष अग्रवाल, प्रांतीय सामाजिक पंचायत अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर अग्रवाल की अध्यक्षता में भुवनेश्वर स्थित बीजू पटनायक विमानपतन केंद्र से रवाना हुआ।

प्रांतीय समाचार : उत्तर प्रदेश

संस्कारशाला के बच्चों को स्वेटर वितरण

मारवाड़ी सम्मेलन कानपुर शाखा द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज दामोदर नगर कानपुर के प्रांगण में संस्कारशाला के स्लम एरिया के लगभग १०० बच्चों को स्वेटर वितरण किया गया जिसे पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। समय-समय पर संस्कारशाला के बच्चों को विद्या से संबंधित सामग्री भी वितरित की जाती है बैग, स्वेटर, कंबल, भोजन, टिफिन, पेंसिल बॉक्स, कॉपी, किताबें, सभी उनको दिए जाते हैं जिससे वह अपनी शिक्षा सुचारू रूप से चालू रख सके। अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल ने यह जानकारी दी की बच्चों का भविष्य अगर उज्ज्वल हो तो हमें यह सेवा जरूर करनी चाहिए। महामंत्री प्रदीप केडिया ने जानकारी दी कि पिछले समय भी इन लोगों को इसी प्रकार से स्वेटर वितरित किए गए थे। जाड़ा प्रारंभ हो चुका है जिसको देखते हुए यह कार्यक्रम रखा गया। कोषाध्यक्ष महेंद्र लडिया ने बताया यशोदा नगर के स्कूल में भी हम लोग स्वेटर वितरण करेंगे। प्रधानाचार्य रत्नेश अवस्थी उपस्थित रहे। विपुल जी का सहयोग सराहनीय रहा उनके साथ रूपल, मां नीलम एवं सुषमा मिश्रा उपस्थिति रही। अपने हाथों से स्वेटर भी वितरित किए। मीडिया प्रभारी विनीता अग्रवाल ने बताया कि संस्कारशाला निशुल्क चलाई जाती है। शिक्षिकाओं ने बच्चों की व्यवस्था को संभालने में सहयोग दिया।

प्रांतीय समाचार : दिल्ली

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने ८-१२-२०२४ को क्रिस्टल बैंक्वेट हॉल, विकास मार्ग, दिल्ली-९२ पर पूर्वी दिल्ली शाखा एवं दिल्ली महिला शाखा के सहयोग से प्रांतीय कार्यकारिणी सभा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जिसमे श्री राजू भाई दवे (मुख्य अतिथि), श्री विष्णु मित्तल, महामंत्री, दिल्ली बीजेपी, श्री रंजीत जालान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री कैलाश पति तोदी, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री लक्ष्मीपत भूतोडिया, प्रांतीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका, अध्यक्ष- राष्ट्रीय समाज सुधार एवं समरसता उपसमिति, प्रांतीय उपाध्यक्षगण - श्री मन्ना लाल बैद, श्री सज्जन शर्मा, महामंत्री श्रीसुन्दर लाल शर्मा, संगठन मंत्री श्री विमल खण्डेलवाल, सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष - श्री राजेश सिंघल, शाखाध्यक्षगण -श्री संजय अग्रवाल, श्रीमती सीमा बंसल, श्री नवरतन मल अग्रवाल, शाखा उपाध्यक्षगण श्रीमती उमा बंसल, श्रीमती सरला बैद, प्रांतीय अध्यक्ष, मायुम, श्री मुकेश बोथरा, शाखा महामंत्रीगण श्रीमती रिंकी कंसल, श्री सुभाष अग्रवाल, श्री सूर्य प्रकाश लाहोटी, श्री मधु सूदन माटोलिया, शाखा कोषाध्यक्षगण श्रीमती रोबिना अग्रवाल, श्रीमती अंजू मित्तल, संयोजक श्री राधे श्याम बंसल, कार्यकारिणी सदस्यगण श्री प्रकाश हीरावत, श्री अभय चिंडालिया, श्री पंछी जैन, श्री अशोक दुगड़ एवं बड़ी संख्या में समाज बंधु एवं महिला शक्ति की उपस्थिति रही।

प्रांतीय कार्यकारिणी सभा

सर्वप्रथम प्रांतीय सभा का आयोजन किया गया। आपसी परिचय के पश्चात प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मी पत भुतोड़िया ने सभी आगंतुक सदस्यों, मेहमानों, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रंजीत जालान एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी का स्वागत किया। प्रां. महामंत्री श्री सुन्दर लाल शर्मा ने प्रांत की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

दिल्ली प्रांत की शाखाओं के चुनाव व डायरेक्टरी पर विचार विमर्श हुआ। दिल्ली प्रांत में शीघ्र ही दो शाखाओं के गठन के बारे में चर्चा की गई। महिला शाखाध्यक्ष श्रीमती सीमा बंसल ने बताया की शीघ्र ही दिल्ली के अन्य क्षेत्रों से महिलाओं को सम्मेलन से जोड़ने का प्रयास किया जायेगा। पूर्वी दिल्ली शाखाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल ने शीघ्र ही पूर्वी दिल्ली शाखा के सदस्योंके विस्तार का भरोसा जताया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रंजीत जालान ने संस्कृति एवं संगठन विस्तार पर जोर दिया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने सम्मेलन के वर्तमान स्वरूप पर चर्चा की, राष्ट्रीय समाज सुधार एवं समरसता उप समिति के चेयरमैन श्री पवन गोयनका ने समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं पर प्रकाश डाला एवं अन्य उपस्थित सदस्यों ने भी अपने अपने विचार रखे, सर्व सम्मति से निर्णय लिए गये कि –

१) बच्चों को बचपन से ही हमारे संस्कार एवं संस्कृति की शिक्षा दी जाये। २) महिलाएँ संस्कार एवं संस्कृति की ध्वजारोहक होती है इसलिए महिलाओं की सहाभागिता अधिक से अधिक बढ़ाई जाये। ३) समाज को अधिक से अधिक भारतीय तीज - त्योंहार मनाने के लिए प्रोत्साहित एवं जागरूक किया जाये। अंत में प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री मन्ना लाल बैद ने सभा में उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

असली पुण्य

कुशी नगर का राजा लोगों के पुण्य खरीदने के लिए प्रसिद्ध था। उसने तराजू लगा रखी थी। पुण्य बेचने वाले अपनी ईमानदारी की कमाई का विवरण लिखकर एक पलड़े में रखते। उस कागज के अनुरूप तराजू स्वयं स्वर्ण मुद्राएँ देने की व्यवस्था कर देती।

जय नगर पर शत्रुओं का आक्रमण हुआ और वहाँ के राजा को स्त्री-बच्चे समेत रात्रि के अंधेरे में भागना पड़ा। पास में कुछ न था। वे मार्ग व्यय तक के लिए कुछ साथ लेकर न चल सके।

दूर पहुँचने पर एक वृक्ष की छाया में बैठकर राजा-रानी विचार करने लगे कि अगले दिनों उदरपूर्ति किस प्रकार होगी? रानी ने सुझाया आपने जीवन भर बहुत दान-पुण्य किया था, उसी में से थोड़े से कुशी नगर नरेश को बेचकर धन प्राप्त कर लिया जाय। राजा सहमत हो गए; पर भूखे पेट कुशीनगर तक पहुँचा कैसे जाय? रानी को एक उपाय सूझा, बोली - "ग्रामीणों के घरों में जाकर आटा पीसेंगी और नित्य के खाने में से जो बचेगा उसे जमा करती जाऊँकी। राजा रोटी बनायेंगे।"

राजा उस दिन रोटी सेंक रहे थे। कई जगह से अपने हाथ जला भी चुके थे। भोजन के पूर्व ही एक भिखारी वहाँ आ पहुँचा उसने जब क्षुधित मुद्रा में रोटी माँगी, तो राजा हतप्रभ रह गए। अगर यह भी दे दिया, तो खाएँगे क्या? खाएँगे नहीं, तो दूसरे राज्य कैसे पहुँचेंगे?

रानी मदद को सामने आई। बोलीं- "हम एक दिन और भूखा रह लेंगे; पहली वरीयता इसकी है।" रानी की सलाह पर राजा ने सारी रोटियाँ उसे दे दीं व पूरा परिवार आगे चल पड़ा भूखे पेट। मार्ग व्यय के लायक आटा हो गया; तो उसे लेकर राजा बनाते-खाते दस दिन में कुशीनगर पहुँचे। राजा को अपना अभिप्राय सुनाया। उत्तर मिला "धर्मकांटे पर चले आइये, जो ईमानदारी का कमाया हो, उसे एक पलड़े में रख दीजिए। कांटा आपको उसी आधार पर स्वर्ण मुद्राएँ दे देगा।"

जयनगर के राजा ने अपने पुराने पुण्य स्मरण किए और उनमें से कई का विवरण कांटे के पलड़े में रखा; पर उससे कुछ भी न मिला। उपस्थित परोहित ने कहा- "आपने परिश्रमपूर्वक जो कमाया और दान किया हो उसी का विवरण लिखें।"

राजा को पिछले दिनों भिखारी को दी हुई रोटियाँ याद आई। उनने उसका ब्यौरा लिखकर तराजू में रखा। दूसरे पलड़े में उसके बदले में सौ स्वर्ण मुद्राएँ गिन दीं।

पुरोहित ने कहा - "उसी दान का पुण्य फल होता है, जो ईमानदारी और परिश्रमपूर्वक कमाया गया हो।" राजा ने रानी की तरह उस दिन की सलाह को, परोपकार वृत्ति को धन्यवाद दिया, जिसके फलस्वरूप उन्हें पुण्य का सही अर्थ ज्ञात हो सका व प्रतिफल मिल सका।

पाप व पुण्य की व्याख्या

चित्रगुप्त अपनी पोथी के पृष्ठों को उलट रहे थे। यमदूतों द्वारा आज दो व्यक्तियों को उनके सम्मुख पेश किया गया था। यमदूतों ने प्रथम व्यक्ति का परिचय कराते हुए कहा- "यह नगर सेठ है। धन की कोई कमी इनके यहाँ नहीं। खूब पैसा कमाया है और समाज हित के लिए धर्मशाला, मंदिर, कुँआ और विद्यालय जैसे अनेक निर्माण कार्यों में उसका व्यय किया है।" अब दूसरे व्यक्ति की बारी थी। उसे यमदूत ने आगे बढ़ाते हुए कहा- "यह व्यक्ति बहुत गरीब है। दो समय का भोजन जुटाना भी इसके लिए मुश्किल है। एक दिन जब ये भोजन कर रहे थे, एक भूखा कुत्ता इनके पास आया। इन्होंने स्वयं भोजन न कर सारी रोटियाँ कुत्ते को दे दी। स्वयं भूखे रहकर दूसरे की क्षुब्धा शांत की। अब आप ही बतलाइए कि इन दोनों के लिए क्या आज्ञा है?" चित्रगुप्त काफी देर तक पोथी के पृष्ठों पर आँखें गड़ाए रहे। उन्होंने बड़ी गंभीरता के साथ कहा - "धनी व्यक्ति को नरक में और निर्धन व्यक्ति को स्वर्ग में भेजा जाय।"

चित्रगुप्त के इस निर्णय को सुनकर यमराज और दोनों आगंतुक भी आश्चर्य में पड़ गए। चित्रगुप्त ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा-धनी व्यक्ति ने निर्धनों और असहायों का बुरी तरह शोषण किया है। उनकी विवशताओं का दुरुपयोग किया है और उस पैसे से ऐश और आराम का जीवन व्यतीत किया। यदि बचे हुए धन का एक अंश लोकेशणा की पूर्ति हेतु व्यय कर भी दिया, तो उसमें लोकहित का कौन सा कार्य हुआ? निर्माण कार्यों के पीछे यह भावना कार्य कर रही थी कि लोग मेरी प्रशंसा करें, मेरा यश गाएँ। गरीब ने पसीना बहाकर जो कमाई की, उस रोटी को भी समय आने पर भूखे कुत्ते के लिए छोड़ दिया। यह साधन-संपन्न होता, तो न जाने अभावग्रस्त लोगों की कितनी सहायता करता? पाप और पुण्य का संबंध मानवीय भावनाओं से है, क्रियाओं से नहीं। अतः मेरे द्वारा पूर्व में दिया गया निर्णय ही अंतिम है। सबके मन का समाधान हो चुका था।

अंधविश्वास का पर्दाफाश

सिक्ख संप्रदाय के दसवें गुरु - **गुरु गोविंदसिंह** एक महान् योद्धा होने के साथ बड़े बुद्धिमान् व्यक्ति थे। धर्म के प्रति उनकी निष्ठा बड़ी गहरी थी। वह धर्म के लिए ही जिए और धर्म के लिए ही मरे। धर्म के प्रति अडिग आस्थावान् होते हुए भी वे अंध-विश्वासी जरा भी न थे और न अंधविश्वासियों को पसंद करते थे।

गुरु गोविंदसिंह सिक्खों का संगठन और शक्ति बढ़ाने की चिंता में रहते थे। उनकी इस चिंता से एक पंडित ने लाभ उठाने की सोची। वह गुरु गोविंदसिंह के पास आया और बोला- यदि आप सिक्खों की शक्ति बढ़ाना चाहते हैं, तो दुर्गा देवी का यज्ञ कराइए। यज्ञ की अग्नि से देवी प्रकट होगी और वह सिक्खों को शक्ति का वरदान दे देगी। गुरु गोविंदसिंह यज्ञ करने को तैयार हो गये। उस पंडित ने यज्ञ कराना शुरू किया।

कई दिन तक यज्ञ होते रहने पर भी जब देवी प्रकट नहीं हुई तो उन्होंने पंडित से कहा- 'महाराज!' देवी अभी तक प्रकट नहीं हुई।" धूर्त पंडित ने कहा- 'देवी अभी प्रसन्न नहीं हुई है। वह प्रसन्नता के लिए बलिदान चाहती है। यदि आप किसी पुरुष का बलिदान दे सकें तो वह प्रसन्न होकर दर्शन दे देगी और बलिदानी व्यक्ति को स्वर्ग की प्राप्ति होगी।

देवी की प्रसन्नता के लिए नर बलि की बात सुनकर गुरु गोविंदसिंह उस पंडित की धूर्तता समझ गए। उन्होंने उस पंडित को पकड़कर कहा- "बलि के लिए आपसे अच्छा आदमी कहाँ मिलेगा। आपका बलिदान पाकर देवी तो प्रसन्न हो ही जायेगी, आपको भी स्वर्ग मिल जायेगा। इस प्रकार हम दोनों का काम बन जाएगा। गुरु गोविंदसिंह का व्यवहार देखकर पंडित घबरा गया। गुरु गोविंदसिंह ने बलिदान दूसरे दिन के लिए स्थगित करके पंडित को एक रावटी में रख दिया।

पंडित घबड़ाकर गुरु गोविंदसिंह के पैरों पर गिर पड़ा और गिड़गिड़ाने लगा- "मुझे नहीं मालूम था कि बलिदान की बात मेरे सिर पर ही आ पड़ेगी, गुरु जी, मुझे छोड़ दीजिए। मैं आपसे क्षमा माँगता हूँ.।" गुरु गोविंदसिंह ने कहा- अब क्यों घबराते हो? बलिदान से तो स्वर्ग मिलेगा, क्यों पंडित जी, बलिदान की बातें तभी तक अच्छी लगती है न, जब तक वह दूसरों के लिए होती है? अपने सिर आते ही असलियत खुल गई न।"

पंडित बोला- "इस बार क्षमा कर दीजिए महाराज। अब कभी ऐसी बातें नहीं करुँगा।" गुरु गोविंदसिंह ने उसे छोड़ दिया और समझाया "इस प्रकार का अंध-विश्वास

समाज में फैलाना ठीक नहीं। देवी अपने नाम पर किसी के प्राण लेकर प्रसन्न नहीं होती। वह प्रसन्न होती है अपने नाम पर किए गए अच्छे कामों से।" बाद में गुरु गोविंदसिंह ने उसे रास्ते का खर्च देकर भगा दिया।

गोविंदसिह ने सिक्खों को समझाया। किसी देवी-देवता के नाम पर जीव हत्या करने से न तो पुण्य मिलता है और न शक्ति। धर्म के नाम पर किसी जीव का प्राण लेना घोर पाप है। शक्ति बढ़ती है- आपस में प्रेम रखने से, धर्म का पालन करने से। शक्ति बढ़ती है- ईश्वर की उपासना करने से और उसके लिए त्याग करने से। शक्ति बढ़ती है- अन्याय और अत्याचार का विरोध और निर्बल तथा असहायों की सहायता करने से। सभी लोग एक मति और एक गति होकर संगठित हो जाएँ और धर्म रक्षा में रणभूमि में अपने प्राणों की बलि दें। देवी इसी सार्थक बलिदान से प्रसन्न होगी और आज के इसी मार्ग से मुक्ति मिलेगी। अंध-विश्वास के आधार पर अपनी जान देने अथवा किसी दूसरे की जान लेने से न तो देवी-देवता प्रसन्न होते हैं और न सद्गति मिलती है।

गुरु गोविंदसिंह के इन सारे वचनों को सभी सिक्खों ने हृदयगम किया। उस पर आचरण किया और अपने जीवन का कण-कण देश धर्म की रक्षा में लगाकार ऐतिहासिक यश प्राप्त किया।

यः सपत्नो योऽसपत्नो यश्च द्विषच्छपाति नः।
देवास्तं सर्वे धूर्वन्तु ब्रह्म वर्म ममान्तरम्।। -अथर्व, १/१९/४

जो हमारे हितों को नष्ट करना चाहता हो हम उसे नष्ट कर दें। दुष्ट पुरुषों से सदैव आत्म-रक्षा करनी चाहिए। बुरे लोगों की ठीक पहचान न कर पाने से ही प्रायः लोगों का अहित होता इसलिये भले-बुरे का विवेक सदैव बनाये रहें।

विजेता भारवि को नम्रता की शिक्षा

विजेता का सम्मान प्रदर्शित करने के लिये, राजा ने उन्हें हाथी पर बिठाया और स्वयं चँवर डुलाते हुए उनके घर तक ले गए। भारवि जब इस सम्मान के साथ घर पहुँचे, तो उनके माता-पिता की खूशी का ठिकाना न रहा। घर लौटकर सर्वप्रथम उन्होंने अपनी माता को प्रणाम किया। पिता की ओर उपेक्षा भरा अभिवादन भर कर दिया। माता को यह अखरा। झिड़क कर साष्टांग दंडवत् के लिए संकेत किया, सो उन्होंने उसका भी निर्वाह कर दिया। पिता ने सूखे मुँह से 'चिरंजीव भव' कह दिया। बात समाप्त हो गई, पर माता और पिता दोनों ही खिन्न थे। उन्हें वैसी प्रसन्नता न थी, जैसी कि होनी चाहिए थी। गुरुकुल से लौटे हुए छात्र जिस शिष्टाचार से गुरु का अभिवादन करते थे और गुरु जिस प्रकार छाती से लगाकर शिष्य के प्रति आत्मीयता भरा आशीर्वाद प्रदान करते थे, उसका सर्वथा अभाव था। राजा द्वारा हाथी पर बिठाकर चँवर डुलाते हुए घर तक लाने का अहंकार जो था भारवि को। इसमें उसने शिष्टाचार को, विनम्रता को भुला दिया था। मात्र चिह्न पूजा भर की।

पिता की मुख मुद्रा पर खिन्नता देखकर भारवि माता के पास कारण पूछने गए। माता ने बताया। विजयी होने पर लौटने के पीछे, तुम्हारे पिता की कितनी साधना थी, यह तो तुम भूल ही गए। शास्त्रार्थ के दसों दिन उन्होंने जल लेकर सफलता के लिए उपवास किया और इससे पूर्व पढ़ाने में कितना श्रम किया। इसका तो तुम्हें स्मरण ही नहीं रहा। विजय की अहंता तुम्हारे चेहरे पर झलकती है और अभिवादन में चिह्न पूजा भर का शिष्ट ाचार था। भारवि को अपनी भूल प्रतीत हुई। विद्वता का अहंकार गल गया और एक शिष्य एवं पुत्र का जो विनय होना चाहिए, वह उदय हुआ।

माता की आँखों में आँसू आ गए। उन्होंने कहा - "वत्स! तुम्हारी विजय के पीछे पिता की साधना है। उसे विस्मरण मत करो। विद्वता की विजय के पीछे शिष्य की विनयशीलता का विस्मरण नहीं होना चाहिए।

पुरुषार्थ

एक श्रमिक पत्थर काटते-काटते थक गया तो सोचने लगा कि किसी बड़े मालिक का पल्ला पकड़े ताकि अधिक लाभ मिले और कम मेहनत पड़े।

सोचते-सोचते वह पहाड़ पर चढ़ गया और शिखर अवस्थित देवों की प्रतिमा से याचना करने लगा। उसने भी बात सुनी नहीं तो सोचा बड़े देवता की आराधना करे। बड़ों में बड़प्पन अधिक होता है।

बड़ा कौन? यों उसे सूर्य सूझा। सूर्य की आराधना करने लगा। एक दिन बादल आये और सूर्य को अपने आँचल में छिपा लिया। श्रमिक सोचने लगा-सूर्य से बादल बड़ा है। यों उसने अपना इष्ट देव बदला और बादलों की अभ्यर्थना करने लगा।

फिर सोचा बादल तो पहाड़ से टकराते और सिर फोड़कर वहाँ समाप्त हो जाते है। इसलिए पहाड़ का भजन क्यों न करें।

इसके बाद वह सबको छोड़कर अपने आप को सुधारने लगा और कुछ दिन बाद पुरुषार्थ के सहारे उस क्षेत्र के बड़ों में गिना जाने लगा।

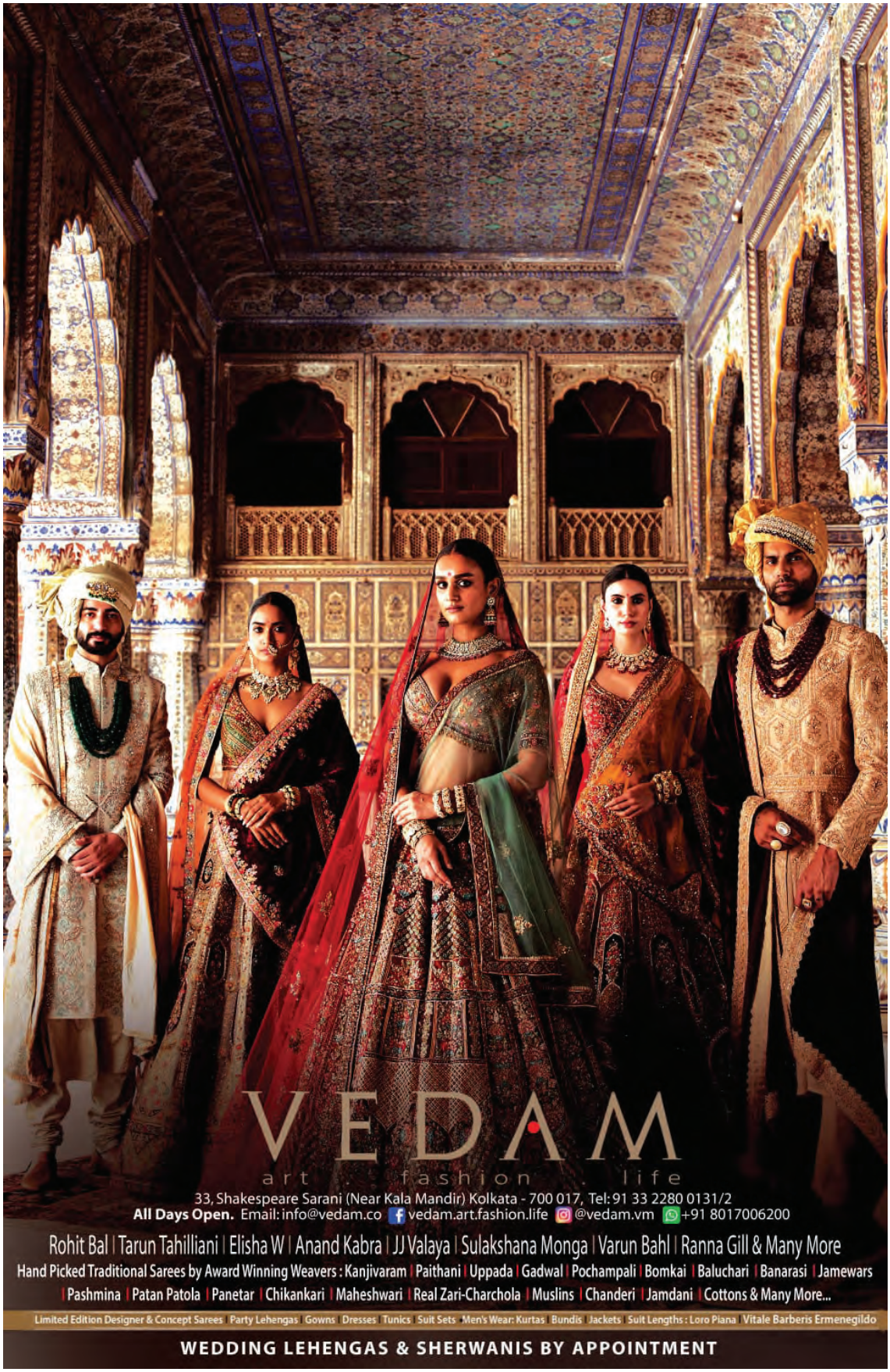
VEDAM
art . fashion . life
33, Shakespeare Sarani (Near Kala Mandir) Kolkata - 700 017, Tel: 91 33 2280 0131/2
All Days Open. Email: info@vedam.co vedam.art.fashion.life @vedam.vm +91 8017006200
Rohit Bal | Tarun Tahilliani | Elisha W | Anand Kabra | JJ Valaya | Sulakshana Monga | Varun Bahl | Ranna Gill & Many More
Hand Picked Traditional Sarees by Award Winning Weavers : Kanjivaram | Paithani | Uppada | Gadwal | Pochampali | Bomkai | Baluchari | Banarasi | Jamewars
| Pashmina | Patan Patola | Panetar | Chikankari | Maheshwari | Real Zari-Charchola | Muslins | Chanderi | Jamdani | Cottons & Many More...
Limited Edition Designer & Concept Sarees | Party Lehengas | Gowns | Dresses | Tunics | Suit Sets | Men's Wear: Kurtas | Bundis | Jackets | Suit Lengths : Loro Piana | Vitale Barberis Ermenegildo
WEDDING LEHENGAS & SHERWANIS BY APPOINTMENT

NS-EN ISO 9001:2008/ISO 9001:2008

M/S HINDUSTAN PRODUCE COMPANY

• IMPORTERS • INDENTORS • STOCKISTS FOR ALL KINDS OF:

FERRO ALLOYS	Ferro Silicon, Ferro Manganese (H/C, L/C, M/C), Silico Manganese (H/C, L/C), Ferro Chrome. (H/C, L/C), Ferro Molybdenum, Ferro Vanadium, Ferro Silicon Calcium, Ferro Phosphorous, Ferro Boron, Ferro Silicon Magnesium, Ferro Silicon Zirconium, Ferro Niobium , Manganese Metal, Silicon Metal , etc.
REFRACTORIES	All Kinds of Basic Lining Refractories and Monolithics , Fire Bricks of all sizes and Quality, Calcined Bauxite, DBM, Brown Fused Alumina, White Fused Alumina, Silicon Carbide and Other Refractory Raw Materials, etc.
FOUNDRY RAW MATERIALS & MINERALS	Lime Stone (Low Silica), Dolomite , Bentonite, Iron Ore, Flourspar , Coal & Coke, Pig iron, Graphite Powder, Graphite Flakes , Graphite Electrode, etc

OFFICE :- 98, CHRISTOPHER ROAD, BUILDING NO. B-2, 3RD FLOOR, FLAT NO. 4, KOLKATA – 700 046.
TELEPHONE NO. :- +91-33-2329-0828
MOBILE NO. :- +91-94330-46939 / 98369-86000
E-MAIL ADDRESS :- hindproco@gmail.com
WEB SITE :- www.hindustanproduceco.com

Use Green Products & Increase Green Building Rating Points

HINDCON CHEMICALS LTD.

STRENGTH UPON STRENGTH

Manufacturers of:

CONSTRUCTION CHEMICALS
SPECIALITY CHEMICALS
SODIUM SILICATE

PROTECTIVE & WATERPROOFING COATINGS, SHEETINGS EXPANSION & CONTRACTION JOINT SYSTEM | CONCRETE & MORTAR ADMIXTURES | REMOVER/CLEANING COMPOUNDS WATER PROOFING COMPOUNDS | GROUTS & REPAIRING MORTARS CEMENT ADDITIVES | EPOXY GROUTS & MORTARS | REHABILITATION COATING IMPREGNATION | CONCRETING AIDS | SHOT CRETE AIDS FLOOR TOPPINGS | TILE ADHESIVE | FOUNDRY AID | SEALANTS | WATERPROOFING | JOB WORK

- **Kolkata :** Nest Constructors +91 9831075782
- **Midnapore :** New S.A. Sanitary +91 8016933523
- **Mursidabad :** Bharat Congee +91 7047628386
- **Siliguri :** Subhojit Ghosh +91 9836367567
  Bhawani Enterprise +91 7584983222
- **South 24 Pgs :** M.M. Enterprise +91 9051449377
- **Nadia :** NPR Enterprise +91 9775174923
- **Purulia :** N.C. Kundu Son & Grand Sons +91 9775154544
- **Bankura :** Amit Enterprise +91 8972945781
- **Arambagh :** Maa Manasa Trading +91 9647673010
- **Hooghly :** Sen Enterprise +91 7908528482
- **Birbhum :** K.D. Enterprise +91 9434132114
- **Alipurduar :** Bimal Chandra Paul +91 8100875439
- **Bhubaneswar :** Santosh Nayak +91 8895677677
- **Bihar & Patna :** Md Sarwar Imam Siddique +91 8100969670
- **Chennai :** Chandra Sekar S +91 8100969669
- **Delhi :** Debasis De +91 9836174567
- **Gujarat :** Vishwanath +91 9830079567
- **Guwahati :** Monaj Kumar Saha +91 9830267567
- **Himachal Pradesh :** Rajan Sharma +91 9830286567
- **Madhya Pradesh :** Kanha Trading Co. +91 9630732585
- **Mumbai :** S Subhash Chandra Bose +91 8100895256
- **Navi Mumbai :** Subash Bose +91 8100895256
- **Kanpur :** Somesh Sharma +91 9830296567
- **Uttar Pradesh :** Pramod Kr. Shahi +91 8726808888
- **Bhutan :** Sriram Traders - +91 9647748327
- **Nepal :** Ashwin International Pvt. Ltd - 00977 9851035502

IS:2645 | 9001:2015 | IS:9103

+91 33 24490839, 9830599113 | +91 33 24490849 | contactus@hindcon.com | www.hindcon.com

Vasudha' 62 B, Braunfeld Row, Kolkata-700027, West Bengal, India

Manaksia Aluminium Company Limited

➢ LARGEST EXPORTER OF ALUMINIUM SHEETS AND COILS TO THE USA
➢ SECOND LARGEST EXPORTER OF ALUMINIUM SHEETS AND COILS

WE RECYCLE

MANUFACTURERS OF

- Aluminium Coils
- Aluminium Plain Sheets
- Aluminium Roofing Sheets
- Aluminium Pre- Painted/Colour Coated Coils
- Aluminium Flooring Sheets(5 Bar & Diamond Pattern)

Pre-Painted Aluminium Coils

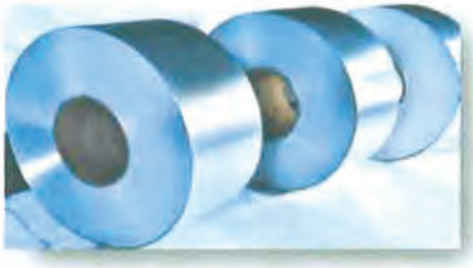

Aluminium Plain Coils

Roofing Sheets

5 Bar Flooring Sheet

Registered Office:
8/1, Lal Bazaar Street, Bikaner Building, Kolkata - 700 001
Phone: 033 – 2243 5053 / 5054 / 6055
E-mail: info@malcoindia.co.in
www.manaksiaaluminium.com

TITAGARH
RAIL SYSTEMS LIMITED
MOVING YOU.
MOVING THE WORLD.
Titagarh Rail Systems Limited moves your world ahead in more than one way. From India's largest private manufacturer of wagons (12,000 units annual capacity) to producing world-class passenger rolling stocks (high-speed/semi high-speed trains, urban metros and passenger coaches for local trains), we move billions in India and around the world. From wagons to rail systems we are making our contribution to the 'Make in India' movement for a stronger and 'Viksit Bharat'.
Explore more at www.titagarh.in
#MOBILITYFORBILLIONS

सम्मान समारोह

प्रांतीय कार्यकारिणी सभा के पश्चात सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया ने की। श्री भुतोड़िया, महिला शाखाध्यक्ष श्रीमती सीमा बंसल एवं पूर्वी दिल्ली शाखाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल ने आये हुए सभी मेहमानों का स्वागत किया। श्री राजेश सिंघल, अन्य मेहमानों एवं पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत की गयी।

राष्ट्रीय समाज सुधार एवं समरसता समिति के अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका जी ने उपस्थित मेहमानों समक्ष सम्मेलन के बारे में विस्तार से चर्चा की एवं बताया कि समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियां जैसे कि शादी विवाह में प्रेवेडिंग शूटिंग, महिलाओं द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर नाचना, शादी जैसे पवित्र अवसर पर मद्यपान, मृत्यु भोज दिखावे का बढ़ता प्रचलन आदि समाज के लिए बहुत घातक है। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने इन समस्याओं पर चिंता व्यक्त की व समाज को जागृति के लिए प्रयास करने पर जोर दिया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रंजीत जालान जी ने अपने संस्कारों व मायड़ भाषा के अत्यधिक उपयोग पर जोर डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृति जिंदा है तो ही हमारा वजूद हैं।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने सम्मेलन के विस्तार, वेबसाइट, विभिन्न सेवाओं एवं व्यापार प्रकोष्ठ के बारे में बताया एवं शाखा में सदस्य संख्या बिस्तार पर जोर दिया।

महिला शाखा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया। महिला शाखाध्यक्ष श्रीमती सीमा बंसल एवं पूर्वी दिल्ली शाखाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल ने भी सभा को सम्बोधित किया। मुख्य अतिथि श्री राजू भाई दवे ने कहा की मारवाड़ी समाज एक ब्रांड है जिसकी राष्ट्र एवं आर्थिक उन्नति में अहम् भूमिका है। भाजपा के दिल्ली प्रांत के महामंत्री श्री विष्णु मित्तल ने कहा कि उन्हें मारवाड़ी होने एवं सम्मेलन का संरक्षक सदस्य होने पर गर्व है। हमेशा समाज हित में कार्य करते रहेंगे एवं कभी भी समाज के लिए उनकी जरुरत होने पर हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। अन्य मेहमानों के सम्बोधन पश्चात अतिथियों एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा दिल्ली महिला शाखा, गंगौर शाखा एवं ग्रेटर फरीदाबाद शाखा के सदस्यों को सदस्यता प्रमाणपत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक श्री राधेश्याम बंसल एवं सह-संयोजक श्री सज्जन शर्मा एवं श्रीमती डॉ. रिंकी कंसल की अहम् एवं महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में कार्यक्रम संयोजक श्री राधेश्याम बंसल ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रांतीय पदाधिकारियों एवं मेहमानों का धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रांतीय महामंत्री श्री सुन्दर लाल शर्मा ने कार्यकद्रम का सुन्दर संचालन किया। तत्पश्चात सभी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं राजस्थानी भोजन का आनंद लिया।

प्रांतीय समाचार : आंध्र प्रदेश

एक दिन की शादी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत

राजस्थान के आबुरोड़ शहर के संपन्न और प्रतिष्ठित अग्रवाल परिवार ने हाल ही में एक ऐसा कार्य किया है, जो पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन गया है। श्री अचलेश्वर प्रसाद गोयल के सुपुत्र श्री सुकेश कुमार गोयल और भीनमाल के प्रतिष्ठित अग्रवाल परिवार के मदनलाल ऐरन के सुपुत्र श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया, जो आने वाले समय में विवाह समारोहों के प्रति सोच बदल सकता है।

सादगी और संस्कृति का अद्‌भुत मेल

इस अनोखी शादी में श्री सुकेश कुमार गोयल की बेटी डॉ. निहारिका (MDS) का विवाह श्री संजीव कुमार अग्रवाल के बेटे डॉ. अभय (MD) के साथ हुआ। दोनों ही पेशे से डॉक्टर हैं। वर और वधु परिवार ने मिलकर यह निर्णय लिया कि विवाह को अनावश्यक दिखावे और फिजूलखर्ची से मुक्त रखते हुए पूरी सादगी के साथ संपन्न किया जाए।

विवाह हिंदू रीति-रिवाजों और वैदिक परंपराओं के अनुसार, हवन को साक्षी मानकर सम्पन्न हुआ। इसमें शादी के सभी आवश्यक नियमों का पालन किया गया, समारोह को सादगी और सहजात का प्रतीक बनाते हुए केवल एक दिन में सम्पन्न कर दिया गया।

समाज के लिए प्रेरणादायक संदेश

"लोग क्या कहेंगे" जैसी परंपरागत सोच को पीछे छोड़ते हुए, दोनों परिवारों ने यह दिखा दिया कि विवाह जैसे शुभ अवसर को दिखावे और फिजूलखर्ची से बचाकर भी पवित्र और सफल बनाया जा सकता है। उनका यह कदम न केवल समाज में व्याप्त अनावश्यक खर्च की प्रथा को चुनौती देता है, बल्कि एक नई सोच को भी जन्म देता है।

समाज विकास के लिए अनूठी पहल

इस शादी ने यह संदेश दिया है कि शादी में फिजूलखर्च करने की बजाय, इन संसाधनों को समाज के विकास और जरुरतमंदों की मदद में लगाया जा सकता है। यह एक ऐसा उदाहरण है, जिसे अपनाकर हम न केवल अपनी परंपराओं को बचा सकते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव भी ला सकते हैं।

आह्वानः दिखावे से दूर, विकास की ओर

आंध्रप्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल और महासचिव श्री बालकिशन लोया ने समाज के सभी वर्गों से अपील की है कि वे इस उदाहरण से प्रेरणा लें। शादी के दौरान होने वाले फिजूलखर्ची और दिखावे से बचें और बचाए गए धन को समाज के विकास कार्यों में लगाएं।

इस सादगी भरे विवाह ने यह साबित कर दिया कि परंपराओं का पालन करते हुए भी एक समारोह को न केवल भव्य, बल्कि प्रेरणादायक बनाया जा सकता है। यह कदम न केवल राजस्थान, बल्कि पूरे देश के लिए एक नई दिशा प्रदान करता है।

– पर्वत शर्मा (विजयवाड़ा)

अभिनंदन - डॉ. सांवरमल सांगानेरिया

कृशाग्र बुद्धि, विलक्षण प्रतिभा के धनी एवं मारवाड़ी समाज का सुयश बढ़ाने वाले डॉ. सांगानेरिया युवा अवस्था से ही अपनी लेखन प्रतिभा से अपना परिचय स्थापित करते हुए साहित्यिक अवदान से समाज को सुप्रकाशित करना आरम्भ किया। कलमकार होने के नाते आपने अपनी लेखनी से अपने अनुभवों को कलमबंद करते हुए पुस्तक के रूप में सुधी पाठकों तक पहुंचाने तथा पूर्वोत्तर को विश्व पटल पर एक अव्वल स्थान मिले, इस सुंदर उद्देश्य ने आपकी साहित्यिक प्रतिभा को और जागृत किया। जिसके परिणामस्वरूप सन् १९९९ में पहली पुस्तक **'थोड़ी यात्रा थोड़े कागज'** प्रकाशित हुई तथा विविधता के साथ विलक्षणता के समावेश ने प्रथम साहित्यक सम्मान के रूप में अखिल भारतीय अम्बिका प्रसाद दिव्य साहित्यिक पुरस्कार से आपकी झोली भर दी। इस सम्मान ने सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत करते हुए आपकी सोच को नयी करवट देते हुए सामाजिक सरोकार तथा साहित्यिक अवदान के प्रति दृढ़ मानस बना कर अनवरत लिखते रहने के कार्य को बढ़ावा दिया, जिसके परिणाम स्वरूप 'ज्योति की आलोक यात्रा', **'ब्रह्मपुत्र के किनारे किनारे'**, **'अरुणोदय की धरती पर'**, **'लोहित का मानस पुत्र : शंकरदेव'** तथा **'फैनी के इस पार'**, रूपी बेशकीमती पुस्तकों ने अपने पाठको के दिल में अमिट स्थान बनाया। भविष्य की साहित्यिक निधी के रूप में कई विषयों पर शोध व लेखन कार्य जारी है।

२१ जोड़ों के वैदिक विवाह का आयोजन

डिब्रूगढ़ शहर के एक समाजसेवी ने अपनी बेटी की शादी के उपलक्ष्य में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ २१ जोड़ों की शादी कराई। डिब्रूगढ़ के श्री अग्रसेन मिलन मंदिर में आयोजित सामूहिक विवाह का आयोजन डिब्रूगढ़ के समाजसेवी सुधीर केजरीवाल और उनके परिवार ने सुधीर केजरीवाल की बेटी की शादी के उपलक्ष्य में किया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डिब्रूगढ़ के मेयर डॉ. सैकत पात्रा ने भगवान गणेश की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सुधीर केजरीवाल ने कहा कि एक साल पहले जब उनकी बेटी की शादी तय हुई थी, तभी उनके मन में इस तरह के आयोजन का विचार आया था। केजरीवाल ने कहा, कुछ लोग शादियों में खूब खर्च करते हैं, कई लोग आर्थिक तंगी के कारण उचित विवाह नहीं कर पाते।

सामूहिक विवाह की संयोजक रचना जैन ने कहा कि किसी पिता ने अपनी बेटी की शादी के उपलक्ष्य में २१ जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया है।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

साहित्य व संस्कृतिप्रेमी सांवरमल सांगानेरिया

मारवाड़ी भाषी व्यक्ति सांवरमल सांगानेरिया किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने हिंदी भाषा में असम के महान वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव और असम के सांस्कृतिक पुरोधा रूपकुंवर ज्योति प्रसाद अगरवाला पर पुस्तकें लिख कर दोनों ही महान हस्तियों को विश्व मंच तक पहुंचाया है। हाल में नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) द्वारा प्रकाशित इन दोनों पुस्तकों **'लोहित के मानस पुत्र शंकरदेव'** और **'ज्योति की आलोक यात्रा'** का नए कलेवर में दुबारा से विमोचन हुआ। एक मारवाड़ी भाषी व्यक्ति द्वारा इस तरह से असम के दो महान लोगों को विश्व दरबार में ले जाने से न सिर्फ समूचे भारत के लोगों को असम के बारे में ज्ञात हुआ, बल्कि असम में स्थानीय असमिया लोगों के मन में बसी हुई भ्रांति भी टूटी है कि यहां रहने वाले मारवाड़ी समुदाय के लोग सिर्फ व्यवसाय ही करते हैं और असमिया भाषा और संस्कृति से विमुख रखते हैं। गुवाहाटी के फैंसी बाजार में जन्मे सांवरमल सांगानेरिया ने असम के अलावा पूर्वोत्तर पर कई यात्रा वृत्तांत भी प्रकाशित किए हैं, जिन्हें बहुत सराहा गया। असमिया भाषा-संस्कृति की नींव रखने वाले रूपकुंवर ज्योति प्रसाद अगरवाला, एक युग पुरुष के रूप में परिणित हो कर आज असमिया जनमानस में एक पूजनीय व्यक्ति हैं। असम के उन श्रेष्ठ असमिया में उनका शुमार होता है, जिन्होंने असमिया भाषा, संगीत और संस्कृति के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया है।

एक व्यावसायिक पृष्ठभूमि से आने वाले सांवरमल सांगानेरिया अपने भ्रमण के अनुभवों को इस तरह से अपनी लेखनी के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे, इसका आभास उनको खुद को भी नहीं था। उनकी हार्दिक इच्छा यही रही है कि पूर्वोत्तर, जो एक समृद्ध संस्कृति को अपने अंदर समेटे हुए है, उसके बारे में पूरे भारतवर्ष को बताया जाए, जिससे पूर्वोत्तर के बारे में उत्पन्न भ्रांतियों को दूर किया जा सके। एक मारवाड़ी होने के नाते उनको भी ऐसा महसूस होता है कि सभी को अधिक जागरूक हो कर पूर्वोत्तर की भाषा-संस्कृति को अधिक जानने का प्रयास करना चाहिए, जिससे लोग एक दूसरे की भाषा-संस्कृति, रीति-रिवाजों को जान सकेंगे और आपसी समन्वय भी बढ़ेगा। एक मारवाड़ी हो कर अपना पूरा समय साहित्य साधना में व्यतीत करने का कार्य सांवरमल सांगानेरिया जैसा व्यक्तित्व ही कर सकता है।

खुशी की बात यह है श्रीमंत शंकरदेव पर एनबीटी द्वारा प्रकाशित पुस्तक **'लोहित के मानस पुत्र शंकरदेव'** के प्रकाशन के करीब एक वर्ष में २८१६ प्रतियां बिक चुकी हैं। इस बड़ी उपलब्धि के लिए असम का समूचा मारवाड़ी समाज अपने आपको इस माटी का होनहार संतान होने पर गर्व महसूस कर रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

उपलब्धियाँ

ममता बिनानी उद्देश्य की दृष्टि से एक कानूनी पेशवर हैं। ये वर्ष २०१६ में इंस्टीट चूट ऑफ कंपनी सेक्रेट रीज ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी हैं और अब एमएसएमई विकास मंच, पश्चिम बंगाल की अध्यक्ष हैं और भारत की पहली पंजीकृत दिवालिया विशेषज्ञ हैं। बिनानी ने भारत में दिवाला प्रक्रिया पर पहला प्रस्ताव लेकर आई थी। ये विलय और अधिग्रहण में माहिर हैं और इन्होंने बड़े मामलों में काम किया है जिनमें जटिल कानूनी मुद्दे शामिल थे। महिला सशक्तिकरण के लिए आप लगातार काम कर रही हैं और परस्पर निर्भरता में विश्वास करती हैं।

ममता जी बिनानी को हाल ही में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। हार्दिक बधाई!

मित्रुका हूँ, द केक थ्योरी सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल, भारत की एक उद्यमी। एक बेकर, एक केक डेकोरेटर और एक प्रशिक्षक हैं।

जुलाई २०२० में केकोलॉजी ऑनलाइन शो में सजावटी प्रदर्शन/संरचित केक और खाद्य हस्तनिर्मित फूलों के लिए उन्हें प्रमाणित किया गया था। इंडियन केक अवार्ड्स २०२३ में ईस्ट इंडिया के उभरते सितारे की फाइनलिस्ट थी। मार्च, २०२४ में, अंतर्राष्ट्रीय केक प्रतियोगिता 'IICM ARTISTIC EXCELLENCE' में १ फीट ऊंची हॉर्स चॉकलेट संरचना बनाने के लिए योग्यता श्रेणी में सम्मानित किया गया था।

इसके बाद दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक एशिया केक ऑस्कर अवार्ड में **केक आर्टिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड २०२४-इंटरमीडिएट** श्रेणी जीतने के लिए कोलंबो, श्रीलंका में आमंत्रित किया गया। तुर्की और मालदीव के माननीय राजदूतों द्वारा सम्मानित किया गया।

श्री सुरेश एम. जैन, हैदराबाद आज अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए। हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ!!

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य पश्चिम बंगाल के कोलकाता निवासी श्री सुनील सरावगी, को सिक्किम के मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने कैबिनेट मंत्री के पद के साथ अपने 'विशेष कर्तव्य अधिकारी' (ओएसडी) के रूप में नियुक्त किया। सम्मेलन की तरफ से हार्दिक बधाई!

बीदासर निवासी, धुबड़ी प्रवासी वरिष्ठ श्रावक श्री बिमल ओसवाल को असम सरकार ने असम राज्य लोकसेवा आयोग में आयुक्त (कमिश्नर) नियुक्त किया गया है। हार्दिक बधाई।

माननीय मुख्यमंत्री डॉ. श्री हिमन्त विश्व शर्मा ने कला क्षेत्र में असम राज्य लोकसेवा आयोग के प्रारंभ करने की घोषणा की तथा एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुआ।

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा २०२४ के घोषित परिणामों के अनुसार बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सुपौल शाखा के आजीवन सदस्य श्री पंकज अग्रवाल के सुपुत्र राहुल अग्रवाल ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में पूरे देश में ११२वाँ स्थान प्राप्त कर समाज और राज्य का मान-सम्मान बढ़ाया है। हार्दिक बधाई!

UPMS के कार्यशाला प्रभारी श्री विकाश सुल्तानिया झारसुगुड़ा जिला लघु उद्योग संघ के अध्यक्ष सत्र २०२५-२०२७ के लिया चुने गए।

Saraogi

SARAOGI UDYOG
PRIVATE LIMITED

Merchants & Importer for Coal and Coke

Corp. Office:

Room No.: 910, 9th Floor, Merlin Infinite
DN-51, Salt Lake City, Sector-V, Kolkata - 700 091

☎ +91-33-2213-8779/80/81
✉ info@saraogiudyog.com
🌐 www.saraogiudyog.com

E-WENT

DELIGHTFUL SERVICE
IMPECCABLE QUALITY
PRIDE IN EVERY RIDE
EYE-CATCHING DESIGNS

+91 83369 01048 ewentevehicles electric.went www.e-went.com

आलेख

सादगी आचार संहिता

– डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

भगवान विष्णु, धन-सम्पत्ति की मालकिन माँ लक्ष्मी को बनाये। उन्होंने अपने को योग्य नहीं समझा, माँ लक्ष्मी को योग्य समझा। प्रभु नारायण जानते है कि नारी परिवार को किस अनुशासन से और सब के मन के अनकूल चला सकती है। धन को बरबाद नहीं करने देती है। भक्त प्रह्लाद, उनके पुत्र और प्रौत्रादि राज्य का धन अपने व्यक्तिगत काम में नहीं खर्च करते थे। माँ लक्ष्मी सदा खुश रहती थीं। मुगल बादशाह औरंगजेब कट्टर थे, पर राज्य का धन अपने व्यक्तिगत कार्य में खर्च नहीं करते थे। संसार में हमारे पास धन-सम्पदा माँ लक्ष्मी का प्रसाद है। हम धन का सुदपयोग करते हैं तो माँ लक्ष्मी और भगवान नारायण खुश होते हैं। भगवान नारायण दरिद्रों के नारायण हैं। इसलिए गरीब को दरिद्रनारायण कहा गया है। सनातन धर्म में दरिद्रनारायण की सेवा का महत्व है। भक्त प्रह्लाद के पौत्र एवं विरोचन के पुत्र राजा बली का धन बराबर बना रहता था, माँ लक्ष्मी देती थीं। दान योग्य पात्र को देते थे। फिर उन्हें अहं हो गया अपने दान का, इसलिए भगवान विष्णु ने उसकी सम्पति दान में ले ली।

एक समय मानव और देवता दोनों बहुत दुखी थे। भगवान नारायण से निवेदन व्यक्त कियेः प्रभु, आपने हमको सब कुछ दिया फिर भी हम बहुत दुखी हैं। भगवान ने कहाः 'द', आपलोग 'द' अक्षर को याद रखें। मानव – 'दान', देवता - 'दया'। दान और दया कर्म से आपलोगों का दुख दूर हो जायेगा। तो आयें, हम प्रभु की उपरोक्त वाणी को ध्यान में रखते हुये सादगी आचार संहिता अपने जीवन का मुख्य उद्देश्य बना लें।

अपने आर्थिक शक्ति की मर्यादा में शादी विवाह का बजट बनायें। आपकी आर्थिक स्थिति प्रायः सभी को मालूम होती है। कर्ज लेकर खर्च नहीं करें। अभी संसार के कई देश कर्ज के सागर में डूब रहे हैं। अब सादगी की बात कर रहे हैं। संत कबीरजी कहते हैं कि जितनी चादर लम्बी हो उतना ही पाँव पसारें। पाँव मोड़ कर सोयें, नहीं तो ठंड लग जायेगी। सामर्थ्य वाले की नकल मत करें। दुनिया समाज से नहीं डरें। जितना डरेंगे, उतना समाज डरायेगा। निडर बनें। कहें, मैं अपनी सामर्थ्य से ही विवाह करूँगा।

मिलनी में चार रूपये की बात आपलोग उठाते हैं। ठीक है भाइयों, अगर कोई सामर्थ्यवान चार चाँदी के सिक्के देता है, देने दें। आप अपने अनुकूल दें। फिर यह मिलनी का रूपया बरबाद नहीं होता है। एक घर से दूसरे घर में जाता है। वहाँ उपयोगी होगा या एक यादगार संचय बनेगा। आन्दोलन करना है बरबादी के, फिजूलखर्ची के खिलाफ। ईश्वर खुश होंगे अगर आप उनकी कोई अच्छी किताब या ईश्वर की फोटो (छोटे फ्रेम, चाँदी में नहीं) या 'ऊँ' या ईश्वर का पिन-लोगो दें। उससे भी अच्छा एक गुलाब का फूल, पीछे में तुलसी का बूके बना के दें। गुलाब का फूल प्रेम का सूचक है और तुलसी पवित्रता का। भगवान विष्णु को भी प्रिय है तुलसी। आपका सारा वातावरण प्रेममय होकर पवित्रता से महक उठेगा।

सजावट में फिजूल खर्च करते हैं, बरबादी ही बरबादी है। विदेश से फूल मँगाते हैं। हमारे देश का धन बाहर जाता है। हमारा प्यारा देश कर्ज में डूब रहा है। हमारा विदेशी मुद्रा भण्डार केवल ८९४ बिलियन डालर है। तेल बाहर से मँगाते हैं। हमारा निर्यात कम होते जा रहा है। भारतमाता से आप प्यार करते हैं। भारतमाता अपने बच्चों से आज अश्रुपूर्ण आँखों से कहती हैं, अपने देश का उत्पादन बढ़ाने के लिये। गुलामी से स्वतंत्रता पाने के लिये गांधीजी ने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का आह्वान किया। श्रीमती ललिता शास्त्री, पत्नी स्वर्गीय लालबहादुर शास्त्री, स्वदेशी आन्दोलन में भाग ले रही थीं। मालूम हुआ, हाथ में सुहाग की चूड़ियाँ विदेशी हैं। उसी समय उन्होंने चूड़ियों को तोड़ दिया। अपने देश की वस्तुओं का उपयोग कर दरिद्रनारायण की सेवा करें। विदेशी वस्तुओं का यथा संभव बहिष्कार करें। नेताओं की तरह नहीं, उपर सादा खद्दर, भीतर गोल ही गोल।

बच्चों को अच्छे संस्कार और गुण दें, उच्च शिक्षा दें, व्यापार सिखायें। बच्चों को जवाबदेही सौंपें। वटवृक्ष की तरह नहीं बने रहें जिसके नीचे कोई घास भी नहीं उगती।

शराब का प्रचलन बढ़ते जा रहा है, कर सकते हैं तो अपने घर में ही गांधीगिरी चालू करें। एक सिद्ध संत के पास एक गरीब शिष्या ने निवेदन किया कि मेरे बच्चे को समझायें, वह मिठाई माँगता है, मेरे पास पैसे नहीं है – बिगड़ जाता है। संत ने कहा, "आप एक मास बाद आयें।" एक मास बाद संत ने बच्चे को समझाया कि मिठाई नुकसान करती है, तुम्हारी माँ गरीब है, मत खाना। बच्चा मान गया। महिला ने संत से कहा, "यह बातें तो आप एक मास पहले भी कहा सकते थे।" संत ने कहा, "मैं स्वयं मिठाई खाता था। एक मास से बन्द करने में सफल रहा। स्वयं प्रयास कर इसे समझा रहा हूँ।" गांधीजी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद आदि ने स्वयं से प्रारंभ कर अपने देश और मानवता के लिए क्रांति शुरू की।

धार्मिक आयोजनों में आडम्बर हो रहा है। लाखों-करोड़ों का खर्च चंदा इकट्ठा करके कर रहे हैं। धार्मिक गुरु बड़ी-बड़ी गाड़ियों में चलते हैं और राजा-महाराजा की तरह आराम से रहते है। सादगी नहीं। संत राम सुखदास के जैसे रहो। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं। हम गांधीगिरी स्वतः शुरू कर आडम्बरपूर्ण धर्मसभा में नहीं जाएँगे।

७०-८० तरह के व्यंजन बनवाते हैं। भगवान को ५६ व्यंजन केवल दीपावली के बाद का भोग लगाते हैं। भगवान तो विदुर के घर में केले का छिलका खाये हैं और शबरी के जूठे बेर खाए हैं। अन्न को पूर्वज देवता मानते थे। अन्न बर्बाद करना एक विशेष पाप है। याद रखें, करीब ४० प्रतिशत आबादी को एक वक्त का भोजन नहीं मिलता है। सभी का मनपसन्द भोजन भी २०-३० व्यंजनों में हो जायेगा। इसी में चाईनीज, इटालियन, मैक्सिकन, मारवाड़ी सभी तरह का आ जायेगा। ईश्वर के अनुशासन को मानें।

ईश्वर के आह्वान का नारा

क) सादगी से शादी-विवाह। **ख)** माता पृथ्वी को बचानाः प्लास्टिक-कागज का सदुपयोग करना, बेकार की सजावट में नहीं। **ग)** धार्मिक आयोजन सादगी : धर्मगुरू को नियम से चढ़ावा-पैसा देना। चन्दा लेकर बरबादी नहीं, बल्कि मानव सेवा ही धर्म है, ईश्वर-पूजा है। एक बड़े संत कहते हैं, "बच्चों को और धर्मगुरु को पैसा देना उनको बरबाद करना।" **घ)** बेटियाँ लक्ष्मी हैं। बेटियों को भी बेटे जैसा प्यार और शिक्षण। पौस्टिक पदार्थ दें। **ङ)** संस्कार में रहें और संस्कार दें। **च)** एकता में शान्ति है। जहाँ शान्ति है, वहाँ भगवान हैं। घर-समाज में संगठन करें। **छ)** बहुओं को प्यार दें। बहुएँ लक्ष्मी हैं। बहुएँ खुश तो बेटे खुश। आपके बुढ़ापे का सहारा बनेंगे। सकारात्मक विचार रखें। सकारात्मक विचार में बहुत शक्ति है। सास-बहू दोनों सकारात्मक सोचें। दिमाग और मन से निकाल दें कि एक दूसरे के विरुद्ध हैं या प्यार नहीं करते। सास या बहू एक भी अच्छी होगी तो घर को वृन्दावन प्रेमनगरी बना सकती हैं। स्वर्ग वहीं, जहाँ इर्ष्या-द्वेष की भावना नहीं है।

"म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति" : आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८९वें स्थापना दिवस समारोह के शुभ अवसर पर शुभकामनाएँ!

राज कुमार केडिया

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

(प्रभारी : झारखंड, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़)

राँची, झारखंड

फर्म :

मेसर्स - तिरूपति सेल्स इंटरप्राइजेज

मेसर्स - मंगलम टायर्स (प्रा.) लि.

मेसर्स - अम्बिका सिमेंट कं. (प्रा.) लि.

मेसर्स - मंगलम फीड्स एंड फुड्स (प्रा.) लि.

राँची – ८३४००१, झारखंड

मोबाईल : ९४७००१६२००

ईमेल : rkkedia23@gmail.com

आलेख

आत्मावलोकन अपरिहार्य बन चुका है

– भानीराम सुरेका
पूर्व राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के स्थापना दिवस पर विचार-विमर्श की परिपाटी रही है। किसी भी सामाजिक संस्था के लिए विचार-विमर्श एक आवश्यक व्यवस्था है जिसका तात्पर्य चल रही गतिविधियों का आकलन, समाज के सदस्यों की आशाओं-अपेक्षाओं का तुलनात्मक अध्ययन तथा भावी कार्यसूची का निर्धारण करना होता है।

आज हम अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नौ दशक की यात्रा के उपरांत यह लाजिमी है कि हम इस यात्रा की खूबियों और खामियों पर गंभीरता से बहस करें और यह निर्धारित करें कि जिस तेजी से दुनिया बदल रही है वह मारवाड़ी समाज के लिए कितना हितकर है अथवा कितना नुकसानदेह है?

यह बात दीगर है कि मारवाड़ी समाज की तुलना वैश्विक समाजों में होती है। इस समाज के होनहारों ने हमेशा वक्त की नब्ज को पकड़ कर अपनी भूमिका तय की और अपनी प्रासंगिकता प्रमाणित की।

इतिहास के पन्नों को पलटिए तो पता चलेगा कि राजस्थान, हरियाणा जैसी भूमि से विस्थापित होने को बाध्य इस समाज के पुरोधाओं ने हमेशा अपनी संस्कृति और संस्कार को बचाए रखने की पहल की और जहां भी गए वहां सांस्कृतिक समरसता का अद्वितीय उदाहरण पेश किया।

कुछ नहीं से सब कुछ की यात्रा में मारवाड़ी समाज का संगी रहा पुरुषार्थ, लगन, मेहनत, ईमानदारी और दूरदर्शिता। सबको साथ लेकर सबके विकास की सोच वस्तुतः मारवाड़ी समाज की देन है। यह वजह रहा कि प्रतिरोध और प्रतिकार का सामना मारवाड़ी समाज को नहीं करना पड़ा। भारत ही नहीं विश्व के कोने-कोने में बसे मारवाड़ी सर्वप्रिय हैं तो इसलिए कि इस समाज में जाति, धर्म, समुदाय और क्षेत्र की संकीर्णता कभी नहीं रही।

आखिर व्यापार-वाणिज्य से जुड़े समाज में अपराधिक मानसिकता का विकास कैसे हुआ? क्यों पूरी दुनिया में श्रेष्ठ मानी जाने वाली संयुक्त परिवार व्यवस्था छिन्न-भिन्न होती गई है एवं किस सोच के तहत इस समाज की नई पीढ़ी अपने पुरखों द्वारा स्थापित परंपराओं का वहिष्कार करने पर तुली है?

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन प्रवासी मारवाड़ियों की राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था है इसलिए इससे यह अपेक्षा तो रहती है कि बदलते समय के अनुरूप नवीन सोच को प्रचारित-प्रसारित करने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

राष्ट्रीय राजनीति हो अथवा सामाजिक घटनाक्रम मारवाड़ी समाज की स्थिति लगातार हासिये पर जा रही है जो कि चिंता का मुख्य विषय है। आत्मप्रचार की भूख एवं स्वकेंद्रित विकास की विकृत अवधारणा ने समाज की स्वस्थ संस्कृति का बेड़ा गर्क कर दिया है।

आवश्यकता है सामूहिक सोच और सामाजिक अंकुश की अन्यथा हम अपने ही बनाए नियमों में बंध कर रह जाएंगे।

आलेख

सामाजिक उत्थान में साहित्य एवं संस्कृति का विशेष महत्व

– मधुसूदन सिकरिया
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

साहित्य समाज का दर्पण होता है। समाज को साहित्य से ज्ञान की प्राप्ति होती है। हर युग में साहित्यकारों के द्वारा साहित्य लिखा जाता रहा है। देश के अन्य प्रदेशों में बसे मारवाड़ी समाज में भी अनेक साहित्यकार हुए हैं जिन्होंने न केवल अपने समाज बल्कि विश्व पटल पर भी अपनी अमिट छाप छोड़ी हैं। अपने इस कृत के द्वारा उन्होंने विभिन्न समाजों में समन्वय एवं एकता का भी सूत्रपात किया हैं। इन्हीं में से एक हैं असम के लोगों की आस्था के प्रतीक ज्योति प्रसाद अगरवाला। आपको फिल्मकार, निर्देशक, संगीतकार, कवि, नाटककार एवं लेखक के रूप में भी जाना जाता है। आपके कार्यों को मान्यता देते हुए असम में आपको रूपकुंवर ज्योति प्रसाद अगरवाला के नाम से अलंकृत किया गया है। असमिया सिनेमा के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण शख्सियतों में से एक ज्योति प्रसाद अग्रवाल का जन्म १७ जून, १९०३ को असम के डिब्रूगढ़ जिले में परमानंद अग्रवाल (पिता) और किरणमयी देवी (माता) के घर हुआ था। ज्योति प्रसाद अग्रवाल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा असम और कोलकाता के विभिन्न स्कूलों से प्राप्त की। फिर १९२६ में वे अर्थशास्त्र का अध्ययन करने के लिए एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड चले गए। इसके बाद उन्होंने जर्मनी में फिल्म निर्माण की कला सीखी और अपने देश वापस आकर १९३५ में, "जॉयमती" नामक पहली असमिया भाषा की फिल्म का निर्देशन किया। उनके इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें असमिया सिनेमा के पितामह के रूप में सम्मानित किया गया। फिर १७ जनवरी १९५१ को अपने निवास स्थान में कैंसर के कारण उनकी मृत्यु हो गई।

कहने का तात्पर्य यह है कि साहित्य के द्वारा भी समाज में भाईचारे की स्थापना की जा सकती है। इन्हीं की प्रेरणा से आज असम में मारवाड़ी समाज में अनेक साहित्यकार, पत्रकार, लेखक, स्तंभकार आदि देखने को मिलेंगे जिन्होंने असम में अपनी अलग पहचान स्थापित करने के साथ ही सर्व समाज में व्याप्त दूरियों को कम करने का कार्य किया हैं।

वर्तमान में समाज के विभिन्न संगठनों ने भी इस कार्य के महत्व को समझते हुए ऐसी विभूतियों को प्रत्साहित करने पर विशेष बल दिया है। समाज की अग्रणी एवं पौराणिक संस्था मारवाड़ी सम्मेलन ने अपने वार्षिक पुरस्कारों की श्रेणी में इन्हें विशेष महत्व देते हुए पुरस्कृत करने का बीड़ा उठाया है जो कि एक प्रशंसनीय कदम है। उक्त पुरस्कार राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रांतीय एवं शाखा स्तर पर भी प्रदान किए जाते हैं।

मारवाड़ी समाज हमेशा अर्थ प्रधान रहा है परंतु वर्तमान में इस समाज ने अपनी इस बेड़ी को तोड़ते हुए अन्य क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बनाते हुए कामयाबी हासिल की है। अब सामाजिक संस्थाओं ने भी अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए दूसरे क्षेत्र में पहचान स्थापित करने वालों को प्रोत्साहत करने के लिए पुरस्कृत करने का महती कार्य हाथ में लिया है जो प्रशंसनीय है।

SWASTIK SUPPLY CO.

HEALTHMART

OUR SERVICES

- SCIENTIFIC
- LABORATORY
- AGRICULTURE
- INSTRUMENTS
- CHEMICAL
- GLASSWARE
- FURNITURE
- MEDICAL AND SURGICAL PRODUCTS

CONTACT US:

SANTOSH SARAWGI
PUNEET SARAWGI
YASH SARAWGI

+91 62002218755
+91 9204850004

swastik.ranchi@yahoo.co.in

SHREE RAM GARDENS, OPP. RELIANCE MART, KANKE ROAD, RANCHI - 834008, JHARKHAND

सिर्फ अखबार नहीं...
सामाजिक सरोकार...

QR कोड स्कैन करें और दिन पर Whatsapp पर ताजा समाचारों से जुड़ें।

Link के माध्यम से जुड़ने के लिए
7003722682 / 98041 54115
पर व्हाट्सअप भी कर सकते हैं।

कोलकाता से गत ४१ सालों से नियमित
प्रकाशित/प्रसारित एकमात्र सांध्य दैनिक

सेवा संसार

18, Hanspukur 1st Lane, 2nd floor
Kolkata-700007, Bharat

98041 54115 98300 83319 70037 22682

sevasansar@gmail.com sevaprakashan@gmail.com

Building Future
Changing Lives
विश्व पर्यावरण दिवस
NEW DIALYSIS UNIT
Built in Loving Memory of
Late Shri Ramanand Agrawal
&
Srimati Kisturi Devi Agrawal
By
MSP FOUNDATION
6th October 2023
New Dialysis Unit
CT SCAN UNIT
अन्नपूर्णा रसोई में MSP फाउंडेशन का सहयोग: 365 दिनों तक निःशुल्क भोजन वितरण, वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया शुभारंभ
Building Future : Changing Lives
MSP
Foundation

शुभ कामनाओं के साथ —

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

के

90वें स्थापना के वर्षगाँठ पर

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

की ओर से

हार्दिक शुभकामनाएँ

मनीष सर्राफ
कोषाध्यक्ष

सदानन्द अग्रवाल
महामंत्री

युगल किशोर अग्रवाल
प्रादेशिक अध्यक्ष

With Best Compliments from :

Ashok Kumar Jalan

M/s. Tandhan Group

MOBILE : 9831028666

| Buy Online: www.dollarglobal.in | Also available at all leading shopping portals
Dollar products are available in over 900 cities/towns and 1,45,000 plus MBO across India | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

www.floking.in

FLOKING
THE FUTURE

Pioneers in the manufacturing of PVC-O-Pipes

Excellence in high-pressure water piping

FLOKING PIPES PVT. LTD.

Telephone : +91 44 26615959

E-mail : brij@floking.in

BRIJ KHANDELWAL

ELECTRO GROUP

Office : Electro House, 23, Ramanathan Street, Kilpauk, Chennai - 600010.

Factory : A3(1), SIPCOT Industrial Estate, Pillaipakkam, Sriperumbudur, Kanchipuram - 602105.

TATA STEEL
WeAlsoMakeTomorrow
TATA TISCON
JOY OF BUILDING
समझदार बनें। बेहतर चुनें।
TATA TISCON
GreenPro
बेहतर ताक़त
550MPa ग्रेड स्टील
बेहतर लचक
उच्चतम UTS/YS अनुपात
बेहतर बचत
रीबार का कम इस्तेमाल
TATA
TISCON 550SD
CALL 1800 108 8282

HHP HOSPITAL PVT LTD

A Multi Speciality Hospital

HHP
Happy Healing

OUR SPECIALIZED MEDICAL DEPARTMENTS ARE

- General Medicine
- Laparoscopic Surgery
- Gynae & Obstetrics
- Dermatology
- Endocrinology
- Gastroenterology
- Paediatrics
- Neuro medicine
- Neuro surgery
- Nephrology
- Urology
- Orthopedics
- Spine Surgery
- ENT
- Pulmonology
- Ophthalmology
- Pathology
- Anaesthesiology
- Paediatric Surgery
- Radiology
- Physiotherapy

HHP Hospital Private Limited is an ISO 9001:2015 certified and NABH-accredited multi-specialty hospital located at Hindusthan More, Garia. Since 2002, we have been delivering compassionate healthcare with 100 operational beds, advanced technology, and 24x7 pharmacy and diagnostics.

Our key services include MRI, CT scans, digital X-rays, automated labs, 360-degree pathology and radiology, NICU, orthopedic care, and general surgery. Guided by top doctors, we ensure ethical, affordable, and round-the-clock care in a pure vegetarian facility.

24X7 EMERGENCY HELPLINE
033 2435 9999

Garia Main Road
Hindustan More

Follow us on

आलेख

संस्कार की लागत पर समाज द्वारा विकास की अंधी दौड़

– डॉ. पवन पोद्दार
कुलपति, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग

अपना मारवाड़ी समाज सभ्यता-संस्कार-संस्कृति के मायने में काफी समृद्ध रहा है। खान-पान, रहन-सहन, कार्य-व्यवहार, बात-विचार, आचरण, रीति-रिवाज, पर्व-त्यौहार, दया-दान, पूजा-पाठ, गीत-नृत्य, धर्म-भाव, भाई-चारा, जन-सेवा, राष्ट्र-प्रेम, सहयोग-विश्वास, संवेदना, न्याय-भाव, अतिथि-सत्कार, ठाठ-बाट, सत्य-अहिंसा, ईमानदारी, वचन-बद्धता, कर्मठता, कर्त्तव्य-निष्ठा, मेहनत, प्रतिभा, कार्यदक्षता, चरित्र, प्रत्येक पहलु में हम श्रेष्ठ थे। तभी हम **"सेठ"** कहलाए (श्रेष्ठ शब्द का ही अपभ्रंश सेठ है) किन्तु विगत् लगभग ५० वर्षों में शनैः शनैः और १० वर्षों में तेजी से हमारा समाज अपनी श्रेष्ठता उपरोक्त पहलुओं में खोता चला जा रहा है। जिन पहलुओं पर हम गर्व कर सकते थे उनमें अधिकांश का पतन इतना हो चुका कि हम शर्मिन्दा हैं। इतना ही नहीं कुछ सामाजिक विसंगतियाँ, कुरीतियाँ भी पनप चुकी है। यद्यपि दहेज-प्रथा, बाल-विवाह, पर्दा-प्रथा जैसी कुरीतियों हमारी सामाजिक पुरोधाओं के अथक प्रयास, वर्षों के संघर्ष से लगभग समाप्त हो चुकी हैं किन्तु समय-समय पर अपनी जड़ जमा चुकी कई कुरीतियाँ/विसंगतियाँ अभी भी व्याप्त हैं। जैसे –

युवा पीढ़ी का विचलन, बुजुर्गों के प्रति युवाओं में सम्मान-भावना की कमी,
पर्व-त्यौहार, रीति-रिवाज के प्रति गम्भीरता का अभाव,
अपनी भाषा-भूषा का परित्याग,
जन्मदिवस, साल-गिरह, २५वीं-५०वीं वर्षगाँठ, धार्मिक अनुष्ठान, विवाह जैसे पावन अवसरों पर अपनी मूल भावना के विपरित अनावश्यक खर्च, भौंडा प्रदर्शन, एवं मनोरंजन का साधन बन चुका है।

गत वर्ष गुवाहाटी में आयोजित २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित समाज की वर्तमान एवं ज्वलंत समस्याएँ भी उपरोक्त विसंगतियों के दायरे में ही है।

कारण एवं निवारण

सर्वभौमिक सत्य है कि विकास और विनाश साथ-साथ चलते है। विकास बढ़ेगा तो विनाश का बढ़ना भी सुनिश्चित है। अन्तर केवल यह है कि विकास दिखते जाता है लेकिन विनाश एक सीमी पर पहुँचने के बाद दिखता है तब हम सचेत होते हैं। विकास के क्रम में शहरीकरण बढ़ता गया लेकिन पर्यावरण के दुष्परिणाम जब प्रकट हुए तो हमे पुनः जंगल और पौधरोपण की याद आई। अब १० वर्षों में शहरीकरण हेतु काटे गये जंगल/पौधों की भरपाई में हमें सैकड़ों वर्ष लगेंगे।

यही हाल हमारे समाज का है। हम पैसा कमाने की अंधी दौड़ में शामिल हो गये, काफी विकास हुआ। हमने बड़ी-बड़ी अट्टालिकाओं का निर्माण किया, सुख-सुविधा के सारे साधन एकत्र कियें। बच्चों को पढ़ा-लिखा कर बड़ी-बड़ी कामयाबी हासिल की। हमारे लड़के ही नहीं लड़कियाँ भी देश-विदेश में, अँग्रेजी स्कूलों में पढ़ लिख कर बड़ी डिग्रीयाँ हासिल कर बड़-बड़ी उपलब्धियाँ प्राप्त की। पिछले ५० वर्षों में हमारे समाज का हुलिया ही बदल गया। लक्ष्मी पुत्र के साथ हम सरस्वती पुत्र भी बने। हम केवल उद्योग-धंधों के पर्याय नहीं रहे। सभी क्षेत्रों में हमने अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। इस अंधी विकास-यात्रा में हम संस्कार अपने बच्चों को नहीं दे सकें। उन्हें हम ईन्सान नहीं बना सकें। उनमें मानव-मूल्यों का प्रतिपादन नहीं कर सके। जिस उम्र में हम उन्हें पढ़ने-लिखने बाहर भेज रहे हैं हम उन्हें तो प्यार-स्नेह दे रहे है लेकिन वो ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं। घर से ज्यादा प्रेम उन्हें दोस्त-यारों से हो रहा है। घर के पर्व-त्यौहार, रीति-रिवाज से वे अनभिज्ञ रह गये। रिस्तेदारों से दूर हो गये हैं। धन की पर्यापत्ता से उन्हें बाहर स्वच्छंद जीवन शैली उपलब्ध है। हम जान भी नहीं सकते कि हमारे बच्चे-बच्चियाँ किस वातावरण में पल-बढ़ रहे हैं। हमारा अंकुश ढ़ीला पड़ता जा रहा है। घर में समृद्धि हो लेकिन शांति और संतुष्टि नहीं हो तो वह समृद्धि किस काम की?

हमें विकास उतना ही चाहिए जिससे शांति और संतुष्टि प्रभावित न हो। विकास एवं समृद्धि में नैतिकता होनी चाहिए।

पहले हमारे घरों में सभी सदस्य एक-दूसरे की गतिविधियों पर नजर रखते थे। घर के बुजुर्ग अपने बच्चों को समय देते थे अब वो परिस्थिति रही ही नहीं। ऐसी स्थिति में अभिभावक को यदि त्याग भी करना पड़े तो करें लेकिन बच्चों को समय अवश्य दें वर्ना अभी जो पीढ़ी तैयार होगी वो चाह कर भी अगली पीढ़ी को संस्कार नहीं दे पायेगी क्योंकि वो खुद संस्कार नहीं जानते होंगे।

Teenage में प्रवेश करने तक बच्चों को ज्यादा समय दें।
Teenage तक उनकी गतिविधियों पर गम्भीरता से ध्यान दें।
युवावस्था में उनकी संगत की जानकारी रखें। संघर्षशील रहने दें अधिक सुख-सुविधा उपलब्ध न करायें।
सामाजिक रीति-रिवाज, पर्व-त्यौहार को गम्भीरता से लेते हुए बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
विवाह आदि शुभ कार्यों के समय पुनः लोक-गीत, नेग-चार पूर्णता के साथ उनका अर्थ समझ कर लड़कियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
बच्चों को बुजुर्गों के बारे में, रिस्तेदारों के बारे में, पूजा-पाठ, पर्व-त्यौहार, रीति-रिवाज आदि की पूरी जानकारी दें एवं उनके महत्व को समझायें।
सामाजिक कार्यक्रमों में बच्चों को साथ रखें।

एक खास उम्र तक में संस्कार के बीज बच्चों के मन में रोपित कर सकते हैं। तब तक अभिभावक को विशेष त्याग की जरूरत है ताकि आने वाली पीढ़ी संस्कार युक्त हो सके। संस्कार युक्त पीढ़ी होने से समाज में व्याप्त अधिकांश कुरीतियाँ स्वतः समाप्त हो जाएगी।

अन्त में मैं अपने विचारों को सिर्फ एक लाईन में कहना चाहूँगा कि –

"शांति और संतुष्टि की लागत पर विकास की अंधी दौड़ में नहीं बढ़ना चाहिए"।

With Best Compliments From :

M/S. BAGADIYA BROTHERS PRIVATE LIMITED

Bagadiya Mansion
Ground Floor, Jawahar Nagar
Raipur (C.G.) - 492 001
Contact : 0771-4041999/4030434,
9425203488
Email : bagadiya@bagadiyabros.com

आलेख

मारवाड़ी सम्मेलन का समाज पर प्रभाव....

– सुरेश कुमार बजाज

सन् १९३५ में एक ऐसे वटवृक्ष का बीजारोपण हुआ जो धीरे-धीरे **सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय** की भावना से पल्लवित, पुष्पित होने लगा। समाज में जनजागरण तभी हो सकता है जब सभी लोगों तक अपनी बात पहुंचाने का एक आधार हो और तब के हमारे समाज के पुरुधाओं ने इसी सोच के समाधान हेतु सम्मेलन का गठन किया।

उक्त काल में बाल-विवाह, लड़कियों का अशिक्षित होना, कम उम्र में पति की मृत्यु होने पर महिलाओं का अकेलापन, पर्दा प्रथा इत्यादि कुरितियाँ फैली हुई थी और सभी चाहते थे कि कोई समाधान निकले लेकिन आगे बढ़कर आवाज कौन उठाये? इन सभी कुरीतियों का उन्मुलन करने का सम्मेलन ने अपने गठन के पश्चात प्रयास आरंभ किया और धीरे-धीरे इन कुप्रथाओं पर लगाम लगाने का प्रयास होने लगा और समाज बन्धुओं के सहयोग से सफलता भी मिलने लगी और शनै-शनै लोग अपने पुरातन विचारों में बदलाव लाने के लिये प्रयत्नशील होने लगे और यदि आज के मारवाड़ी समाज की बात की जाये तो कोई शायद ये मान ही नहीं सकता कि कभी हमारे समाज में भी ऐसी कुप्रथायें फैली हुई थी। इन कुप्रथाओं के उन्मुलन में निश्चित रूप से सम्मेलन का काफी योगदान है।

तत्पश्चात समाज में दहेज के नाम से फैली हुई एक और कुप्रथा जिससे बेटी के मां-बाप की नींद हराम रहती थी की उन्मूलन के लिये भी सम्मेलन ने काफी काम किया और कुछ हद तक इस कुप्रथा पर काबू भी पाया गया।

समाजोत्थान में इसलिए सम्मेलन की भूमिका को कमतर करके नहीं आंका जा सकता और आज भी समाज में जो नयी कुरीतियां फैली हुई है उन पर भी सम्मेलन की सभाओं में चर्चा होने लगी है और दिखावा, तड़क-भड़क, cocktail party, pre wedding shoot, सोने-चांदी की मिलनी, खाने में सैकड़ों items इत्यादि को कैसे कम किया जाये इन बातों पर विचार मंथन होने लगा है जो आज समय की मांग भी है। यदि समाज में फैली हुई इन कुप्रथाओं पर रोक नहीं लगती है तो आगे जाकर समस्या गंभीर हो सकती है और सम्मेलन इन बातों से चिन्तित भी है। इसी के साथ संयुक्त परिवार को छोड़कर एकल परिवार का चलन बढ़ा है और मां-बाप अपने बच्चों से दूर होते जा रहे हैं और सम्मेलन इस बात से भी चिंतित है और भिन्न-भिन्न मंचों से यह बात उठाई भी जा रही है। इसी के साथ विवाह योग्य युवक-युवतियों के विशेषकर छोटे स्थानों पर रहने वालों के समय पर विवाह न होने के कारण उनका उम्रदराज होना भी आज के समय में बहुत ही चिन्ता का विषय है।

आज भी जरूरत है कि जो लोग भी सम्मेलन से नहीं जुड़ पाये हैं उनको आगे आकर इस विचार मंच रुपी यज्ञ में आहुति देनी चाहिये और समाज में फैली कुरीतियों का कैसे उन्मूलन हो इस पर अपने विचार रखते रहना चाहिये।

दो लघुकथाएँ

– अब्दुल समद राही

शनि का प्रकोप

आप घोर अंधकार में हो आप पर शनि का भारी प्रकोप हैं यह आपको सुखी नहीं रहने देता। जब तक शनि प्रसन्न नहीं होगा यह परिस्थितियां बदलने वाली नहीं है और भी ग्रह आपको घेरे हुए हैं। इनका बंदोबस्त तो आपको करवाना ही पड़ेगा। यह सब बात कहकर लम्बी जटा वाले साधू बाबा ने रामलाल के मन में गहरा भय अंदर तक बिठा दिया। इन ग्रहों से छुटकारा पाने के लिए रुपये १०००० का खर्च भी बता दिया। रामलाल लंबे समय से अपनी रोजी-रोटी से परेशान था। काम में मन नहीं लगा ने से उसकी आरा मशीन का धंधा ठप सा हो गया और कर्ज भी खूब बढ़ गया। इसी के चलते रामलाल साधू बाबा के झांसे में आ गया और ग्रह दशा ठीक करने के लिए पैसों का इंतजाम करने के लिए इधर-उधर भटकने लगा।

रामलाल ने अपनी परेशानी अपने मित्र चंपालाल को बताई और साधू बाबा के बारे में भी बताया। चंपालाल ने उसे समझाया ऐसा कुछ भी नहीं है बाबा तुम्हारी परेशानी कम करने की जगह और बढ़ा देंगे। आप धंधे में मन लगाओं समय पर लोगों के काम करके दो, हालत खुद-ब-खुद सुधर जाएंगे। भगवान पर भरोसा रखो ऐसे साधू बाबाओं से दूर रहो। रामलाल ने अपनी गर्दन हिलाकर हामी भरी।

सप्ताह भर बाद फिर रामलाल का अपने मित्र चंपालाल से मिलना हुआ। उसने चंपालाल की सलाह को दरकिनार कर कर्ज लेकर साधू बाबा की पूर्ति कर दी थी। अंधविश्वास में जखड़े रामलाल की परेशानियां और गहरी हो गई। साधू बाबा पैसे लेकर रफूचक्कर हो गये। रामलाल ने कर्ज का एक और बोझ अपने सर ले लिया था।

चंपालाल ने फिर रामलाल को समझाया अंधविश्वास व्यक्ति की समझ को नाकारा बना देती है। अभी वक्त है अपने धंधे में मन लगाओं, हालात अपने आप सुधर जाएंगे। रामलाल मन लगाकर अपने धंधे में जुट गया। धीरे-धीरे हालत खुद-ब-खुद सुधर गए और कर्ज का बोझ भी हल्का हो गया।

चारधाम

अरे भाई अखिलेश कैसे हो?

मैं ठीक हूँ मेरे भाई करण और हां इतने दिन नजर नहीं आए भाई कहां थे आप? अखिलेश ने करण को मंद मंद मुस्कुराते हुए जवाब दिया –

अरे भाई मैं चार धाम की यात्रा कर कल ही लौटा हूँ। बहुत आनंदित रही यात्रा।

अरे वाह यह तो बहुत ही खुशी की बात है भैया और मां बाबूजी कैसे है? अखिलेश बोला।

अरे भाई बुढ़ापे में उनका दिमाग खिसक गया है, बात-बात पर झगड़ा करते रहते हैं। रोज रोज की जिकजिक से परेशान हो गये हमलोग। इसीलिए मैंने उन्हें वृद्धा आश्रम में छोड़ दिया। और बता तेरे मम्मी पापा ठीक है। आप कब जा रहे हो चार धाम की यात्रा पर करण ने अनचाहे मन से पुछा।

अरे हां भाई ईश्वर की कृपा आशीर्वाद से मेरे मम्मी पापा बिल्कुल ठीक है और मैं और मेरी पत्नी सुशीला उनकी रात दिन सेवा करते हैं हमारे लिए तो वही चार धाम है। हमें कहीं जाने की कहा जरूरत है अखिलेश ने कहा। करण का सर शर्म से झुक गया।

With Best Compliments From :

**Devotion is a dimension
that will allow you to sail across
even if you do not know the way**

Sadhguru

isha
FOUNDATION

DINODIA WELFARE TRUST
4A New Road
1st Floor, Alipore
Kolkata - 700027

आलेख

मातृभाषा राजस्थानी के प्रेम में डूबा एक बड़ा संस्थान
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९०वें स्थापना दिवस पर

– डॉ. दुलाराम सहारण
पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान साहित्य अकादमी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन यूं तो कभी की मारवाड़ रियासत के प्रवासी बंधुओं की सामाजिक जाकृति और सांगठानिक एकता की प्रतिनिधि संस्था के विचार रूप में उद्घाटित हुई, तथा फिर न केवल मारवाड़ अपितु हर रियासत के प्रवासियों के जुड़ाव में आई, परंतु कालांतर में इस संस्था ने राजस्थान के निर्माण की यात्रा से गुजरते हुए उन तमाम प्रवासी बंधुओं को एक विशाल मंच देने का काम किया जो राजस्थान से बाहर रहकर व्यापार, उद्योग ही नहीं, अपितु अन्य-अन्य क्षेत्रों में संलग्न रहते हुए निजगौरव को हासिल कर रहे थे। ९०वें साल के इतिहास में झांककर महसूस करें तो संस्था का यह विशाल कैनवास उस कलाकृति के निर्माण में बहुउपयोगी रहा, जिसे हम आज देख रहे हैं।

इतिहास कहता है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन को मूलतः प्रवासी व्यापारी वर्ग ने नेतृत्व दिया, क्योंकि व्यापार और उनकी जरूरतों को आवाज देने हेतु यह जरूरी मंच था। व्यापार एवं उद्योगों के विस्तार एवं तत्संबंध योजनाओं के निर्माण में सरकारी एवं गैर सरकारी उपक्रमों को यह संस्थान एक दिशा प्रदाता बने, यह तब जरूरी भी था। वही समाज में व्याप्त कुरीतियों, रूढ़ियों की जड़ता को तोड़ते हुए समय के साथ चलता हुआ प्रगतिशील समाज भी बनाए, इस दिशा में भी यह जरूरी था। इन दोनों दिशाओं में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने सदैव जरूरी काम किए, जो कि आगे चलकर मील का पत्थर बने तथा प्रशंसित हुए।

परंतु व्यक्तिशः मैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का इस मायने में प्रशंसक और समर्थक हूं कि इस बड़ी संस्था ने विश्व की एक समृद्ध भाषा; जो कि मारवाड़ीयों की अपनी मातृभाषा है, यानी कि राजस्थानी; उस भाषा को परोटने और अंवेरने का काम किया है। याद हो आता है रामदेव चोखानी के नेतृत्व में दीनाजपुर का वह सम्मेलन, जहां से मातृभाषा राजस्थानी की गूंज प्रारंभ हुई, और जिसकी स्वर-ध्वनियां आज भी रह-रहकर सर्वत्र गुंजायमान हैं। याद हो आता है अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के वे सब ज्ञापन, प्रपत्र और बैठक प्रस्ताव, जिसमें राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु समय-समय पर भारत सरकार को प्रेषित किए गए।

राजस्थान में राजस्थानी की मान्यता की बात करने और मान्यता के लिए लड़ने वाले लोग अक्सर कहते हैं कि १९४७ के बाद क्रमशः देश में आजादी आई परंतु १९५६ के वृहद् राजस्थान ने आजादी के बढ़ते प्रभाव के साथ-साथ अपनी जुबान भी कटवाई तथा भाषा की गुलामी हासिल की। ऐसे दर्द के बीच से वे दो वर्गों को उलाहना देते हैं - पहला, राजनेता, कहते हैं कि जब गांधी और पटेल देश की भाषा हिंदी बनाने में संलग्न थे, परंतु अपने प्रांत की मातृभाषा गुजराती को संविधान में जगह दिलवाने के लिए कृतसंकल्पित थे, तो वहीं अपने राजस्थान के प्रतिनिधि राजनेता गूंगे होकर क्यों रह गए। अगर वे कहते कि गांधी की मातृभाषा को मान्यता दी जा रही है तो फिर हमारी मातृभाषा को क्यों टाला जा रहा है? मान्यता तो मिल जाती। पर वे 'कायर' ऐसा नहीं कर सके। दूसरा उलहाना, उद्योगपतियों के खाते में डाला जाता है। कहा जाता है कि देश की आजादी का आंदोलन बगैर उद्योगपतियों के सहयोग से नहीं लड़ा जा सकता था। तमाम स्वतंत्रता सेनानियों या आंदोलनों में मारवाड़ियों की बड़ी भूमिका रहती थी। भले ही वह आंदोलन में लगने वाले पैसों के स्तर पर हो, या रणनीति, सहभागिता के स्तर पर। परंतु भाषा मामले में वे उतना नहीं बोल पाए, जितना बोलना चाहिए था। बिड़ला घराने जैसे लोग तो देश के लिए प्राणप्रण से समर्पित थे। वे या अन्य कोई अड़ जाते तो क्या राजस्थानी संविधान से वंचित रह पाती? शायद नहीं। आंदोलनकारी आज भी कहते हैं कि 'सरकारें' सदैव 'पैसे' की भाषा समझती हैं। अगर पैसेवाले कह दें, अड़ जाएं तो वही सरकारें दौड़े-दौड़े करती हैं। तो क्या भाषा की बात पर कोई नहीं अड़ेगा? खैर, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन इस दिशा में काम कर रहा है, खुशी इसी में है। तब के अध्यक्ष से लेकर आज के अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया तक में यह भाषाई चिंता है, और वे राजस्थान के लोगों और भाषा प्रेमियों से समय-समय पर बात करते रहते हैं। यही नहीं, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन साधुवाद का पात्र है कि वह राजस्थानी भाषा के साहित्यकारों को प्रतिवर्ष पुरस्कार देने की पवित्र योजना को भी संचालित कर रहा है। यह भाषा प्रेम ही तो है। एक भाषा प्रेमी होने के नाते अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ९०वें स्थापना दिवस पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ... दुआएं कि यह संगठन और विस्तार को प्राप्त करे तथा सामाजिक सुधार, जागृति के साथ-साथ भाषा, साहित्य सेवा करते हुए राजस्थानी को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिलवाने तक न रुके... बढ़ता रहे।

बधाई...स्थापना दिवस की खूब-खूब बधाई....

कविता

– शशि लाहोटी
कोलकाता

सन १९३५ आजादी से पहले की यह बात।
समाज के सभी मारवाड़ी के बिखरे से थे हालात।

आपस में ही एक दूसरे पर करते थे प्रहार।
हर मुद्दे पर सहमत न होते एक विचार।

उन परिस्थितियों में समाज के प्रबुद्ध जनों ने अलख जगाई।
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की एक नव पौध लगाई।

सन १९३५ में कोलकाता में हुआ इसका प्रथम अधिवेशन।
स्वर्गीय रामदेव जी चोखानी के सभापतित्व में हुआ संपन्न।

उद्देश्य इसका एक, था बड़ा ही नेक

पूरा मारवाड़ी समाज एक मंच पर जब आएगा।
तो निश्चय ही वह एक नया इतिहास रचाएगा।

स्थापना कर्ताओं की दूरदर्शिता ने दिखाया एक लक्ष्य।
मारवाड़ी समाज के सामूहिक संगठन का पूर्ण हुआ उद्देश्य।

प्रथम दिन के भाषण में प्रांतों से हुआ विशेष अनुरोध।
पूरे राष्ट्र के मारवाड़ियों में तब एक होने का हुआ बोध।

प्रथम सम्मेलन की पूरे भारत में गूँजी सफलता।
प्रेम और सद्भावना को मिलने लगी थी दृढ़ता।

१९३८ में मोहम्मद अली पार्क में हुआ दूसरा अधिवेशन।
पद्मपत सिंघानिया की अध्यक्षता में हुआ संबोधन।

तीसरा कानपुर, चौथा भागलपुर, पांचवा दिल्ली में हुआ संपन्न।
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का पूरे भारत में फैल रहा परचम।

कड़ी से कड़ी जुड़ती गई और आगे यह बढ़ती गई।
अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला व युवा मंच गढ़ती गई।

इस तरह उस पौध से निकलने लगी नई-नई डालियाँ।
मारवाड़ी सम्मेलन के लिए सभी बजा दो एक बार तालियाँ।

बड़े गर्व से ९० वां स्थापना दिवस मना रहे हैं हम आज।
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का सदस्य होने पर कर रहे नाज।

९०वां स्थापना दिवस कोलकाता की धरा पर आयाम गढ़े जा रहा।
आदरणीय शिवकुमार जी लोहिया की अध्यक्षता में नव सोपान चढ़े जा रहा।

नई चुनौतियाँ, नई समस्याएँ आ रही समाज के सामने।
मिलकर चलो उठाएँ कदम, हाथ बढ़ाये उन्हें थामने।

इस आयोजन की कामयाबी का बिगुल दे रहा है सुनाई।
९०वें स्थापना दिवस की एक बार बहुत-बहुत बधाई।

चारों तरफ इसके सफलता की दिख रही है जगमगाहट।
इस खुशी में गूंजनी चाहिए तालियों की गड़गड़ाहट।

मरुवाणी रै दोलड़ा सबदां रौ मिजाज

– बंशीधर शर्मा

मरुधरा रै लोगां री आ खास बात है के – रोजीनां री बोलचाल में दोलड़ा सबदां में आपरी बात केवै। घर-बार, कार-बार, बिणज-बोपार, बिकरी-बटा। कठेई देखल्यो सहज रूप में इयांनकला सबद बोलता रेवै। इणनै आप चाहे सबदां रौ बिस्तार मानल्यो चाहे मन री मरोड़। जांण-अणजांण में बायल-कोयल अे सबद बातचीत रै लहजै में आ ही ज्यावै। बात नै ठोड़-ठांइचै, सागी चांकै बिठाणै रौ ओ मरुवाणी रौ रूड़ो मिजाज। अेक बार एक ठाकर रौ गिनायत बारै सुं आयो अर ठाकरां ने पूच्छयो - थारै अठे रा लोग दोलड़ा सबद बोलै? ठाकर बोल्या - नहीं तो, अे ही कोई जाट-जूट बोलता होसी। परसंगी हंस्यो - दोलड़ी बोली रै सैंगद हुयेड़ां री बोली री लळक छूटै थोड़ी ही है।

राजस्थानी भासा में बोल-चाल में दोलड़ा सबदां रौ घणो भंडार। जे अेक सागै भेळा करां तो मोटो अर निरवालो कोष बण ज्यावै। अेक बाळगोठिये आपरै दोस्त नै इण बाबत पूच्छयो भायला, आपां अे दोलड़ा सबद क्यूं बोलां। मिंतर बोल्यो– अरे ओ तो सबद नै मठार कर सांतरो करणै रौ मिजाज है। काल ही देस सूं कागद आयो है, लै पढ लै, सावळ समझ में आ ज्यासी।

जोग लिखी जैपर सूं, काकोजी नै पगै लागणा, घणै मान। आपरो देस आवणै रौ कद तांई मनसोबो है। घरां 'ब्यावसावां' रौ, 'सगाई-पताई' रौ काम बाकी है। घरां री 'टीप-टाप', रंगाई-पुताई' आगूंच करवाणी पड़सी। ब्याव में 'सगा-परसंगी', 'पावणा-पई' री 'आण-जाण' रेहसी। 'आणै-टाणै', 'ऐडै-मेडै' तो सब आवै ही। 'नूंत-पांत', 'गैणो-गांठो', 'टूम-छल्लो' भी घड़वाणो पड़सी। 'ठांव-ठीकरा', 'गाबा-लत्ता', 'बेस-बागा' तो हू ज्यासी पण खाली 'गीत-गाळ' सूं कोनी चालै, 'पूण-पावलो' भी पल्लै चाहीजै। 'रसोई-पाणी', 'मान-मनुहार', 'मोठो-चीठो', 'कोथळियै-बागळियै' रौ हिसाब देखणो पड़सी। घरां में 'रंग-रोगण', 'ऊंचा-पांचा' बी करणी जरूरी है। बखत पर 'बिरखा-पाणी', 'मेह-छांटो' नहीं आज्यावै उण रौ भी 'जतन-जापतो' बखत सर करणो पड़सी। ईं वास्तै आप बठै 'कागद-पानड़ै' रौ काम जलदी सळटाय कर 'बाकी-बिलायती' उगाह कर 'रिपियै-पीस्यै' री जुगत बिठा'र पधारीज्यो।

लिखणै जिसी बात नहीं है। बखत माड़ो है, केई रूसैड़ा ने 'मान-मनावण', 'आण-जाण' कम करेड़ा नै भी 'बोल-बतळावण' करणी है। कारण 'अड़ी-बड़ी' में तो आप वाळा ही आडा आसी। भायलो कागद में दोलड़ा सबद री भासा देख चकरायो।

राजस्थान रै लोक बौहार में दोलड़ै होणैरा रूप केई जग्यां नीजर आवै। सोनै रौ दोलड़ो सूत गळै में नई ठसक देवै तो दोलड़ो मोत्यां रौ हार, दुलड़ी रौ मिजाज न्यारो दीखै। कठेई दोलड़ी पुरसबारी तो कठेई मान सम्मान में दोलड़ी पहरानी रौ गुमान। जवान जुद्ध में दो-दो हाथ दिखावै तो लोग उण पर गरब करै। आ मानसिकता भी चालै है के अेकलो मिनख ईकल खोरियो हुवै, उण री सगती सीमित हो ज्यावै। सगळा जाणै है, एक हाथ सूं ताळी कोनी बाजै। हाथ तो दोन्यू रळायां ही धुपै। दोलड़ी सगती रौ परमाण चौपड़ रै खेल में भी देखल्यो - जकै घर में दो स्यार भेळी हुज्यावै यानि जुगो हुज्यावै तो उण ने नहीं मार सकै।

इण वास्तै भाया, खाली 'बोली-चाली' में ही नहीं, 'खाण-खुराकी' में भी दोलड़ो रूप लखावै। जियां दाळ-बाटी. दाळ-भात, दाळ-चूरमो, रोटी-बाटी, साग-पात, मिरच-मसाला जियांकला सबद बोल-चाल में आंवता रेवै। पेहराण कानी देखां तो कपड़ो-लत्तो, बेस-बागा, पूर-पल्लो सुणबा में आवै। गांव-गांवतरो, रहण-सहण में गाडी-घोड़ा री बात आज्यावै। 'आराम-बीमार' में 'दवाई-पाणी' री दरकार रेवै।

आं बातां नै देखतां म्हारो तो ओ ही मानणो है कै दोलड़ा सबद मरुवाणी री जाण है, पहचाण है।

रेत का जाप!

बी.एल.माली 'अशांत'

पसरा हुआ है दूर-दूर तक
सुनहरी रेत का समंदर
सखी! इस समुद्र में भी भंवरे आती हैं।
और ले जाती है अपने संग
सोने सरीखी की पीले-पीली रेत।

रेत का जाप है यहां जीवन
जल नहीं है यहां दूर-दूर
रेत, और रेत
रेत कातप है रेगिस्तान।
तपस्यालीन बैठा है यहां
तपसी की भांति
रेत का समंदर।
अपना पानी
यह स्वयं सोख गया है
खारे जल की इस पीड़ा थी।
अपनी पीड़ा को मिटा कर
यह बन गया है रेत का समंदर।
पानी मत मांगो इससे
यह स्वयं प्यासा है।

बिन पानी

इस समंदर की लहरों ने यहां
खड़े कर दिए हैं रेत की पहाड़
'सम' के धोरे
रेत की पर्वत श्रृंखलाएं - भर्र।
सूरज की ताप के उनमांन
तपता है रेत का समंदर।
शाम शीतल, रात ठंडी होती है यहां
चांदनी रात में यहां
रूप नहाती है रेत रति
सोलह सिंगार करती है
मरुधरा।
सजती है रेत रति।
रेत का समंदर अपना रूप देता है इन्हें।

'मरुभूमि' और 'मरुधर' का प्रेमजल और तप
रेगिस्तान का पानी है।
कठोर है यहां जीवन, लेकिन
कठोर नहीं है
पानी।
रेत का जाप है- जीवन
तपसी की भांति बैठा है
रेत का समंदर।
तपस्विनी की भांति
तपती है
मरुधरा।

स्वास्थ्य ही धन है

गुड़ के फायदे

खाने के बाद कुछ लोग गुड़ जरूर खाते हैं। बड़े बुजुर्ग मिठाई और चॉकलेट्स नहीं बल्कि गुड़ खाकर सेहतमंद रहते थे, जानिए खाने के बाद गुड़ खाने की सलाह क्यों दी जाती है।

दादी-नानी के जमाने में लोग खाना खाने के बाद गुड़ जरूर खाते थे, लेकिन अब मार्केट में न जाने कितनी तरह की मीठी चीजें मिलने लगी हैं। यही वजह है कि आजकल के लोग न तो खुद गुड़ खाना पसंद करते हैं और न ही बच्चों को खिलाते हैं। हालांकि घर के बड़े-बुजुर्ग आज भी खाने के बाद गुड़ खाने की सलाह देते हैं। खाना खाने के बाद गुड़ का सेवन करने से कई फायदे मिलते हैं। गुड़ खाने में मीठा और काफी स्वादिष्ट होता है। इससे शरीर में आयरन की कमी पूरी होती है। खाने के बाद गुड़ खाने से पाचन में मदद मिलती है। इसके अलावा स्वास्थ्य संबंधी कई बीमारियों को भी गुड़ दूर भगाता है।

खाने के बाद क्यों खाते हैं गुड़

वैसे तो आप कभी भी गुड़ खा सकते हैं, लेकिन खाने के बाद गुड़ खाने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है। इससे भोजन को पचाने में आसानी होती है। गुड़ में आयरन, कैल्शियम, फास्फोरस, पोटैशियम और विटामिन सी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो लोग रोजाना गुड़ खाते हैं उनका पेट स्वस्थ रहता है और चेहरे पर ग्लो भी आता है। बच्चों और बुजुर्गों को गुड़ जरूर खाना चाहिए।

गुड़ खाने के फायदे

१. **पाचन में मदद करे** – खाना खाने के बाद रोजाना गुड़ खाने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है इससे पेट में गैस, बदहजमी और अपच की समस्या नहीं होती। गुड़ में पाए जाने वाले पोषक तत्व भोजन को पचाने में सहायता करते हैं। जो लोग खाने के बाद कुछ मीठा खाते हैं उन्हें अन्य चीजों की बजाय गुड़ खाना चाहिए।

२. **हड्डियों को बनाए मजबूत** – गुड़ खाने से शरीर को भरपूर कैल्शियम मिलता है। इससे हड्डियां मजबूत बनती हैं। बच्चों को गुड़ जरूर खिलाना चाहिए। खाने के बाद रोजाना गुड़ खाने से मांसपेशियों का दर्द भी दूर हो जाता हैं।

३. **खून की कमी दूर** – गुड़ आयरन का अच्छा स्रोत है। शरीर में खून की कमी को दूर करने के लिए गुड़ जरूर खाएं। इससे लाल रक्त कोशिकाएं बढ़ती हैं। हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिए भी गुड़ खाना चाहिए। गुड़ खाने से तुरंत एनर्जी भी मिल जाती है। भोजन के बाद गुड़ खाने से शरीर एक्टिव बनता है।

४. **वजन घटाए** – खाने के बाद गुड़ खाने से मोटापा भी कम होता है। गुड़ में भरपूर पोटैशियम पाया जाता है जो मेटाबॉलिज्म तेज बनाता है। खाने के बाद गुड़ खाने से काफी देर तक कुछ खाने की इच्छा नहीं होती है। वहीं गुड़ चीनी और अन्य मीठी चीजों के मुकाबले ज्यादा अच्छा है।

५. **इम्यूनिटी बढ़ाए** – गुड़ में जिंक और विटामिन सी भी पाया जाता है। जिससे इम्यूनिटी मजबूत बनती है। गुड़ खाने से शरीर में गर्मी बनी रहती है और सर्दी जुकाम का खतरा कम होता है।

लघुकथाएं

– डॉ. नीरज दइया

वैवाहिक विज्ञापन

मुझे शायद आप जानते नहीं। मैं अपना परिचय दे दूं- मैं संगीता हूँ। मैंने परिवार वालों के कहने पर अपना वैवाहिक विज्ञापन एक पत्रिका में दिया, जो ऐसा था -

१८ वर्षीय, १६० सेमी कद, बी.ए. पास कन्या के लिए एक ऐसा वर चाहिए जो दहेज के खिलाफ हो और विवाह में दहेज नहीं ले। पूरी जानकारी के साथ लिखें या फिर संपर्क कीजिए। फिर मेरा पता, ई-मेल छपा था।

दो वर्ष हो गए इस बात को। आज तक का हाल यह है कि मेरे पास एक भी पत्र और ई-मेल नहीं पहुंचा है, ना ही किसी ने आ कर संपर्क किया है। मैं आज भी इंतजार में हूँ कि शायद कोई आएगा....। आशा अमर धन।

संवेदनओं! तुम कहां हो?

यह आदमी कौन है? इसकी पहचान खो गई है। चेहरा अब दब कर कुछ का कुछ हो चुका। आदमी तो सड़क पर फैल गया और उसकी साइकिल बेहाल हो गई।

बात इस प्रकार हुई - सड़क पर एक दुर्घटना हुई जिसमें एक जवान आदमी ट्रक से नीचे आ गया। ट्रक सरकारी था, वही रुक गया और ड्राईवर वहां से फरार।

लाश और ट्रक के चारों तरफ भीड़ जमा हो गई। जैसे कोई तमाशा हो, एक एक आदमी ट्रक और लाश को देख कर लौटने लगे। वहां प्रत्यक्षदर्शियों में कहीं किसी के दिमाग में कुछ अंतर आया हो ऐसा मुझे नहीं लगता है।

रात दस बजे वहां केवल दो सरकारी कर्मचारी खड़े-खड़े बातों में व्यस्त थे कि इन दिनों किन-किन नई फिल्मी की चर्चा है? किसने कौनसी फिल्म देखी...!

युक्ति

मेरे दोस्त ने बिना दहेज विवाह किया है। यह समाचार काफी समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की शोभा बना और वर-वधू सचिव सुर्खियों में रहे। यह हर्षित करने वाला समाचार था- 'हमें गर्व है प्रदीप कुमार पर जिन्होंने बिना दहेज विवाह कर समाज के सामने एक उदाहरण पेश किया है। इन से युवाओं को शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए।' मैं बहुत खुश था कि वह मेरा दोस्त है।

विवाह के एक महीने बाद वह अपने ससुराल से लौटा तो मेरे आश्चर्य की सीमा नहीं थी। उसके साथ ढेर सारा समान देखकर मैंने पूछ तो पता चला - 'दहेज अब लिया है।'

मैं जैसे शून्य में चला गया। मेरे सामने वे समाचार-पत्र और पत्रिकाएँ घूमने लगी जिन में मेरे दोस्त के फोटो छपे थे और सुर्खियां थी - 'हमें गर्व है प्रदीप कुमार पर...।'

पहला दिन

मैने एक रुपये का सिक्का पूजा की थाली में चढ़ाया। हाथ जोड़ कर गणेश जी की मूर्ति के सामने खड़ा हो गया। मन ही मन प्रार्थना करने लगा। आंखें खोल प्रसाद के लिए पुजारी जी के आगे हाथ बढ़ाया। प्रसाद लेकर मंदिर की परिक्रमा की। फिर बाहर आ गया।

दूसरा दिन

आज मेरे पास कोईन नहीं थे इसलिए पूजा की थाली में दस का नोट रख दिया। हाथ जोड़ कर गणेश जी की मूर्ति के सामने खड़ा हो गया। मन ही मन प्रार्थना करने लगा। मेरे मन पर जेब में सिक्के के नहीं होने का मलाल प्रार्थना में ध्यान भंग कर रहा था। आंखें खोली। मैंने देखा - पुजारी जी स्वयं प्रसाद देने के लिए तैयार खड़े हैं। पुजारी जी ने मुझे प्रसाद दिया।

मैंने महसूस किया - मेरे हाथ में जैसे किसी ने दस भक्त जनों का प्रसाद एक साथ रख दिया हो।

- तड़ाक...। उसके गाल पर चार अंगुलियों की छाप थी। उसने जोर-जोर से रोना आरंभ कर दिया। हाथ से बने मानचित्र को आंखों के मोती भिगोने लगे।

- जाता है या नहीं...? मां ने गुस्से में स्कूल बैग कमरे के कोने में फेंकते हुए कहा।

वह रोते-रोते अपने खेत की तरफ रवाना हो गया। वह अपनी आंखें मसलते-मसलते पगडंडी परकदम बढ़ाता जा रहा था।

- तू यहां बैठे-बैठे क्या कर रहा है...? तुम्हारे बापू खेत में इंतजार कर रहे होंगे। जा, खेत जा...।

- काम करने के बाद चला जाऊंगा। यदि काम नहीं किया तो स्कूल में सर सजा देंगे। पता है वे क्लास से बाहर खड़ा कर देते हैं।

- एक बार कहने से समझ में नहीं आता तुझे। लातों के भूत बातों से नहीं मानने वाले। ....तड़ाक... जाता है या एक और खाएगा।

- अरे ओ, मरना है क्या? बैलगाड़ी के नीचे आ कर क्यों नाम रोशन करता है, मरना है क्या?

वह मतिभ्रम हुआ यह सुनकर डर गया और इधर-उधर देखने लगा।

- अबे रास्ता तो छोड़।

वह बाई तरफ जाकर हाथ हिलाने लगा। बैलगाड़ी उसके पास से निकल रही थी।

OM BRS MALL

Mandawa (Rajasthan)

A Joint venture of Amit Kumar Agarwal, Kolkata,

सम्पूर्ण

राजस्थान में पुरानी हवेली, नौरा, जमीन,
खरीद व बिक्री, विवादग्रस्त जमीन सम्बन्धीत कार्य,
पुराने पट्टा, नया नामंत्रण के लिए सम्पर्क करें.....

DABRIWAL Courier

Door to Door Courier Service
Courier & Cargo by Train & Air

Amit Kr. Agarwal
(Dabriwal)

4, Narayan Prasad Babu Lane,
Kolkata - 700 007 (W.Bengal)
Email : dabriwals@yahoo.in
Website : www.dabriwal.com

9331156681
9339956681

SastaSundar app
health & happiness
असली दवाईयाँ
18% छूट*
पहले ऑर्डर पर अतिरिक्त ₹50 की छूट*
फ्री होम डिलिवरी
अगले दिन
*T&C Apply
Scan QR Code to
Download App
628 9090 000

Engineering Tomorrow's TEA

VIKRAM
vision in action

Thank you for believing all the way

Regular EEPC Award Winner and Star Performer.

Wide range of Tea Processing Machinery & Equipments; Axial Flow Fan, Auto Withering, Withered Leaf Feeder, Rotorvane, CTC Machine, Continuous Fermenting Machine, Vibratory Fluid Bed Dryer, Fibre extractor & Sorting Machine, Auto Milling, Auto Chasing Machine, CTC Segments etc.

Supplier to All renowned Tea Companies of India & Abroad mainly i.e., McLeod Russel, Amalgamated Plantation, Tata Tea, Goodricke, Apeejay, Andrew Yule, KDHP Ltd., A.V., Thomas Group of Companies, K.T.D.A., James Finlay, Unilever etc.

Most experienced Technical & Commercial team.

VOILA AUTO WITHERING

AXIAL FLOW FAN

WITHERED LEAF FEEDER

ROTORVANE

CTC MACHINE

CONTINUOUS FERMENTING MACHINE

VIBRATORY FLUID BED DRYER

CTC SEGMENTS

HELIX AUTO MILLING MACHINE

TORNADO AUTO CHASING MACHINE

TURNKEY SOLUTION

VIKRAM INDIA LIMITED

HEAD OFFICE: Tobacco House, 1, Old Court House Corner, **Kolkata** - 700001, India, **Telephone**: +91 33 22307629, **Fax**: +91 33 22484881, **Mobile**: 98308 11145, **Email**: sales@vikramindia.in, kolkata@vikramindia.in

FACTORY ADDRESS: Vill: Jala Dhulagori, **P.O.**: Dhulagori, **P.S.**: Sankrail, **Howrah** - 711302, India, **Phone**: 9830811833

OFFICES IN INDIA: Tinsukia, Siliguri, Coonoor | **LIASON OFFICES ABROAD: Dhaka, Colombo, Nairobi**

www.vikramindia.in

SRMB®
चैम्पियन्स की पसंद
SRMB® TMT
WINGRIP™
TECHNOLOGY
टोल फ्री 1800 890 2868
SACRED

ESTD. : 1935

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

९0वें स्थापना दिवस

के उपलक्ष पर

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन

की ओर से

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

RWI

ROADWINGS INTERNATIONAL

Shipping & Logistics

Our Services:

- Master Stevedores
- Container Handling
- Transportation
- Warehousing
- Freight Forwarding
- Barge Operators
- C&F of ITC Products

Address
8 Camac St, Kolkata- 700017

Phone Number
9831151265/ 9833933729

Website
www.roadwingsint.com

With Mangalkamnaye

Bhaniram Sureka

Rera No: WBRERA/P/KOL/2023/000716
www.rera.wb.gov.in

IGBC

Madgul
SUPRIYA
A BOUTIQUE RESIDENCY

The heart of happiness
BEATS AT HAZRA

Located near the main Hazra crossing, the cradle of South, this exquisite slice of domestic paradise has set a new standard for metropolitan mavericks who want to choose a cozy Boutique Apartment as their home.

Take the first step - call us to be a part of the privileged few!

LOCATION
minutes from Hazra Crossing on Priyanath Mullick Road.

APARTMENT DETAILS
Luxurious 3 bed rooms, kitchen with service balcony, drawing dining with Balcony, high end finishing.

FACILITIES
Double Height Entrance Lobby
Air-conditioned Community Hall
Air-conditioned Gymnasium
Security with access control
Intercom & CCTV
Glass door elevator
Landscaped Terrace
Iconic elevation
70% Super structure already completed

SITE
17, Priyanath Mullick Road
Kolkata 700026

MEMBER
CREDAI
BENGAL

RUNGTA GROUP
Creating Infrastructure
20, Ballygunge Circular Road, Kolkata 700 019

98369 22227
Email : sales@rungtagroup.in

सम्मेलन के सत्र २०२३-२५ की झलकियाँ

महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट।

धनतेरस पर केन्द्रीय कार्यालय में लक्ष्मी गणेश पूजन

दीपावली प्रीति मिलन समारोह, हल्दीराम बैक्वेट, कोलकाता में आयोजित

केन्द्रीय कार्यालय में पुरस्कार चयन उपसमिति की बैठक

सम्मेलन सभागार में राजनीतिक चेतना उपसमिति की बैठक

सम्मेलन के सत्र २०२३-२५ की झलकियाँ

८९वाँ स्थापना दिवस समारोह, जी.डी. बिरला सभागार, बालीगंज में आयोजित

केंद्रीय सभागार मारवाड़ी व्यापार सहयोग की बैठक संपन्न

श्री देवीलाल महिमा का सम्मान

स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली पर संगोष्ठी आयोजित

केंद्रिय कार्यालय परिसर में ७५वाँ गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया।

संस्कार संस्कृति चेतना "मारवाड़ी कौड़ी स करोड़पति की गाथा" कार्यक्रम आयोजित

राजस्थानी साहित्य सम्मान समारोह का आयोजन

जहाँ सुमति तहँ सम्पति नाना पर संगोष्ठी आयोजित

सम्मेलन के सत्र २०२३-२५ की झलकियाँ

अखिल भारतीय समिति की बैठक हरिद्वार में आयोजित

केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल से शिष्टाचार भेंट

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से राष्ट्रीय पदाधिकारियों की शिष्टाचार भेंट

बंगाल के माननीय राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस से शिष्टाचार भेंट

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की तीसरी बैठक कोलकाता में स्थित केंद्रीय सभागार में आयोजित

८९वें स्थापना दिवस समारोह में पद्मभूषण डॉ. डी आर मेहता को व्यक्तित्व सम्मान

राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान

केंद्रीय कार्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का पालन

सम्मेलन के सत्र २०२३-२५ की झलकियाँ

मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी महिला सम्मेलन के साथ बैठक आयोजित

श्री चेतन स्वामी जी का सम्मान

संविधान संशोधन विषयक पर बैठक बैंगलूर में आयोजित

अखिल भारतीय समिति की तीसरी बैठक, गुजरात में आयोजित

सम्मेलन के पुरोधा स्व. नंदकिशोर जालान जन्म शतवार्षिकी समारोह

सत्र २३-२४ की वार्षिकी साधारण सभा की बैठक

मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की द्वितीय बैठक

स्थानीय संस्थाओं एवं मारवाड़ी सम्मेलन के साथ सम्मेलन सभागार में बैठक

सम्मेलन के सत्र २०२३-२५ की झलकियाँ

असम के राज्यपाल माननीय श्री गुलाब चंदजी कटारिया से सम्मेलन के पदाधिकारियों की शिष्टाचार भेंट

गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात

श्रीमती अलका सरावगी का सम्मान

साहित्यकार श्री राजेन्द्र जोशी का सम्मान

पदाधिकारियों के दौरे

सम्मेलन अतीत के झरोखों से

सम्मेलन के **हीरक जयन्ती समारोह (१९९६)** को सम्बोधित करते तत्कालीन महामहिम **राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा**।

तत्कालीन **प्रधानमंत्री श्री इन्दर कुमार गुजराल** के साथ सम्मेलन के पदाधिकारीगण।

सम्मेलन के **२१वें अधिवेशन** में तत्कालीन महामहिम **उपराष्ट्रपति श्री भैरोसिंह शेखावत** एवं **पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री राम निवास मिर्धा** सम्मेलन के पदाधिकारियों के साथ।

१९८६ में महामहिम **राष्ट्रपति ज्ञानीजैल सिंह** दीप प्रज्जवलित कर **स्वर्ण जयंती समारोह** का उद्घाटन करते हुए सम्मेलन के तत्कालीन सभापति श्री नंदकिशोर जालान।

सम्मेलन अतीत के झरोखों से

सम्मेलन के कौस्तुभ जयन्ती समारोह में तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल की अगवानी करते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल रुँगटा एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा।

२४ दिसम्बर २०१० : माननीया लोकसभाध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार से मिला सम्मेलन का प्रतिनिधि मंडल; चित्र में (बायें से) राष्ट्रीय महामंत्री श्री रामअवतार पोद्दार, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल रुँगटा, माननीया लोकसभाध्यक्ष, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री आत्माराम सोंथलिया एवं संयुक्त महामंत्री श्री संजय हरलालका।

सम्मेलन के २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन में पधारने के लिए महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी को निमंत्रण देने हेतु उनसे मिला सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल; साथ में सांसद श्री सुदीप बन्द्योपाध्याय।

भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द की कोलकाता यात्रा के दौरान उनसे मिलता सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल; परिलक्षित हैं (बायें से) सर्वश्री संतोष सराफ, रामअवतार पोद्दार, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, महामहिम राष्ट्रपति, प्रह्लाद राय अगरवाला, सीताराम शर्मा एवं शिव कुमार लोहिया।

सम्मेलन अतीत के झरोखों से

२१ नवम्बर २०२० : राँची, झारखंड में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन का दीप प्रज्वलन कर उद्घाट न करती झारखंड की महामहिम राज्यपाल माननीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू। नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, सर्वश्री पवन कुमार गोयनका, विनय सरावगी, अनिल अग्रवाल, पवन कुमार पोद्दार, सुबोध कांत सहाय एवं राज कुमार पुरोहित।

२२ नवम्बर २०२० : २६वें राष्ट्रीय अधिवेशन में समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा के माननीय उपसभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह के साथ परिलक्षित हैं कोल इंडिया के चेयरमैन श्री प्रमोद अग्रवाल, नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, सर्वश्री पवन कुमार गोयनका, ओम प्रकाश अग्रवाल एवं राजकुमार पुरोहित।

मई २०२३ में गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन की झलकियां।

मई २०२३ में गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन की झलकियां।

उद्‌गार

सम्मेलन के प्राण-पुरुष स्व. ईश्वरदास जालान

धन और संपत्ति को गरीबों के उत्थान में लगा सकें, और देश की आर्थिक समस्याओं को सुलझाने में सहायक बन सकें तो यह समाज न केवल जनता का आदर और सम्मान ही प्राप्त कर सकता है, बल्कि देश का नेतृत्व ग्रहण कर सकता है। भामाशाह ने यदि राणाप्रताप को उनकी विपत्तियों में सहायता नहीं पहुँचाई होती तो भामाशाह का नाम आज कौन याद करता। हजारों ही अमीर आए और चले गए, किंतु भामाशाह को हम आज भी याद करते हैं।... मारवाड़ी समाज आज भारत के जिस अंचल में है, उसका अपना बनकर उसे अपना बनाए, यही उसका परम पुरुषार्थ है।

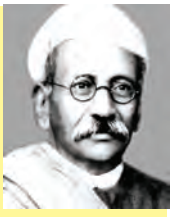

जिस महान एवं पवित्र उद्देश्य को लेकर हमलोग यहाँ उपस्थित हुए हैं, वह उद्देश्य है संपूर्ण मारवाड़ी समाज का सामूहिक संगठन, ऐसा संगठन जो जाति में नवजीवन का संचार करने वाला हो, उसके कार्यकर्ताओं में उल्लास, सजीवता एवं कर्मोद्यम का भाव भरने वाला हो और जिसमें समाज की विभिन्न शाखाएँ संबंद्ध हों, अपने जातीय हित और उससे भी वृहत्तर संपूर्ण देश के स्वार्थ से संबंध रखने वाले समस्त प्रश्नों पर विचार करें और अपना कर्तव्य स्थिर करें।

– स्व. रायबहादुर रामदेव चोखानी,
१९३५-१९३८

समाज के सुधार की समस्या वर्षों से हमारे सामने है और हम उस पर विचार कर रहे हैं। किंतु यह विषय इतना विवादास्पद है कि हमने आपस में कहीं तर्क-वितर्क किया भी है, पर खास ध्यान आकर्षित करना उचित नहीं प्रतीत होता। मैं उसे भविष्य के लिए छोड़ देता हूँ किंतु यह चेतावनी दे देना भी जरूरी समझता हूँ कि हम चाहें अथवा नहीं, सामाजिक समस्या का निकट भविष्य में सामना करना ही पड़ेगा। आज नहीं तो कल हमको एकत्र होकर अपने समाज के संपूर्ण संगठन की योजना और सामाजिक पहेलियों का निदान करना ही पड़ेगा।

– स्व. पद्मपत सिंघानिया,
१९३८-१९४०

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

आज आए दिन सामाजिक त्योहारों और उत्सवों में फिजूलखर्ची देखने में आती है। मैं समाज के सभी लोगों से यह अनुरोध करता हूँ कि ऐसे सामाजिक अवसरों पर वे अपने खर्च को उचित सीमा के बाहर न जाने दें। मेरा यह अनुरोध केवल उन्हीं से नहीं जिनके पास धन का अभाव है वरन् मैं उन लोगों से भी अनुरोध करता हूँ जिनके पास प्रचूर धन है, क्योंकि यह मानव स्वभाव है कि दूसरी श्रेणी की देखा-देखी पहली श्रेणी के लोग अपनी परिमित आर्थिक अवस्था के बावजूद दिखावे और आडंबर में उनकी नकल करने को आतुर दिखाई देते हैं।

– स्व. बद्रीदास गोयनका,
१९४०-१९४१

हमारा राजनीतिक स्वार्थ और भारत का राजनीतिक स्वार्थ एक है। मैं जातीयता का पक्षपाती नहीं हूँ इसलिए अपनी जाति के लिए विशेष अधिकार प्राप्त करने की अभिलाषा नहीं रखता। जिस कार्य में भारत का हित है उसी कार्य में भारत की प्रत्येक जाति का हित है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का आदर्श राष्ट्रीय है। जिन देशी रियासतों के हम निवासी या प्रवासी हैं उनकी शासन प्रणाली में परिवर्तन करना तथा प्रतिनिधित्व प्राप्त करना और उस प्रणाली को विधानयुक्त बनाना हमारा प्रथम कर्तव्य है।

– स्व. रामदेव पोद्दार,
१९४१-१९४३

आपस की हमारी फूट पर हमने धर्म की छाप लगा ली है और इस तरह के धार्मिक अंध-विश्वासों ने हमको स्वतंत्रता से विचार करने के योग्य भी नहीं रखा है। धर्मभीरु होना हम अपने लिए गौरव की बात समझते हैं। धार्मिक और सामाजिक रीति-रिवाजों और रुढ़ियों एवं नाना प्रकार के बंधनों ने हमें मनुष्यता से गिरा दिया है।

– स्व. रामगोपाल जी मोहता,
१९४३-१९४७

किसी भी समूह को अपना भावी कर्तव्य निश्चित करने के लिए आवश्यक हो जाता है कि वह अपनी प्राचीन अवस्था को समझे, वर्तमान का अवलोकन करें और भविष्य की ओर देख अपने कर्तव्य का निश्चय करे। मारवाड़ी सम्मेलन को और उसके सारे कार्य को उसी निगाह से देखना चाहता हूँ। गुणों को देखने के साथ ही अवगुणों का अवलोकन भी जीवन में उपयोगी होता है, इस तत्व का भी मुझे स्मरण है।

– स्व. बृजलाल बियाणी,
१९४७-१९५४

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

हमें बदलते हुए समय के साथ चलना होगा। आज के युग में पर्दा और दहेज जैसी कुप्रथाएँ सहन नहीं की जा सकतीं। युवकों पर तो इस मानसिक और व्यवस्थात्मक क्रांति को लाने का मुख्य भार होगा ही। उन्हीं को तो आज की विरासत संभालनी है और उस विरासत में उनको मिलेगी आज की संपत्ति और आज की समस्याएँ। यदि वे केवल आज की संपत्ति की ही ओर टकटकी लगाए रहें, तो वे न तो उसे बचा पाएंगे और न अपने को। उन्हें समस्याओं को भी अच्छी तरह से देखना तथा समझना है और उनको सुलझाने के लिए कटिबद्ध हो जाना है।

– स्व. सेठ गोविन्ददास मालपानी,
१९५४-१९६२

सम्मेलन ने समाज को सदैव यह परामर्श दिया है कि जो भाई बहन भिन्न-भिन्न प्रांतों या राज्यों में बसे हैं, उन्हें वहाँ का नागरिक माना जाय, उन्हें वहाँ के सामाजिक जीवन में पूरी तरह समरस हो जाना चाहिए। दहेज ही बढ़ती हुई बीमारी की समस्या के बारे में कहा कि 'क्षय रोग की तरह यह हमारे गृहस्थ जीवन का विनाश कर रही है और महिलाओं की प्रतिष्ठा के तो यह सर्वथा प्रतिकूल है।' विवाहों में आज भी हम अपने वैभव का इतना प्रदर्शन करते हैं कि दूसरों की दृष्टि में हम खटकने लगते हैं। हमें उतना ही प्रदर्शन करना उचित है जो दूसरों के लिए सिरदर्द न बने।

– स्व. गजाधर सोमानी,
१९६२-१९६६

सामाजिक सुधारों के अलावा देश-व्यापी राष्ट्रीय प्रवृत्तियों में हिस्सा लेना भी सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य रहा है। हमारे समाज का विस्तार देश के कोने-कोने में हुआ है और हमें संतोष है कि इस समाज के लोग जिस भी राज्य या प्रांत में जा बसे हैं, वहाँ के नागरिक और सामाजिक जीवन में पूरी तरह हिस्सा ले रहे हैं तथा स्थानीय प्रवृत्तियों में पूरा सहयोग दे रहे हैं जो कि सम्मेलन के उद्देश्यों की पूर्ति का प्रतीक है। मारवाड़ी समाज की किसी भी संस्था ने अपने लिए विशेष संरक्षण या अधिकार की मांग नहीं की, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के साथ तन्मय होकर चलने का प्रयत्न किया।

– स्व. रामेश्वरलाल टांटिया,
१९६६-१९७४

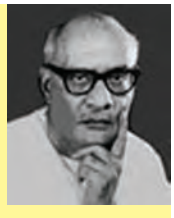

समाज के भावी कर्णधारों को अपने-अपने प्रांतवासियों के साथ समरस होकर एक लक्ष्य बनाकर, स्वस्थ सार्वजनिक जीवन में अधिकाधिक भाग लेना चाहिए। इसके पीछे हमारी जातिगत स्वार्थ की नहीं, राष्ट्रीय संभावनाओं के प्रतिफलन की ओर उत्तरदायित्वपूर्ण सहयोग की भावना होनी चाहिए।... दहेज की वर्तमान स्थिति के विरुद्ध दृढ़प्रतिज्ञ आदर्शवान युवकों को प्रतिज्ञापूर्वक अपने आचरण का उदाहरण रखते हुए सक्रिय आंदोलन करना चाहिए। जब ऐसा होने लगेगा, तभी संभवतः इस राक्षसी प्रथा का समूल नाश होगा।

– स्व. भंवरमल सिंघी,
१९७४-१९७६ एवं १९७६-१९७९

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

वधुओं को दहेज के अभाव में जलाना, तलाक, भोंडा दिखावा तथा आचरणहीनता बराबर बढ़ रही है। वधुओं और बेटियों में फर्क समझने वाला मनुष्य कहलाने के योग्य नहीं।.... समाज में व्यक्तिवाद घर किए हुए है। समष्टिवाद बहुत कम दिखलाई पड़ता है। समाज के संगठन की आवश्यकता दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। मैं चाहता हूँ कि इस दिशा में सम्मेलन की ओर से ठोस कदम उठाए जाएँ जिससे संगठन की भावना जोर पकड़े और सारे भारत के मारवाड़ी बंधु सम्मेलन के द्वारा अपनी आवाज बुलंद कर सकें।

– स्व. मेजर रामप्रसाद पोद्दार,
१९७९-१९८२

यदि हमें अपने युवकों की उर्जा का लाभ लेना है तो हमें अपनी सार्वजनिक संस्थाओं और उनके क्रिया-कलापों को आधुनिकता का जामा पहनाना होगा, जिनसे हमारा युवक उनसे जुड़ सके, अपना वर्चस्व दिखा सके और पिछले बीते युग से कहीं शक्तिशाली व प्रभावोत्पादक रूप से नवनिर्माण व सामाजिक सुधारों की गंगा बहा सके।... दहेज-रुपी विष का जितना इलाज किया गया, यह विष उतनी ही तेजी से बढ़ता गया। अब हमें यह नारा देना होगा कि हर शादी मंदिरों में, धर्म-स्थानों में हों और केवल नजदीकी रिश्तेदारों की उपस्थिति में हो।

– स्व. नन्दकिशोर जालान,
१९८२-१९८६, १९९३-१९९७ एवं १९९७-२००१

सम्मेलन के मंच से बराबर सामाजिक कुरीतियों एवं रूढ़ियों के विरुद्ध प्रस्ताव पास किए जाते रहे हैं, लेकिन समस्याएँ कहीं कम हुई हैं तो कहीं और बढ़ गई हैं। फिजूलखर्ची और दहेज की समस्या विवाह-संस्कार आदि के कार्यक्रमों में दानवी रूप लेती जा रही हैं। हमें स्वयं आत्म-चिंतन करके इन सामाजिक कुरीतियों को दूर करना चाहिए एवं अन्य समाजों के समक्ष उदाहरण रखना चाहिए, तभी निम्न और मध्यवर्ग का मारवाड़ी भाई अपनी प्रतिष्ठा बचा सकेगा।

– स्व. हरिशंकर सिंघानिया,
१९८६-१९८९

जिस दिन समाज का कार्यकर्ता, समाज के सभी वर्गों के भाई-बहन स्थान-स्थान पर सैकड़ों-हजारों की संख्या में सामाजिक बुराइयों और सामाजिक अन्याय के विरुद्ध, प्रांतीयता और संकीर्णता के विरुद्ध, शोषण और दुर्नीति के विरुद्ध अनवरत आंदोलन प्रारंभ करेंगे, उस दिन वे अकेले नहीं रहेंगे। समस्त भारतीय समाज के लोग उनके साथ आ मिलेंगे और उस दिन समाज अपनी सही छवि स्थापित कर सकेगा, समाज की सर्वांगीण उन्नति का, सम्मेलन का सपना साकार होगा। एक बड़ा दायित्व समाज के कार्यकर्ता पर है और इस सम्मेलन को इसी भावना को शहर-शहर और गाँव-गाँव पहुँचाना है।

– स्व. रामकृष्ण सरावगी,
१९८९-१९८९

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

मातृभूमि भारतवर्ष के प्रति मारवाड़ी समाज के अवदान की ४०० वर्षों से चली आ रही एक गौरवमयी अटूट परंपरा है। इससे विश्व मानव ने सतत प्रेरणा ग्रहण की है। इस परंपरा के आलोक में आज की परिस्थिति में मारवाड़ी समाज का क्या कर्तव्य है और इसकी क्या प्राथमिकताएँ हों, यह एक विचारणीय प्रश्न है। इसका उत्तर हमें अपने समाज के संदर्भ में ही ढूँढना होगा। प्रत्येक समाज का यह कर्तव्य ही नहीं, धर्म भी है कि वह अपने मूल स्वरूप का संरक्षण करे।

– स्व. हनुमान प्रसाद सरावगी (का.),
१९८९-१९९३

विगत वर्षों में सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्र में नैतिकता का पतन बड़ी तेजी से हुआ है। नेतृत्व का उद्देश्य समाज और राष्ट्र के उत्थान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना न होकर सिर्फ अपनी जेब भरना एवं अपने को स्थापित करना हो गया है। स्वार्थ की अंधी गली में दौड़ लगाते हुए नेतृत्व को इस बात का ख्याल रहा ही नहीं कि उनके इस आचरण का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ेगा। .... अतएव यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है कि समाज के नेतृत्व में आमूल परिवर्तन हो और कमियों-खामियों की व्याख्या के साथ-साथ सामाजिक आधार को दृढ़ से दृढ़तर बनाने की कोशिशें तेज से तेजतर हों। नई पीढ़ी को, नई सोच के लोगों को भी इस मुहिम में अग्रिम पंक्ति में रखा जाना चाहिए ताकि समाज की सभी कड़ियों में सामंजस्य बनाने में सहूलियत हो।

– स्व. मोहनलाल तुलस्यान,
२००१-२००४ एवं २००४-२००६

मेरी मान्यता है कि मारवाड़ी सम्मेलन को विचार मंच से आगे बढ़कर एक सक्रिय वैचारिक आंदोलन का रूप लेना चाहिए। समाज-सुधार एवं समरसता हमारा नारा हो। हमें दहेज-दिखावा, नारी-प्रताड़ना, आडंबर, फिजूलखर्ची का सक्रिय विरोध करना है। मारवाड़ी सम्मेलन की केंद्रीय, प्रांतीय एवं जिला स्तर पर सांगठनिक क्षमता का विकास कर इसे सही मायने में मारवाड़ी समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था के रूप में स्थापित करना है। सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास के लिए मारवाड़ी सम्मेलन में नई चेतना जागृत करनी है। मारवाड़ी समाज की नई, आधुनिक प्रतिभा को देश के सम्मुख प्रस्तुत करना है। साहित्य, संस्कृति, कला, राजनीति, ज्ञान, विज्ञान के क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं की परिचिति के साथ-साथ उन्हें मान्यता एवं सम्मान प्रदान कर समाज को नया स्वरूप एवं नया व्यक्तित्व देना है।

– श्री सीताराम शर्मा,
२००६-२००८

आज समाज शिक्षित हुआ है। शिक्षित समाज का सपना हम भी देख रहे हैं, परंतु साथ ही हमें यह देखना होगा कि इस शिक्षा से समाज में व्याप्त कुरीतियों को न सिर्फ समाप्त किया जा सके, इसके साथ-साथ हम हमारी सामाजिक धरोहर जैसे शाकाहारी, धार्मिक-सामाजिक प्रवृति में किस तरह विकास ला सकें।... धन के फिजूलखर्ची ने समाज के एक वर्ग को अंधा बना दिया है। हम एक दूसरे से कम नहीं होकर एक दूसरे से आगे निकलने के प्रयास में समाज की संस्कारों की संपदा कहीं समाप्त न कर दें। इस पर हमें सोचने की जरूरत है कि इस प्रकार की प्रवृत्ति को किस तरह बढ़ने से रोका जा सके। सम्मेलन इस दिशा में पहल करने के लिए सदा तत्पर रहेगा।

– श्री नंदलाल रुँगटा,
२००८-२०१०

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव से युवा वर्ग की सोच कि 'मुझे क्या लेना-देना?' या 'मुझे इससे क्या लाभ?' में बदलाव आवश्यक है। मारवाड़ी समाज के नवसृजन एवं विकासोन्मुखी कार्यक्रमों में युवाशक्ति को और अधिक दायित्व लेना जरूरी है। अवांछित एवं अस्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा के कारण न केवल फिजूलखर्ची को बढ़ावा मिल रहा है, अपितु आडंबर एवं मिथ्या-प्रदर्शन से हमारा समाज इतर समाजों की आलोचना का हास्यास्पद पात्र बन गया है। देश की प्रगति के लिए हमें राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। अपने अधिकारों का उचित प्रयोग करते हुए सही नेता का चयन करना चाहिए।

– डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया,
२०१०-२०१३

सम्मेलन प्रांतों में बसता है। सम्मेलन के संगठन को अपेक्षित विस्तार देने के लिए आवश्यक है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारी प्रांतीय मुख्यालयों के साथ-साथ, नगर-ग्राम शाखाओं तक का यथासंभव दौरा करें, हर स्तर पर विचारों का परस्पर आदान-प्रदान हो, स्थानीय स्तर पर समाज की समस्याओं के विषय में जानकारी हो, और समाज के जन-जन को सम्मेलन के साथ जोड़ने का हर प्रयत्न हो। यह सम्मेलन के संगठन-विस्तार, सिद्धांतों एवं विचारों के प्रसार तथा हमारे उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए रामबाण सिद्ध होगा। हमारे कार्यक्रमों की सफलता के लिए महिला एवं युवा अनिवार्य कड़ियाँ हैं। इनकी सहभागिता से ही हम अपने कार्यक्रमों को गति दे पाएँगे और इच्छित परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। सम्मेलन के कार्यक्रमों में इनकी सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है और इसके लिए प्रयत्न करना हमारा कर्तव्य।

– श्री राम अवतार पोद्दार,
२०१३-२०१६

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारी युवा पीढ़ी अत्यंत मेधावी एवं परिश्रमी हैं और अपने पारंपरिक उद्योग-व्यापार से आगे बढ़कर शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, खेल, मनोरंजन सहित हरेक क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों से समाज का मान बढ़ा रही है। तथापि, संस्कारों का ह्रास, बुजुर्गों का घटता सम्मान, फिजूलखर्ची-आडंबर, दाम्पत्य संबंधों में असहिष्णुता, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, राजनीतिक सक्रियता एवं चेतना की कमी जैसे विषयों पर हमारे युवक-युवतियों, तरुण-तरुणियों को सचेत रहने की आवश्यकता है। सामाजिक संगठन की अनिवार्यता को भी समझना है, क्योंकि संगठित समाज की आवाज ही सशक्त हो सकती है।

– श्री प्रह्लाद राय अगरवाला,
२०१६-२०१८

बदलते हुए सामाजिक पृष्ठभूमि में सम्मेलन के कार्य-कलापों में भी बदलाव आ रहा है। सम्मेलन की भूमिका नित-निरंतर महत्वपूर्ण होती जा रही है। ज्यों–ज्यों समाज में आर्थिक सफलता आती है, साथ–साथ विसंगतियाँ भी पनपती है। सभी बंधुओं को सम्मेलन से आशा है। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आपसी सामंजस्य के साथ समाज में अच्छाइयों को बरकरार रखते हुए, नए विसंगतियों को दूर करना एक चुनौतिपूर्ण कार्य है। सम्मेलन के पास समाज के लिए कार्य करने के लिए अनेकों अवसर हैं। समस्याओं को संभावनाओं में परिवर्तित करने की आवश्यकता है, और इसके लिए प्रयत्न करना हमारा और हमारे समाज के लोगों का कर्तव्य है।

– श्री संतोष सराफ,
२०१८-२०२०

सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष

समाज की प्रतिनिधि संस्था के रूप में आज सम्मेलन समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है। समाज पर आए हर कष्ट के समय निवारण हेतु सम्मेलन ने उचित एवं सामयिक भूमिका निभाई है। समाज को संगठित करने के लिए संगठन का विस्तार आवश्यक है। आज देश के प्रायः हर प्रांत में सम्मेलन की शाखा कार्यरत हैं। संगठन में ही शक्ति है। संगठन की आवाज में पूरी ताकत रहती है। 'संगठित समाज सशक्त आवाज' हमारा लक्ष्य है कि जहाँ भी मारवाड़ी बंधु रहते हो वहाँ सम्मेलन की शाखा हो, ताकि एक कड़ी की तरह हम जुड़ सकें। निष्कर्ष यही निकलता है कि सम्मेलन समाज के लिए सदा प्रासंगिक और स्वीकार्य रहा है और रहेगा।

– श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया,
२०२०-२०२३

नीति रा दूहा

मिनख घणा ही जगत में, मिनखां घणो सुगाळ।
ज्यां मिनखां में मिनखपण, वां मिनखां रो काळ।।

राम कहै सुण लिछमणां, ताक लगावो तीर।
उतरयां पाछे ना चढै, नरां गिरवरां नीर।।

सब देखै संसार, निपट करै गाहक निजर।
जाणै जाणणहार, रतनां पारख राजिया।।

सोच करै सो सूर है, कर सोचै सो कूर।
सोच करयां मुख नूर है, कर सोच्यां मुख धूर।।

सगपण कीजै जाण, अण जाण्यो कीजै नहीं।
पांणी पीजै छांण, सीख सुणो जग नाथिया।।

जीम कसौटी स्वाद है, स्रवण कसौटी वैण।
वास कसौटी नासका, रूप कसौटी नैण।।

औरूं अकल उपाय कर, आछो भूंडो न कर।
जग सह चाल्यो जाय, रेळां की ज्यूं राजिया।।

सिंघ गमन, सत्पुरुष वचन, कदळी फळै इक वार।
तिरिया तेल हमीर हठ, चढै न दूजी बार।।

साध सती अर सूरमा, ग्यानी अर गजदंत।
ऐ पाछा ना बावड़ै, जे जुग जाय अनंत।।

घर कारज सीळा घणां, पर कारज समरथ्थ।
ज्यांनै राखो सांइयां, आडा दे-दे हथ्थ।।

– सज्जन बाजोरिया

समाचार सार

राजस्थानी भाषा को मिल सकती है मान्यता

शिक्षा मंत्री की पहल पर मुख्य सचिव ने लिखा भारत सरकार को पत्र –

प्रदेशवासियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। अब राजस्थानी भाषा को शीघ्र ही संवैधानिक मान्यता मिल सकती है।

माननीय शिक्षा (भाषा एवं पुस्तकालय विभाग) श्री मदन दिलावर की पहल पर मुख्य सचिव राजस्थान सरकार श्री सुधांश पंत ने भारत सरकार के गृह सचिव श्री गोविंद मोहिल को पत्र लिखकर राजस्थानी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की सिफारिश की है।

मुख्य सचिव ने अपने पत्र में लिखा है कि भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में और भाषाओं को सम्मिलित करने एवं वस्तुनिष्ठ मानदंड तैयार करने हेतु श्री सीताकांत महापात्र की अध्यक्षता में गठित समिति की सिफारिश में विभिन्न भाषाओं को संवैधानिक दर्जा देने के लिए पात्र बताया गया है। समिति की सिफारिश गृह मंत्रालय में विचाराधीन है। राजस्थानी भाषा को अब तक भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया। अतः राजस्थानी भाषा को भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित कराने की कार्यवाही के संबंध में यथोचित आदेश प्रदान किए जाए।

पहले ही संकल्प पारित कर चुकी है विधानसभा गौरतलब है कि राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता प्रदान कर इसे भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में करने का संकल्प राजस्थान विधानसभा द्वारा ३ सितंबर २००३ को पारित किया जा चुका है। जिसे भारत सरकार द्वारा मंजूर किया जाना ही शेष है।

सत्र २०२३-२५ के लिए लोगो

सभी प्रादेशिक संगठन एवं शाखा संगठन से उपर्युक्त दिए गए लोगो का उपयोग सत्र २०२३-२५ के लिए करने का अनुरोध है। इसमें दूसरा लोगो इस सत्र के नारा 'आपणो समाज – एक समाज – श्रेष्ठ समाज' का है। नए 'लोगो' में यह दर्शाया गया है कि समाज के विभिन्न घटक समन्वय एवं भाईचारा की भावना के साथ हाथ मिलाकर एकता का संदेश दे रहे हैं एवं समाज को श्रेष्ठता प्रदान कर रहे हैं।

With Best Compliments from:-

Mironda Group of Companies

MIRONDA
MINMETALS PVT. LTD.

(A STAR ★ EXPORT HOUSE)

RS FINANCE PVT. LTD.

MALVIKA COMMERCIAL PVT. LTD.

MERCURY INTERNATIONAL

&

DWARKADAS SITARAM SHARMA TRUST

Head Office: 9/3, Hungerford Street, "Latika" Ground Floor
Kolkata – 700 017 Tele: (033) 2289 5400 / 5403

Branch Office: 2A, Chowringhee Square, Tower House, 2nd Floor
Kolkata – 700 069 Tele: (033) 2242 9002 / 2262 9002

Email: info@mirondagroup.com

With Best Compliments From :

JAI BHARAT COMMERCIAL CORPORATION

23/24, Radha Bazar Street,
3rd Floor,
Kolkata – 700 001
Phones : 033-2242-5889/7995
Email : jbccsonthalia@yahoo.com / jbccsonthalia@gmail.com

–: Suppliers of :–

M.S. E.R.W. / G.I. / P.V.C. / C.I. Pipes, Specials,
Joints Sluice Valves and Pot Water Filter and
also laying of all pipes.

–: Turnkeys :–

Functional Household Tap Connection (FHTC) under JAL JEEVAN MISSION, Electro Chlorinator, Water Flow Meter, Iron Elimination Plant etc.

www.genus.in

Genus
energizing lives

Making society
smarter, more sustainable and liveable

with our **End-to-End Smart Metering,**
Power-Back & Solar Solutions

SPL-3, RIICO Industrial Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur-302022,
(Raj.), INDIA T. +91-141-7102400/500
metering_exports@genus.in, metering@genus.in

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
*MDF-The **wood** of the future*
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.

Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088

For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

RUPA®
TORRIDO
PREMIUM THERMAL
सर्दियों में
only
TORRIDO
STRETCHABLE | BODY-HUGGING | ATTRACTIVE COLOURS | SOFT AND NON-ITCHY
www.rupa.co.in | SMS 'RUPA' to 53456 | Toll Free No: 1800 1235 001 | Shop Online: www.rupaonlinestore.com

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 24th December, 2024
RNI Regd. No. 2866/1968

।। ग्राहक देवो भवः ।।

Premsons Motor Group

Premsons Motor

NEW CAR SHOWROOMS

ARENA KANKE ROAD, RANCHI	- Ph. 9308111111
ARENA BARIATU ROAD, RANCHI	- Ph. 9308212121
NEXA MAIN ROAD, RANCHI	- Ph. 9608800400
NEXA BARIATU ROAD, RANCHI	- Ph. 9065516632
NEXA HAZARIBAGH CENTRAL	- Ph. 9832383838
NEXA DEOGHAR CENTRAL	- Ph. 9262991212
ARENA DALTONGANJ	- Ph. 9304807309
ARENA GUMLA	- Ph. 9304807323

RURAL OUTLETS

KHUNTI	- Ph. 9334335446
SIMDEGA	- Ph. 9304807323
GARHWA	- Ph. 9386895721
ORMANJHI	- Ph. 9386256841
LATEHAR	- Ph. 9304807323
NAGAR UNTARI	- Ph. 9386895721

14 WORKSHOPS ACROSS JHARKHAND

CENTRALIZED SERVICE NUMBER 9098400400

RANCHI: KANKE ROAD, NAMKUM, TUPUDANA, KOKAR, BOOTY MORE, NEXA BARIATU

DALTONGANJ, GUMLA, NEXA HAZARIBAGH, NEXA DEOGHAR, GHARWA, KHUNTI, NAGAR UNTARI, SIMDEGA

TRUE VALUE (Pre-Owned Cars)

(We buy & sell cars of all brands & makes

KANKE ROAD, RANCHI	- Ph. 6209299910
BIRSA CHOWK, RANCHI	- Ph. 7677177704
KOKAR CHOWK, RANCHI	- Ph. 6203750004
PUNDAG, RANCHI	- Ph. 9262899010
DALTONGANJ	- Ph. 9031058123
HAZARIBAGH	- Ph. 6203563788

PREMFORD

Built on Trust, Defined by Quality

(Our Real Estate Joint Venture)

Premsons Earthmovers (Authorised JCB Dealership)

(A unit of Premsons Motor Udyog Pvt. Ltd.)

RANCHI	- Ph. 6287242422
JAMSHEDPUR	- Ph. 6287242425
KODERMA	- Ph. 6287242454
DALTONGANJ	- Ph. 6287242464
HAZARIBAGH	- Ph. 6287242461

JCB

Premsons Energy

(A unit of Premsons Motor Udyog Pvt. Ltd.)

RANCHI	- Ph. 9964511110
JAMSHEDPUR	- Ph. 9031013926

ATHER

(Authorised Ather Dealership)

A PREMSONS MOTOR GROUP **SOCIAL PROJECT**

DAWAI DOST

(GENERIC MEDICINE SHOPS)

UPTO **85% DISCOUNT**

Ph. 7677807777 www.dawaidost.co.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com